खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, रविवार 26 नवम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –17 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ काम ना काज के... ■ नेता जी घर पर नहीं... 04

■ हमास ने 25 बंधकों को किया रिहा... ■ राजशाही बहाल करो, नेपाल में हिन्दू नेता... 09

■ सरकार ने सीएनजी, पीएनजी में कंप्रेस्ड... ■ चना दाल के बाद मूंग दाल की कीमतें बढ़ीं.. 11

■ वर्ल्ड कप फाइनल की ... ■ सात्विक-चिराग चाइना... 10

सार संक्षेप

संविधान दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का होगा आयोजन

नई दिल्ली। विधि एवं न्याय मंत्रालय रविवार को यहां भारतीय विधि संस्थान के सहयोग से विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में संविधान दिवस मनाएगा। इसी दिन 1949 में भारत ने संविधान को अपनाया था। इस कार्यक्रम में पांच तकनीकी सत्रों वाली एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी भी आयोजित की जायेगी। इससे कानूनी विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और शिक्षा जगत सहित अन्य लोगों को 2047 के विजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में कानूनों में सुधार की जरूरतों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिलेगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे और वह पूर्ण सत्र में मुख्य भाषण देंगे।

नैनीताल में पर्यटकों की कार गहरी खाई में गिरी, 5 की मौत

नैनीताल। नैनीताल जिले में शनिवार को दिल्ली के पर्यटकों की कार गहरी खाई में गिर गई। इसमें सभी पांच लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। हादसा नैनीताल के कोटाबाग क्षेत्र में हुआ। घटनास्थल के आसपास काफी मलबा पड़ा है। माना जा रहा है कि इसी वजह से कार चालक ने संतुलन खो दिया। लोगों ने कार को खाई में गिरा देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि बाघनी गांव में पर्यटकों की कार खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हुई है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी कोबात

चूहा-सुनती हो- महुआ माइत्रा मामले में सीबीआई की जांच अब शुरू हो गई है।

चुहिया- हां प्रिये- इसमें इतना क्या ताज्जुब, इन सब वाक्यों से हर राजनेता का पाला पड़ता ही रहता है।

सिलक्यारा सुरंग मामला,पिछले 2 सप्ताह से फंसे हैं 41 मजदूर

सुरंग के भीतर टूटी बरमा मशीन, फिर बाधित हुआ बचाव अभियान

उत्तरकाशी, देशबन्धु। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए अभियान चल रहा है लेकिन इस बीत अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने शनिवार को बताया कि सुरंग में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान के 14वें दिन बरमा मशीन खराब होने से अब इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लग सकता है क्योंकि यह ऑपरेशन तकनीकी रूप से और ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है।

अब धैर्य की जरूरत है - राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन ने कहा कि अब धैर्य की जरूरत है क्योंकि बचावकर्मियों को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थिति युद्ध जैसी है और ऑपरेशन को लेकर भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है।

वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू की जाएगी-रिपोर्ट के मुताबिक, बचाव अभियान में ऑगर (बरमा) मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है जो मलबे के बीच से ड्रिलिंग कर रही है लेकिन रास्ते में धातु बाधा आने पर इसका काम रुक जाता है। इस बीच कई बार बरमा मशीन में खराबी का सामना करना पड़ा है। बचावकर्मी अब बरमा मशीन को निकाल रहे हैं। इसके बाहर आने पर मैन्युअल ड्रिलिंग और वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू की जाएगी। फिलहाल मुख्यमंत्री धामी एक बार फिर टनल पर पहुंचे हैं। उन्होंने वर्टिकल ड्रिल पर अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सभी विशेषज्ञों की सलाह से आगे के एक्शन पर फैसला लिया जाएगा। एनडीएमए सदस्य ने कहा कि फिलहाल 47 मीटर की खुदाई हो चुकी है, उसे स्थिर रखना है और बरमा मशीन का टूटा हुआ हिस्सा हटाना है।

कांग्रेस से खड़े किए सवाल

देहरादून। उत्तरकाशी सिलक्यारा में 14 दिन से टनल में फंसे मजदूरों को निकालने की लगातार कोशिश की जा रही है। हर दिन मजदूरों के सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई न कोई बाधा आ जाती है। जिसके कारण अभी तक टनल में फंसे मजदूरों को नहीं निकाला जा सका है। वहीं, टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने में हो रही देरी के मामले पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। मामले में कांग्रेस ने बीजेपी सरकार और सिस्टम पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने बाकायदा इसके लिए एक पोस्टर भी जारी किया है।

राजस्थान में 68 फीसदी से अधिक मतदान

सर्वाधिक 76.57 प्रतिशत मतदान जैसलमेर में हुआ, सबसे कम 60.71 प्रतिशत पाली जिले में दर्ज किया

जयपुर, (एजेंसियां)। राजस्थान की 199 विधानसभा सीटों पर शनिवार शाम 6 बजे मतदान सपन्न हो गया। पांच बजे तक 68 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान के अनुसार शाम 5 बजे तक प्रदेश में 68.24 फीसदी मतदान हुआ है। कई जगह झड़प और बवाल हुआ। बूथ कैप्चर किया गया। मतगणना 3 दिसंबर को होगी। सर्वाधिक 76.57 प्रतिशत मतदान जैसलमेर जिले में हुआ, जबकि सबसे कम 60.71 प्रतिशत पाली जिले में दर्ज किया गया।

भरतपुर जिले की कामां व नगर में विवाद -भरतपुर जिले की कामां और नगर विधानसभा क्षेत्र में विवाद हुआ। नगर विधानसभा क्षेत्र के सुकेत गांव में राजकीय प्राथमिक स्कूल के बूथ पर हंगामा कर दिया। यहां एक व्यक्ति दीवार फांदकर बूथ में घुस गया और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से मारपीट शुरू कर दी। उसने वीवीपैट में तोड़फोड़ की। हंगामे की वजह से करीब 30 मिनट तक मतदान बंद रहा। धौलपुर जिले के बाड़ी विधानसभा क्षेत्र में खुले का पूरा गांव में बूथ कैप्चरिंग करने की कोशिश की गई। यहां लोगों की फ्लाइंग स्क्वॉड के मजिस्ट्रेट हरिओम सिरवार से झड़प हो गई। गाड़ी में तोड़फोड़ कर ड्राइवर से मारपीट की। कैमरामैन का कैमरा और फोन छीनकर ले गए।

इसके बाद गांव के दो पक्षों के बीच फायरिंग और पत्थरबाजी हुई। घटना में मजिस्ट्रेट के ड्राइवर सहित तीन लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के रजई कला गांव में भी फायरिंग का मामला सामने आया। कंचनपुर के एक मतदान केंद्र पर बसपा प्रत्याशी जसवंत गुर्जर और भाजपा कैंडिडेट गिर्राज मलिंगा के समर्थक आमने-सामने हो गए। वहीं अब्दुलपुर गांव में दो पक्ष आपस में भिड़ गए और पथराव कर दिया।

फतेहपुर शेखावाटी में दो गुटों में झगड़ा-सीकर के फतेहपुर शेखावाटी में दो गुटों में झगड़ा हो गया। दोनों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। घटना बोचीवाल भवन के पीछे बूथ संख्या 128 से 200 मीटर दूर मोहल्ले में हुई। पथराव में एक कॉन्स्टेबल समेत 3 लोग घायल हो गए। चूरू के सरदारशहर के एक बूथ पर कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प भी हुई है। जोधपुर के लूणी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी जोगाराम पटेल के कार्यालय पर हमले का आरोप लगाया। सीकर, श्रीगंगानगर जिलों के कई बूथों पर ईवीएम में खराबी के कारण मतदान में देरी हुई। अलवर, झालावाड़, श्रीमाधोपुर सहित कई विधानसभाओं के बूथों पर दूल्हा-दुल्हन भी वोट करने पहुंचे। टोंक की निवाई विधानसभा में 113 साल की वोटर भूली देवी ने भी वोट डाला।

प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी, मावठे की बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक 27 नवंबर को पश्चिम मध्य प्रदेश से सटे हुए पूर्वी क्षेत्र में भी भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चलेगी। आईएमडी ने लोगों से सावधानियां बरतनें और जल भराव, कच्चे रास्तों व भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने पश्चिम मध्य प्रदेश, दक्षिण राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तर मराठवाड़ा, उत्तर मध्य महाराष्ट्र और गुजरात के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उत्तरी महाराष्ट्र, दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्व गुजरात और दक्षिण राजस्थान में 25 से 27 नवंबर के दौरान कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, तेज गरज के साथ छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई है, जिसमें तमिलनाडु और केरल शामिल है। वहीं, अगले दो दिनों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और दक्षिण राजस्थान में भारी बारिश होने की संभावना है।

तेजस फाइटर जेट में प्रधापनमंत्री मोदी ने भरी उड़ान, 45 मिनट हवा में रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार 25 नवम्बर को तेजस फाइटर जेट में उड़ान भरी और कहा कि यह अनुभव अविश्वसनीय रूप से समृद्ध करने वाला था। उन्होंने कहा, इससे देश की स्वदेशी क्षमताओं में मेरा विश्वास काफी बढ़ गया है। वह करीब 45 मिनट तक हवा में रहे।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को तेजस लड़ाकू विमानों में अपनी उड़ान की तस्वीरें साझा की और कहा, तेजस पर सफलतापूर्वक उड़ान भरी। अनुभव अविश्वसनीय रूप से समृद्ध था, जिससे हमारे देश की स्वदेशी क्षमताओं में मेरा विश्वास काफी बढ़ गया है और मुझे एक नई ऊर्जा मिली है।

मुझे राष्ट्रीय क्षमता के बारे में गर्व और आशावाद दिखता है। मोदी ने कहा, भारतीय वायुसेना, डीआरडीओ और एचएएल के साथ-साथ सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई। तेजस एक सीट वाला लड़ाकू विमान है लेकिन प्रधानमंत्री ने वायु सेना और नौसेना द्वारा संचालित दो सीटों वाले ट्रेनर में उड़ान भरी। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

टीएमसी सांसद की बढ़ सकती है मुश्किलें

महुआ मोइत्रा मामले में सीबीआई जांच शुरू

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा में पैसा लेकर सवाल पूछने आरोपों से घिरी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के मामले में सीबीआई ने लोकपाल के निर्देश पर प्रारम्भिक जांच शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि इस मामले में अब महुआ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिलहाल प्रारम्भिक जांच में एजेंसी पहले यह सुनिश्चत करेगी कि आरोप जांच के योग्य है अथवा नहीं। अगर इस जांच में सीबीआई को पर्याप्त साक्ष्य मिल जाते हैं तों वह महुआ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच आगे बढ़ा सकती है। मालूम हो कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की शिकायत के आधार पर मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिन्होंने टीएमसी सांसद पर संसद में सवाल पूछने के बदले एक कारोबारी से पैसा लेने का आरोप लगाया था। इस मामले में लोकसभा आचार ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

तेलंगाना में प्रचार के लिए जुटे दिग्गज

मोदी के दो यार, ओवैसी व केसीआर: राहुल

तेलंगाना में मोदी ने भी इंडिया गठबंधन को घेरा

हैदराबाद, देशबन्धु। कांग्रेस सनेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में आदिलाबाद जिले में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी के दो यार हैं। एक ओवैसी और एक केसीआर हैं। केसीआर चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी दिल्ली में प्रधानमंत्री रहें। वहीं, नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि केसीआर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रहें। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तेलंगाना के कामारेड्डी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन और बीआरएस पार्टी पर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि भले ही टीआरएस ने अपना नाम बदलकर बीआरएस कर लिया ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

नोएडा में दर्दनाक हादसा

कार में लगी आग में दो युवकों की मौत

नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर-119 में शनिवार को एक स्विफ्ट में कार में आग लगने से उसमें बैठे दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। सफेद रंग की यह कार सुबह-सुबह आम्रपाली प्लैटिनम सोसाइटी के सामने से गुजरी थी। सीसीटीवी में इसकी तस्वीरें भी कैद हुई हैं और तीन मिनट बाद अचानक उसमें आग लग गई देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। यह देख लोगों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कार की आग पर काबू पाया गया। कार में दो पुरुषों के शव बरामद हुए हैं, जिनकी पहचान सोसाइटी के विजय चौधरी (27) और सेक्टर-53 निवासी अनस (27) के रूप में हुई है। दोनों पेशे से इंजीनियर थे। पुलिस ने बताया कि गाड़ी से दो लोगों के शव बरामद हुए हैं। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि ये सुबह करीब 6.08 मिनट पर ये कार इस सोसाइटी के आगे खड़ी हुई थी और कुछ ही देर बाद अचानक अपने आप ही उसमें आग लग गई। कार कहां से आई और मृतक कहां से लौटे थे, इसकी जानकारी अभी तक नहीं नहीं मिल पाई है। अन्य सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

न्याय | 15 साल बाद सौम्या विश्वनाथन मर्डर केस में इंसाफ

चार हत्यारों को दोहरी उम्रकैद

पांचवें आरोपी को सिर्फ 3 साल की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की कोर्ट ने टीवी पत्रकार सौम्या विश्वनाथन की हत्या के मामले में चार दोषियों को दोहरी उम्रकैद की सजा का फैसला दिया है। हालांकि इस हत्याकांड का पांचवां आरोपी जल्द ही बाहर आने वाला है, क्योंकि अदालत ने उसे सिर्फ 3 साल की कैद की सजा दी है और अब उसके जेल में बीते वक्त को सजा पूरी होने के रूप में देखते हुए उसे रिहा कर दिया जाएगा। दूसरी ओर इस मामले में 15 साल बाद हुए इस इंसाफ को लेकर मरहूम सौम्या की मां ने बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह अदालत के फैसले से सहमत हैं, लेकिन खुश नहीं हैं।

हत्या की यह वारदात 30 सितंबर 2008 की सुबह दक्षिणी दिल्ली के नेल्सन मंडेला मार्ग पर अंजाम दी गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार एक अंग्रेजी टीवी चैनल में काम करती सौम्या विश्वनाथन उस रात जब ड्यूटी से लौट रही थी तो बदमाशों ने कार को लूटने के लिए उसका पीछा किया और फिर गोली मार दी। पुलिस जांच में इस वारदात को अंजाम देने के आरोपियों की पहचान रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत मलिक, अजय कुमार और अजय सेठी के रूप में हुई थी।

ट्रायल में लगभग एक महीना पहले 18 अक्टूबर को ही अदालत ने रवि कपूर, अमित शुक्ला, बलजीत मलिक और अजय कुमार को हत्या के आरोप में आईपीसी की धारा-302 और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दोषी ठहराया था। इसके अलावा इस मामले में एक दोषी और भी है। अजय सेठी उर्फ चाचा नामक इस पर आरोप है इसने संगठित अपराध में शामिल अपराधियों की जान-बूझकर मदद की। असल में हत्यारे जिस कार में सवार थे, वो चाचा की थी और पुलिस ने उसके पास से बरामद की थी। अदालत ने उसे बेईमानी से संपत्ति जुटाने के जुर्म संबंधी आईपीसी की धारा 411 के साथ-साथ मकोका प्रावधानों के तहत संगठित अपराध को बढ़ावा देने, जान-बूझकर मदद करने और संगठित अपराध से पैसा कमाने की साजिश का दोषी माना है।

देश-विदेश

क्रिकेट खेलते मैदान में लगा करंट, हुई मौत, 1 गंभीर

धारवाड़ (कर्नाटक)। धारवाड़ जिले की सिद्धारमा कॉलोनी में शनिवार को क्रिकेट खेलते करंट लगने से 16 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। मृतक की पहचान दसवीं कक्षा के छात्र श्रेयस शिन्नुरा के रूप में हुई है। उसे बचाने की कोशिश करने वाले उसके दोस्त को भी गंभीर चोटें आईं और फिलहाल उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार शाम लड़के घर के ऊपरी हिस्से में क्रिकेट खेल रहे थे, तभी गेंद पकड़ने के दौरान श्रेयस बिजली के तार के संपर्क में आ गया। गंभीर हालत में निजी अस्पताल ले जाने के बावजूद श्रेयस ने दम तोड़ दिया। उसके पिता अशोक शिन्नुरा ने बताया कि उनका इकलौता बेटा, शाम 5 बजे स्कूल से लौटा था। हम उसे अस्पताल ले गए, लेकिन वह बच नहीं सका। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

संयुक्त किसान मोर्चा व सेंट्रल ट्रेड यूनियन ने किया आह्वान

देशभर के किसान मजदूरों का विरोध प्रदर्शन आज

नई दिल्ली, देशबन्धु। 26-28 नवंबर तक देशभर के राज्यों की राजधानी में किसान और मज़दूर साझा महापड़ाव डालेंगे। इस महापड़ाव का आह्वान संयुक्त किसान मोर्चा और सेंट्रल ट्रेड यूनियन के सांझे मच ने किया है। दिल्ली में मजदूर संगठन संयुक्त रूप से शुरआती दो दिन 26 और 27 नवंबर को दिल्ली के राज्यपाल के ऑफिस के बाहर महापड़ाव डालेंगे, जबकि 28 तारीख को दिल्ली एनसीआर के मज़दूर किसान संसद के पास जंतर मंत्र पर महापड़ाव डालेंगे। 26 अक्टूबर को दिल्ली में सेंट्रल ट्रेड यूनियन के संयुक्त मंच और संयुक्त किसान मोर्चा ने एक आयोजन इसे लेकर फैसला किया था। सभी ने देश की राजधानी में तीन दिन के साझे महापड़ाव को सफल बनाने

28 दिल्ली एनसीआर के मजदूर किसान जंतर मंत्र पहुंचेंगे

और इस दौरान उठाने वाले मुद्दों पर अपनी बात रखी। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में ट्रेड यूनियनों और किसान संगठनों ने सांझा अभियान भी चलाए। इस दौरान उन्होंने पर्चा वितरण किया और लोगों से दिल्ली के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील भी जारी की है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि पूरे देश में मजदूर किसान 26 से 28 नवंबर तक देश के सभी राज्यों के माननीय राज्यपाल महोदयों के कार्यालय पर 3 दिन का महा पड़ावकरने जा रहे हैं उन्होंने कहा कि महापड़ाव के अंतिम दिन 28 नवंबर 2023 को प्रात: 10: 00 बजे से जंतर मंतर नई दिल्ली पर बड़ा प्रदर्शन करेंगे जिसमें नोएडा ग्रेटर नोएडा से बड़ी संख्या में मजदूर किसान हिस्सेदारी करेंगे। उन्होंने मजदूरों किसानो एवं आम जन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए सभी से उक्त कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील किया। संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा के नेताओ ने बताया की दिल्ली किसान आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने अन्य लंबित मुद्दों जिसमे एमएसपी पर फसल खरीद की गारंटी देने ,बिजली संशोधन कानून 2022 की वापसी, लखीमपुर खीरी के शहीद किसानों को न्याय देने का आश्वाशन दिया लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात करते हुए किसानों को धोखा देने का काम किया है।

बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामला

पॉक्सो केस बंद करने पर 11 जनवरी को फैसला लेगी अदालत

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक नाबालिग पहलवान द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली पुलिस की रद्दीकरण रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए या नहीं, इस पर आदेश की घोषणा 11 जनवरी 2024 तक के लिए टाल दी है।

पटियाला हाउस कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) छवि कपूर ने यह कहकर मामले को स्थगित कर दिया कि आदेश तैयार नहीं है। पुलिस की रद्दीकरण रिपोर्ट 15 जून को दायर की गई थी, और पिछली सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा इसका विरोध नहीं किया गया था। 1 अगस्त को कथित पीड़िता और उसके पिता ने मामले में पुलिस की रिपोर्ट पर कोई आपत्ति नहीं जताते हुए पुलिस जांच से संतुष्टि व्यक्त की थी। उन्होंने एएसजे कपूर के समक्ष कक्ष में कार्यवाही में अपना बयान दर्ज कराया था। 4 जुलाई को कोर्ट ने पुलिस की कैंसिलेशन रिपोर्ट पर शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। पुलिस द्वारा पटियाला हाउस कोर्ट में दायर की गई 550 पेज की रिपोर्ट में कहा गया था कि नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों में कोई पुष्टिकारक सबूत नहीं मिला।

छत्तीसगढ़ : 508 करोड़ लेने का आरोप नया मोड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर महादेव सट्टेबाजी ऐप केस में 508 करोड़ रुपये लेने के आरोप मामले में नया मोड़ आ गया है। मुख्यमंत्री पर आरोप लगाने वाले कूरियर ब्वॉय ने ईडी पर आरोप लगाया है कि उसे फ्रेम किया गया है। उसने किसी भी राजनीतिज्ञ को कोई कैश कभी डिलेवर नहीं किया है। दरअसल, ईडी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले राज्य में रेड कर असीम दास नामक एक व्यक्ति को पकड़ा था। उसके पास से पांच करोड़ रुपये नकदी पकड़ा गया था।

सांची में महाबोधि महोत्सव का शुभारंभ

श्रीलंका, जापान समेत कई देशों से आए श्रद्धालु

रायसेन। जिले के विश्व पर्यटन स्थल सांची में शनिवार को 71वें महाबोधि महोत्सव की शुरुआत हो गई। दो दिनी इस आयोजन में भगवान गौतम बुद्ध के दो परम शिष्यों के अस्थि कलशों को दर्शन के लिए बाहर निकाला गया है। सुबह 7 बजे महाबोधि सोसायटी के कार्यालय से चेतिसगिरि विहार तक अस्थि कलश यात्रा निकाली गई। सुबह 8 बजे चेतियगिरि में अस्थि कलशों की विशेष पूजा की गई। 9 बजे अस्थि कलश को श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिए रखा गया।

इस आयोजन में श्रीलंका, वियतनाम, थाईलैंड, जापान सहित अन्य देशों से आए बौद्ध अनुयायी भी शामिल हैं। श्रीलंकन महाबोधि सोसायटी के चीफ वानगल उपतीस नायक थेरो भी उत्सव में शामिल होने श्रीलंका से सांची पहुंचे हैं।

शोभायात्रा के दौरान सांची में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। सुबह सुबह सांची की सड़कों पर ढोलक और बांसुरी की मधुर धुन पर पारंपरिक नृत्य करते हुए कलाकार चल रहे थे। इसमें अर्पणा चतुर्वेदी एवं उनके सात सदस्यीय दल द्वारा बुद्धभाव पर नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। भोपाल की टीम व डा हरिप्रसाद पोडिवाल के द्वारा बांसुरी वादन किया गया। कालाजली ग्रुप भोपाल के द्वारा प्रदीप कृष्णन के निर्देशन में भारत नाट्यम नृत्य नाटिका प्रस्तुति दी गई।

इसी तरह रविवार को इंदौर की हर्षिता दाधीच द्वारा सात सदस्यीय दल के साथ नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। इसके बाद भोपाल के अखिलेख गुंदेचा एवं उनके 06 सदस्यीय दल द्वारा पखावज वृंद (पखावज वादन) की प्रस्तुति और भोपाल के श्री सलीम अल्लाहवलो एवं उनके 5 सदस्यीय दल द्वारा सूफी गायन की प्रस्तुति दी जाएगी।

पाकिस्तान : कराची के शॉपिंग मॉल में लगी आग, 11 की मौत, कई लोग झुलसे

कराची। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची स्थित आरजे मॉल में आज शनिवार की दोपहर भीषण आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से झुलस गये हैं, वहीं 50 से अधिक लोगों का रेस्क्यु किया गया है।

कराची के मेयर बैरिस्टर मुर्तजा वहाब ने बताया कि राशिद मिन्हास रोड पर आरजे मॉल में यह आग लगी। मॉल की बिल्डिंग में कई लोग फंसे हुए हैं। फायर ब्रिगेड ने करीब 50 लोगों को रेस्क्यू कर लिया है। फिलहाल आग लगने की वजह साफ नहीं हुई है। जियो न्यूज के मुताबिक, कराची में बनी 90 प्रतिशत इमारतों में फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं हैं। इस घटना के बाद सरकार पर लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

आग पर काबू पाया गया- एक दमकलकर्मी ने कहा- आग काफी तेजी से फैली। खबर मिलने के बाद हम फौरन मॉल पहुंचे। आग बुझाने में 8 दमकल की गाडियां लग गईं। यहां वीकएंड की वजह से काफी भीड़ थी। आग सुबह करीब 7 बजे मॉल के दूसरे फ्लोर पर लगी। यह 6वें फ्लोर तक फैल गई।

एसी की वजह से आग लगने की आशंका- जियो न्यूज के मुताबिक, मॉल की बिल्डिंग में कॉल सेंटर और सॉफ्टवेयर हाउस भी था। यहां एयर कंडिशनर पूरे 24 घंटे चलते थे। दमकलकर्मियों का मानना है कि आग लगने की वजह एसी हो सकते हैं। हालांकि आग लगने की असल वजह के बारे में पता किया जा रहा है।

बिहार-मोतीहारी में बड़ा हादसा, शार्ट सर्किट से घर में लगी भीषण आग, 5 लोग झुलसे, 3 की मौत

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिला के घोड़ासहन थाना क्षेत्र में एक आवासीय घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोग बुरी तरह झुलस गए। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर अग्निशमन दस्ता और पुलिस की टीम पहुंची। किसी तरह घर में बंद लोगों को बाहर निकाला जा सका। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, पुरनहिया चौक निवासी सुबोध पंडित अपने परिवार के साथ बीती रात घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर सोए थे। सुबह में मॉर्निंग वाक को निकले लोगों ने घर से धुआं उठता देखा शोर मचाया। इस दौरान घर में आग फैल चुकी थी। इसी बीच स्थानीय लोगों ने पुलिस और अग्निशमन दस्ते को इसकी सूचना दी। अग्नि शमन की टीम पहुंची और घर के अंदर फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया।

इसी दौरान घर के मालिक सुबोध पंडित ने छत से नीचे छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की मदद से छत के रास्ते फंसे लोगों को किसी तरह बाहर निकाला गया। उन्हें स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। घोड़ासहन के थाना प्रभारी संतोष शर्मा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। मृतकों की पहचान रौशन कुमार पंडित, कविता देवी और शालू कुमारी के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोग काफी आक्रोशित हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मुंबई : इमारत में आग लगने से वरिष्ठ नागरिक और पत्नी की मौत, 3 घायल

ठाणे। मुंबई के ठाणे के घोड़बंदर रोड पर स्थित एक आवासीय इमारत में शनिवार 25 नवम्बर को आग लगने से एक वरिष्ठ नागरिक और उनकी पत्नी की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। कासारवडावली पुलिस स्टेशन के अनुसार, आग देर रात करीब 2 ।30 बजे लगी, जब परिवार पहली मंजिल पर सोया हुआ था। आग की लपटें तेजी से घर के अन्य कमरों में फैल गईं, जिससे परिवार के सदस्य अंदर ही फंस गए।

स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। कूलिंग ऑपरेशन के बाद, फायर ब्रिगेड ने अंदर फंसे पीड़ितों के लिए बचाव अभियान शुरू किया। फ्लैट मालिक अभिमन्यु माडवी (66) और उनकी पत्नी रमाबाई माडवी (51) की आग में जलकर मौत हो गई। कासारवडावली पुलिस अधिकारी ने कहा, परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए ठाणे के एक अस्पताल में ले जाया गया। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार (फौती)
तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्रं/24/अ-27/2023-24
जबलपुर दिनांक 20.11.2023

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री धनीराम ईश्वर गोपाल पिता बद्री प्रसाद पटैल वगैरा निवास-ग्राम गुरदा तहसील आधारताल जबलपुर द्वारा मौजा गुरदा/ब्लॉक नंबर... प्लाट नं... स्थित भूमि खसरा नंबर 53 में से रकवा 545 वर्गफुट भूमि जो राजस्व रिकार्ड में गोपाल ईश्वर, धनीराम पिता बद्री प्रसाद वगैरह के नाम से दर्ज है। इस भूमि पर दर्ज भूमिस्वामी बटवारा हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 15.12.23 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया
जारी दिनांक 20.11.2023
पेशी दिनांक 15.12.2023
अतिरिक्त तहसीलदार
र.नं. 1642 अधारताल जबलपुर

आवश्यकता है

श्री राम प्रसाद समाज कल्याण समिति द्वारा संचालित श्रीराम प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय, मझौली जबलपुर में विश्वविद्यालय अधिनियम कॉलेज कोड-28 स्थाई नियुक्ति के अन्तर्गत रिक्त पदों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित है

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27/11/2023 है।

क्र.	पद	संख्या	योग्यता एवं अनुभव
1.	प्राचार्य	01	प्राचार्य पद हेतु P.hd+ 10 वर्ष का महाविद्यालय शैक्षणिक अनुभव
2.	सहा.प्राध्यापक इतिहास	01	सहा.प्राध्यापक हेतु NET/ P.hd एवं संबंधित
	राजनीति शास्त्र	01	विषय में स्नातकोत्तर
	समाज शास्त्र	01	डिग्री में न्यूनतम 55% अंक अनिवार्य

विषय- 1) योग्यता एवं वेतन U.G.C. एवं म.प्र. शासन/ समिति के नियमानुसार होगा।
2) आवेदन के लिये सम्पर्क करें- म.नं.223, गोल्डेन टाउन, दीनदयाल बसस्टैंड के पास
mail-tripathir022@gmail.com मो.8251037004

In The Court of XXI, Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur presiding Officer:
फरहान मसूद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000955/2023)
मधु जैन............वादी
Vs
म.प्र. शासन.........प्रतिवादी
Process Id- /2023
पेशी दि.:-11/12/2023
प्रेषिती-(1) आम जनता पता- आम जनता

यह कि प्रार्थी मधु जैन ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए दावा वास्ते घोषण बावत मूल्यांकन 3710 रुपये के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 24 नवम्बर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

टिप्पणी- प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ दावा दावा वास्ते घोषणा बावत मूल्यांकन 3710 रुपये की छायाप्रति संलग्न है।

कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

(फरहान एम. कुरैशी)
इक्कीसवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड,
र.नं. 1646 जबलपुर (म.प्र.)

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार विपिन कुमार साहू पिता स्व. श्री उमाशंकर साहू निवासी- म.नं. 403 गढ़ा फाटक, न्यू साहू कॉलोनी, बल्देवबाग, जबलपुर वालों ने भूखंड मौजा कछपुरा, (पटवारी हल्का कछपुरा) नं.बं. 501 प.ह.नं. 28/32/4, रा.नि.मं.जबलपुर-1 तह.. जबलपुर/अधारताल, जबलपुर स्थित भूमि डायवर्टेड ख.नं. 335 नामांतरण पश्चात ख.नं. 335/5, ऐरिया 25X60=1500 वर्गफुट है जो खिन्ना बस्ती, (वार्ड की अन्य कॉलोनी एवं शेष क्षेत्र), पुराना स्वामी विवेकानंद वार्ड, नया कमला नेहरु नगर वार्ड, जबलपुर में स्थित है उत्तर में- तिवारी जी का संपत्ति दक्षिण में- प्रमोदनी देवी का भूखंड पूर्व में- कॉलोनी की रोड, पश्चिम में- श्री पटेल जी की संपत्ति स्थित को संपत्ति स्वामी श्रीमती प्रियंका कर्ण पति श्री सुनील कुमार कर्ण निवासी -म.नं. 1865 कोल माईन्स ऑफिस, गुप्तेश्वर रोड, जबलपुर (म.प्र.) डी-36 श्रीराम वाटिका विवेकानंद विद्यापीठ के पीछे भवानी नगर रायपुर (छग) वालों से क्रय करने का सौदा हुआ है जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन निकट भविष्य में हमारे पक्षकार द्वारा संपत्ति स्वामी से निष्पादित कराया जाना है। अत: उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म बैंक या वित्तीय संस्था, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, उत्तराधिकारी वारसान रिश्तेदार भाई- बहन को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो मय मूल दस्तावेज सहित प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालयीन समय में मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। 15 दिवस बाद की गई किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी। मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र का निष्पादन करा लिया जावेगा। उक्त आम सूचना आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित है।

दिनांक - 25.11.2023
जबलपुर-
नवीन पाठक, एडवोकेट
म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर
कार्या.- कछपुरा ओवर ब्रिज,
यादव कॉलोनी रोड, जबलपुर
कार्या. समय- सुबह 8 से 10 बजे तक
मो.नं.- 9329542101, 8103699385
र.नं. 1645

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारी पक्षकार श्रीमती वर्षा साहू पति श्री अशोक कुमार साहू निवासी म.नं. 440/327 जवाहरगंज वार्ड, रामनगर, गढ़ाफाटक, लाल स्कूल के पीछे, जबलपुर वालों ने भूखंड मौजा कछपुरा, नं.बं. 501 प.ह.नं. 28/32/4, रा.नि.मं. जबलपुर-1 तह.. जबलपुर/अधारताल, जबलपुर स्थित भूमि ख.नं. 335 नामांतरण पश्चात ख.नं. 335/8, ऐरिया 25X60=1500 वर्गफुट है जो खिन्ना बस्ती, (वार्ड की अन्य कॉलोनी एवं शेष क्षेत्र), पुराना स्वामी विवेकानंद वार्ड, नया कमला नेहरु नगर वार्ड, जबलपुर में स्थित है उत्तर में- स्थित श्रीमती प्रियंका कर्ण का प्लाट, दक्षिण में - श्री राजेश कुमार जी का प्लाट, पूर्व में- कॉलोनी की रोड, पश्चिम में -श्री पटेल जी का संपत्ति स्थित को संपत्ति स्वामी श्रीमती प्रमोदनी देवी पति स्व. श्री गुप्तेश्वर नाथ सिंह निवासी आर-43 कचनार गेट एवं 90 क्वार्टर के पास विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) वालों से क्रय करने का सौदा हुआ है जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन निकट भविष्य में हमारी पक्षकार द्वारा संपत्ति स्वामी से निष्पादित कराया जाना है। अत: उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म बैंक या वित्तीय संस्था, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, उत्तराधिकारी वारसान रिश्तेदार भाई- बहन को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो मय मूल दस्तावेज सहित प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालयीन समय में मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। 15 दिवस बाद की गई किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी। मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र का निष्पादन करा लिया जावेगा। उक्त आम सूचना आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित है।

दिनांक - 25.11.2023
जबलपुर-
नवीन पाठक, एडवोकेट
म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर
कार्या.- कछपुरा ओवर ब्रिज,
यादव कॉलोनी रोड, जबलपुर
कार्या. समय- सुबह 8 से 10 बजे तक
मो.नं.- 9329542101, 8103699385
र.नं. 1644

आवश्यकता है

बी.ए.बी.एड./बी.एड./एम.एड. पाठ्यक्रम हेतु महाविद्यालय में कॉलेज कोड-28 के तहत नियुक्ति के लिए अधोलिखित सह-प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापकों के पदों हेतु आवेदन अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव सम्बंधी समस्त प्रमाण पत्रों की दो छायाप्रति कार्यालय में जमा करें।

पद	विषय एवं संख्या	योग्यता एवं अनुभव
सह-प्राध्यापक	01	स्नातकोत्तर एवं एम.एड./एम.ए. एजुकेशन में 55 प्रतिशत, (नेट/पीएचडी उपाधि अभ्यार्थियों को प्राथमिकता), 08 वर्ष का अनुभव/यूजीसी नियमानुसार
सहायक प्राध्यापक	(हिन्दी- 01, अंग्रेजी-01, भूगोल-01, वाणिज्य-01, अर्थशास्त्र - 01, विज्ञान-03, कम्प्यूटर-01, गृहविज्ञान-01)	(संबंधित विषय में स्नातकोत्तर एवं एम.एड. /एम.ए. एजुकेशन में 55 प्रतिशत, (नेट / पीएचडी उपाधि अभ्यार्थियों को प्राथमिकता)
	(ललित कला-01)	ललित कलाओं में 55 प्रतिशत अंको के साथ स्नातकोत्तर डिग्री (एमएफए)

नोट - उपरोक्त पदों के लिये चयन यू.जी.सी./एन.सी.टी.ई. के नियमों के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में आरक्षण एवं म.प्र. शासन के नियमों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। आवेदक अपना आवेदन पत्र महाविद्यालय के संचालक/प्राचार्य के पते पर दिनांक 06.12.2023 तक स्वयं या डाक के माध्यम से सत्यापित दस्तावेजों के साथ जमा करें अथवा महाविद्यालय के ई-मेल आई.डी. jabalpurpubliccollegejbp@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

जबलपुर पब्लिक कॉलेज
49, करमेता, पाटन रोड, नवीन आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, जबलपुर (म.प्र.), मो.-9425154312, 7987360929

पश्चिम मध्य रेल वाणिज्य विभाग-जबलपुर मंडल

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु निर्धारित ई-बोली आमंत्रित करता है।

Category	Catalogue No.	Station	Lot No.	Asset Details	Auction Start (All Lots)	Auction End
Catering	JBP-C-WVM-4	Pipariya	MSS-JBP-PPI-WVM-15-23-4	04 Water Vending Machine at PPI	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 11:30 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Gadarwara	MSS-JBP-GAR-WVM-14-23-2	04 Water Vending Machine at GAR	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 11:40 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Narsinghpur	MSS-JBP-NU-WVM-13-23-3	04 Water Vending Machine at NU	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 11:50 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Madanmahal	MSS-JBP-MML-WVM-12-23-2	07 Water Vending Machine at MML	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 12:00 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Rewa	MSS-JBP-REWA-WVM-8-23-2	04 Water Vending Machine at Rewa	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 12:10 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Katni Murwara	MSS-JBP-KMZ-WVM-9-23-2	06 Water Vending Machine at KMZ	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 12:20 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Damoh	MSS-JBP-DMO-WVM-10-23-2	04 Water Vending Machine at DMO	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 12:30 hrs
Catering	JBP-C-WVM-4	Saugor	MSS-JBP-SGO-WVM-11-23-2	04 Water Vending Machine at SGO	11.12.2023 11:00 hrs	11.12.2023 12:40 hrs

संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर E-Auctin Leasing मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध हैं। ई-बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। **कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर**

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रथम पृष्ठ का शेष

तेजस फाईटर जेट में....

हल्का लड़ाकू विमान तेजस 4.5 पीढ़ी का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है और इसे आक्रामक हवाई सहायता लेने और जमीनी अभियानों के लिए युद्ध सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा किया गया है और इसे मुख्य रूप से भारतीय वायु सेना के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन ग्राउंड समुद्री संचालन के लिए तेजस के एक नौसैनिक संस्करण का परीक्षण किया जा रहा है।

नाम परिवर्तन सूचना

पूर्व में मेरा नाम AMIR SETH था, जो कि बदलकर MOHAMMAD AAMIR SETH हो गया है। अतः मुझे नये नाम MOHAMMAD AAMIR SETH से जाना पहचाना जाए।

पता
H. No.- 2486, North Civil Line dr. Taki Raza ke Peechhe Jabalpur (M.P.)

महुआ मोईत्रा मामले में.....

समिति ने पहले ही महुआ मोइत्रा को दोषी मानते हुए निचले सदन सदन से निष्कासित करने की अपनी सिफारिश लोकसभा अध्यक्ष के पास भेज दी है। माना जा रहा है कि 4 दिसम्बर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में यह प्रस्ताव लोकसभा में रखा जा सकता है। सदन सहमत हुआ तो टीएमसी सांसद की सदस्यता खत्म हो सकती है।

तेलंगाना में प्रचार के लिए....

और यूपीए ने अपना नाम बदलकर इंडिया गठबंधन कर लिया, लेकिन इससे उनका भ्रष्टाचार और कुशासन का इतिहास नहीं बदलेगा। राहुल गांधी बनाम भाजपा की लड़ाई गहराती जा रही है। अब राहुल के एक सोशल मीडिया पोस्ट को लकर भाजपा ने चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज करा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए उन पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की है। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है कि राहुल के एक्स पर किए एक पोस्ट जिसमें स्वास्थ्य सेवा,गैस सब्सिडी, कृषि ऋण राहत,अंग्रेजी शिक्षा,ओबीसी आरक्षण से संबंधित वादे के साथ ही राजस्थान में चल रही मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया था,वह 48 घांटे की मौन क्षेत्र सीमा का उल्लंघन है।

देश-प्रदेश

उ वा च

पीडीए ही एनडीए को हराएगा -अखिलेश

बिजनौर, (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार को बिजनौर जिले की चांदपुर विधानसभा क्षेत्र के नूरपुर में स्थित खालसा इंटर कॉलेज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का विश्वकप फाइनल मुकाबला अगर लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होता तो अंजाम कुछ और होता। अखिलेश ने कहा, इस स्टेडियम को मैंने भगवान के नाम पर बनवाया था। बाद में बीजेपी के लोगों ने स्टेडियम का नाम बदलकर प्रधानमंत्री के नाम पर कर दिया। इसी का परिणाम है कि हमारे देश की टीम को हार का मुंह देखना पड़ा। जब से इंडिया हारा है, तब से डिक्शनरी में न जाने कहां से नया शब्द आ गया है, कभी-कभी कुछ नाम जनता दे देती है।

उज्जैन पहुंचे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मतगणना स्थल का निरीक्षण किया, स्ट्रांग रूम व सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली

भोपाल, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने शनिवार को उज्जैन में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया। ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उज्जैन कुमार पुरुषोत्तम ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन को मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में अवगत कराया।

श्री राजन ने आगामी 3 दिसंबर को उज्जैन जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा। मतगणना टेबलों, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया।

श्री राजन ने मतगणना स्थल पर स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी के लिये बनायी गई व्यवस्था को देखा। मतगणना स्थल परिसर में स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिये अभ्यर्थियों के मौजूद प्रतिनिधियों से चर्चा भी की। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त उज्जैन डॉ. संजय गोयल, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एमएस कवचे एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सारंगी के 3 घरों में फिल्मी स्टाइल में हुई डकैती

बदमाशों ने बंधक बनाकर लूटे साढ़े 3 लाख के जेवर और नकदी

झाबुआ, देशबन्धु। झाबुआ जिले के सारंगी में 20-25 बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में डकैती की वारदात की। पड़ोस में रहने वाले तीन भाइयों के घरों को बाहर से बंद कर परिजनों को बदमाशों ने कैद कर लिया। पीड़ित रोहित ने बताया कि 3.50 लाख रूपए से अधिक के जेवरात और घर में रखे 1 लाख नकदी को बदमाश लूट कर ले गए।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार-शनिवार की रात 3 बजे के करीब यह डकैती की घटना हुई है। रोहित ने बताया कि उसके दो भाइयों सहित खुद के घर में 10 मिनट तक बदमाशों ने उत्पात मचाया और घटना के अंजाम दिया। कियोस्क संचालक रोहित का कहना है कि घटना के वक्त जब मैं जागा, तब डकैतों ने हथियारों के साथ धमकाया। मेरे मुंह पर कंबल ओढ़ा दिया। हथियारों के भय के चलते मैं कुछ कर नहीं सका। रोहित ने बताया कि हम चार भाई पड़ोस में रहते है। कियोस्क संचालक होने के कारण मेरे घर में केश होता है। बदमाशों ने मेरे घर के साथ-साथ दो भाइयों के घर को भी निशाना बनाया। उसके भाई राहुल के घर से 25 हजार रूपए नकदी और देवरात भी चुराए गए। बदमाश राहुल के घर से तीसरे भाई के घर में पहुंचे। इस घर में दादी के चांदी के जेवर और पेटी में रखे 10 हजार रूपए नकद पर बदमाशों ने हाथ साफ कर दिया। पेटलावद पुलिस ने सूचना मिलते ही टीम के साथ पहुंची और पंचनामा बनाया। पेटलावद थाना प्रभारी आरएस बघेल ने बताया कि सारंगी की घटना को लेकर प्रकरण दर्ज कर लिया है। अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 380, 457 में मामला पंजीबद्ध किया गया है।

फीडबैक ले रही भाजपा, वीडी से मिले पवैया और कुलस्ते

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को हुए मतदान के बाद राजनीतिक दल नतीजों को लेकर गुणा भाग में जुटे हुए हैं। बैठकों के साथ ही नेता अपने-अपने आंकलन नतीजों को लेकर लगा रहे हैं। प्रदेश भाजपा के दिग्गजों की बैठकों के बाद अब पार्टी नेता भोपाल पहुंचकर विभिन्न सीटों का फीडबैक पार्टी नेताओं को दे रहे हैं। दो दिन पहले पार्टी के कई प्रत्याशी और प्रमुख नेता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा से मिले वहीं आज वरिष्ठ नेता जयभानसिंह पवैया ने भी प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा से भोपाल में मुलाकात की। केन्द्रीय मंत्री और मंडला जिले के निवास सीट से चुनाव लड़े फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की समझा जाता है कि श्री पवैया ने ग्वालियर, चंबल अंचल में पार्टी की चुनावी संभावना से उन्हें अवगत कराया। वहीं कुलस्ते ने मालवा क्षेत्र के आदिवासी क्षेत्रों के संभावित नतीजों पर चर्चा की है।

दिव्यांगजन सुनेंगे प्रधानमंत्री के मन की बात

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 107 वां संस्करण 26 नवम्बर रविवार को प्रसारित होगा। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम को प्रदेश भर में पार्टी नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और विभिन्न सामाजिक संगठन सुनेंगे। बंसल वन स्थित भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मीडिया सेंटर में दिव्यांगजन भी पार्टी नेताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। रविवार को प्रात: 10 बजे से मीडिया सेंटर में इस कार्यक्रम की शुरुआत वेद पाठ के साथ होगी। वैदिक बटुक वेद पाठ करेंगे। जिसके बाद पार्टी नेता दिव्यांग जनों के साथ 11 बजे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे।

कांग्रेस आज प्रत्याशियों और अभिकर्ताओं को देगी प्रशिक्षण

भोपाल, देशबन्धु। मतदान के बाद अब कांग्रेस मतगणना को लेकर गंभीर है, इसके लिए रविवार को एक दिनी प्रशिक्षण शिविर में प्रत्याशियों और मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना से संबंधित बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। पार्टी ने प्रदेश के सभी 230 प्रत्याशियों और उनके चुनाव अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए बुलाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रत्याशियों और उनके अभिकर्ताओं को मतगणना के दौरान की जाने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी दी आएगी और इससे संबंधित नियम भी उन्हें बताए जाएंगे।

बताया गया कि यह प्रशिक्षण 2 हिस्सों में आयोजित किया गया है। मतगणना अभिकर्ताओं को बताया जाएगा कि उन्हें किस प्रकार से सावधानी बरतनी होगी। अभिकर्ताओं को यह भी बताया जाएगा कि हर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिए 14-14 टेबलें मतगणना स्थल पर लगाई जाएंगी। उन्हें बताया जाएगा कि मतपत्रों की गिनती कैसे होती है, मतों की गणना शुरू होने के पहले उन्हें ईवीएम की सील चैक करनी है, इसके बाद चक्रवार परिणाम की घोषणा होने के बाद ही उन्हें चक्र परिणाम की सत्यप्रतिलिपि जरूर लेनी है। इसके अलावा यदि किसी भी तरह का कोई भी संदेह होने पर तत्काल आपत्ति लगाने के बारे में भी प्रत्याशी और अभिकर्ताओं को बताया जाएगा। बैठक में यह भी जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी कि प्रत्याशी के साथ केवल दो अभिकर्ताओं को ही मतगणना केंद्र में प्रवेश की अनुमति मिलेगी। इसके अलावा कोई अन्य व्यक्ति जैसे सहकारी संस्थान, निगम, मंडल, आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष को भी मतगणना स्थल के भीतर नहीं जा सकेगा।

कंट्रोल रूम रखेगा मतगणना पर नजर

मतगणना के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम में राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा के साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। यहां तैनात कार्यकर्ता मतगणना की पल-पल की खबर रखेंगे। यहां पर किसी भी तरह की कोई भी गड़बड़ी अथवा संदेहास्पद स्थित होने पर तत्काल सूचित करने के लिए कहा गया।

जम्मू-कश्मीर के 3 जिलों में 4 नए औद्योगिक एस्टेट बनेंगे

जम्मू, (आईएएनएस)। जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक परिषद की शनिवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में जम्मू-कश्मीर में 4 नए औद्योगिक एस्टेट स्थापित करने के लिए प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इनमें बूढ़ी कठुआ, मेडिसिटी जम्मू, चंदगाम और लेलहर पुलवामा में औद्योगिक एस्टेट शामिल हैं, जिन्हें 136.65 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 1,379 कनाल भूमि पर विकसित किया जाएगा। बयान में कहा गया है, निवेश आकर्षित करने के अलावा, परियोजनाएं स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देंगी और निजी क्षेत्र में 11,497 से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

राज्यपाल ने की कैडेट्स की हौंसला अफजाई, शौर्य और वीरता का हुआ प्रदर्शन

एनसीसी ने किए दुश्मनों के बंकर नष्ट, दिया साहस का परिचय

भोपाल, देशबन्धु। एनसीसी कैडेटों ने अपने शौर्य और वीरता का परिचय देते हुए दुश्मनों के बंकरों को नष्ट करने का तरीका बताया। इसके साथ ही इन बंकरों पर कब्जा कैसे किया जाता है, यह भी दौरान दिखाया गया। इसके बाद ही एयरोमोडेलिंग डिस्प्ले किया गया, जिसमें छोटे जहाजों को बनाकर उसे हवा में उड़ाने के करतब दिखाए गए।

मौका था एनसीसी अपना स्थापना दिवस पर शनिवार को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम का। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगू भाई पटेल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और कैडेट्स की हौंसला अफजाई की। कार्यक्रम में सिंधिया स्कूल ग्वालियर से आए बैंड ने मधुर धुनों के साथ मनमोहन प्रस्तुतियां दी। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी इस आयोजन के दौरान दी गई। राज्यपाल की उपस्थिति में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ एनसीसी जर्नल 2023 का भी अनावरण किया। यह पत्रिका एनसीसी के आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन के सार से शामिल करती है, साथ ही राष्ट्र निर्माण की दिशा में केडेट्स द्वारा की गई एनसीसी गतिविधियों की संपूर्ण श्रृंखला को प्रदर्शित करती है। इस विशेष दिन पर एनसीसी केडेट्स और कर्मचारियों ने समग्र रूप से संगठन और राष्ट्र के लिए खुद को समर्पित करने की शपथ भी ली। अपनी स्थापना के बाद से एनसीसी दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन है और हमारे देश के युवाओं के बीच चरित्र, नेतृत्व गुणों और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों को विकसित करने में सबसे आगे रहा है। गतिशील और प्रभावशाली कार्यों के माध्यम से आज एनसीसी की छवि धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रवाद का पर्याय बन गई, जो युवा उत्साह को प्रेरित कर रही है।

सांची में आयोजित महाबोधि समारोह में मुख्य संघनायक से प्रमुख सचिव ने की भेंट

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह, ने श्रीलंका महाबोधि सोसाइटी द्वारा चेतियागिरी विहार साँची में आयोजित महाबोधि वार्षिक समारोह के अवसर पर पू.बानगल उपतिस्सनायक थैरो, अध्यक्ष श्रीलंका महाबोधि एवं मुख्य संघनायक जापान से भेंट की। इस अवसर पर श्री सिंह ने गौतम बुद्ध के मुख्य शिष्यों के पवित्र अस्थि अवशेष के दर्शन भी किए।

कुवैत गाजा में घायल फिलिस्तीनियों का उपचार करने के लिए तैयार

कुवैत सिटी, एजेंसी। कुवैत ने गाजा पट्टी से घायल फिलिस्तीनियों का उपचार करने के लिए अपने अस्पतालों और विभिन्न क्षेत्रों की तैयारी की घोषणा की है। कुवैत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर कहा, हमारे फिलिस्तीनी भाइयों से घायल लोगों का उपचार करने के लिए कुवैत में संबंधित अधिकारी निरंतर समन्वय और सहयोग बनाए हुए हैं। घायलों को स्वास्थ्य संबंधी देखभाल सुविधा प्रदान की जाएगी। आधिकारिक कुवैत समाचार एजेंसी के अनुसार कुवैत गाजा पट्टी तक सहायता पहुंचाने के लिए 23 अक्टूबर से मिस्र के उत्तरी सिनाई गवर्नरेट में अल-अरिश हवाई अड्डे के लिए उड़ानें संचालित कर रहा है, जो भोजन और चिकित्सा आपूर्ति, टेंट और एम्बुलेंस ले जाती हैं। गौरतलब है कि हमास और इजरायल के बीच चार दिवसीय संघर्ष विराम पर समझौता हो गया है। समझौते के तहत, हमास इज़रायल में बंद लगभग 150 फ़िलिस्तीनी बंदियों के बदले में गाजा से करीब 50 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। इसके अलावा, संघर्ष विराम ने एन्क्लेव में अधिक सहायता आपूर्ति की डिलीवरी को सक्षम किया है और क्षेत्र के बाहर इलाज के लिए घायलों और बीमारों को स्थानांतरित करने की अनुमति दी है।

रूस से गजा भोजी अतिरिक्त 15 टन सहायता

मॉस्को। रूस के आपात मंत्रालय ने गाजा पट्टी के लोगों को अतिरिक्त 15 टन मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए एक आईएल-76 विमान मिस्र के लिए रवाना किया है। मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर लिखा, रूस के आपात मंत्रालय गाजा की आबादी के लिए मानवीय सहायता का एक और बैच वितरित करेगा।आईएल-76 विमान 15 टन माल लेकर रवाना हो गया है। इसमें शिशु आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता उत्पाद, बिस्तर लिनन, कंबल और स्लीपिंग बैग शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया में कथित हमले के बाद भारतीय छात्र कोमा में

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया विश्वविद्यालय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहा एक भारतीय छात्र इस महीने की शुरुआत में कथित हमले के बाद कोमा में चला गया है।

सिडनी स्थित ब्रॉडकास्टर एसबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, तस्मानिया में 5 नवंबर को सुबह लगभग 4:20 बजे हुए हमले के तुरंत बाद 20 वर्षीय छात्र को रॉयल होबार्ट अस्पताल ले जाया गया। कथित तौर पर उसका दाहिना फेफड़ा खराब हो गया है और उसे ब्रेन सर्जरी करानी पड़ी, यह प्रक्रिया कई घंटों तक चली। घटना के तुरंत बाद, पुलिस ने 25 वर्षीय बेंजामिन डॉज कोलिंग्स को हिरासत में ले लिया, और उस पर हमले का आरोप लगाया - एक अपराध जिसमें अधिकतम 21 साल की जेल की सजा हो सकती है। कोलिंग्स को मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत दे दी गई और उसकी 4 दिसंबर को अदालत में फिर से पेशी है। पुलिस ने एसबीएस हिंदी को बताया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह घटना नस्लीय रूप से प्रेरित है। वहां के एक निवासी जर्मनजीत सिंह गिल ने फेसबुक ग्रुप इंडियन्स इन तस्मानिया पर पोस्ट किया, आरोपी व्यक्ति को जमानत पर रिहा कर दिया गया है, जबकि गरीब आदमी अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है। गिल ने कहा, किसी ने बिना किसी कारण के हमारे भाई पर हमला किया, और हम सवाल भी नहीं पूछ सकते? हम पीड़ित की मदद के लिए सामुदायिक समर्थन कर रहे हैं।

तेलंगाना में बदलाव की मांग कर रही जनता : शिवकुमार

हैदराबाद, एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना के लोग भारत राष्ट्र समिति के शासन से परेशान हैं और राज्य में बदलाव की आकांक्षा रखते हैं। शिवकुमार ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हैदराबाद और बेंगलुरु को देश का जुड़वां राज्य माना जाता है। हैदराबाद के विकास का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्रियों एन चंद्रबाबू नायडू और वाई एस राजशेखर रेड्डी को दिया जाता है। शिवकुमार ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में अपने चुनावी वादे पूरे कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक चुनाव में घोषित पांच गारंटी लागू हो चुकी हैं। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनने का भरोसा जताते हुए छह गारंटी लागू करने का आश्वासन दिया। उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और मंत्री केटीआर से स्थिति को समझने के लिए कर्नाटक का दौरा करने का आग्रह किया।

शिवकुमार ने कहा है कि प्रत्येक राज्य की अलग-अलग आवश्यकताएं हैं और उनकी योजनाएं प्रत्येक राज्य में लोगों की जरूरतों के अनुरूप हैं।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/19-20.. दि.24/11/2023

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजा विजन पिता स्व. श्री इन्द्रमोहन विजन ने वार्ड क्र. 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के भवन क्रमांक 164/1 कस्तूरबा पोस्ट ऑफिस के पीछे कांचघर संपत्ति के पिन क्रमांक जलकर-1002527050, 1000444919, 43000105 नया पिन देना है पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/रकवा .... व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 750 व.फु. आर.सी.सी., प्रथम तल ... व.फु. आर.सी.सी. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र, विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज सुभाष सबलोक पिता आर.के. सबलोक का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम परिवर्तन सूचना

मैं MANISHA SURUTKAR is legally wedded spouse of Army No 15682714F RANK HAV NAME-SURUTKAR SATISH A Unit-1MTR,1STC presently residing at Qtr N0 460/4 MANEKSHOW ENCLAVE, CANTT JABALPUR MP 482001 शपथपूर्वक कथन करती हूं कि मेरा नाम MANISHA SURUTKAR से MANISHA SATISH SURUTKAR परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है। द्वारा शपथ पत्र दिनांक 25/11/2023 नोटरी जबलपुर म.प्र.।

चीनी सेना ने म्यांमार सीमा पर शुरू किया सैन्य अभ्यास

बीजिंग, एजेंसी। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने शनिवार को चीन-म्यांमार सीमा के चीनी हिस्से पर सैन्य अभ्यास शुरू किया। पीएलए के दक्षिणी थिएटर कमांड के प्रवक्ता तियान जुनली ने आज यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि वार्षिक अभ्यास योजना के तहत पीएलए दक्षिणी थिएटर कमांड ने 25 नवंबर से शुरू होने वाले चीन-म्यांमार सीमा के चीनी हिस्से पर सैन्य अभ्यास करने के लिए सेना इकाइयों का आयोजन किया है।

अभ्यास का उद्देश्य सेना की गतिशीलता, सीमा नियंत्रण और मारक क्षमता का परीक्षण करना है।श्री तियान ने कहा कि दक्षिणी थिएटर कमांड के सैनिक राज्य की संप्रभुता, सीमा स्थिरता और लोगों की सुरक्षा की रक्षा के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने अभ्यास की अवधि और सीमा के बारे में कोई जानकारी देने से इंकार किया है। गौरतलब है कि वर्ष 1948 में म्यांमार को ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद केंद्रीय अधिकारियों और जातीय अल्पसंख्यकों के सैन्य समूहों ने देश में गृह युद्ध छेड़ दिया, जो 1990 के दशक तक चला।

भड़काऊ बयान देने के आरोप में ममता बनर्जी पर एफआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर शुभेंदु अधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने हालिया राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो द्वारा आपराधिक धमकी और धमकी देने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। अधिकारी ने कहा कि जब से उन्होंने अपना राजनीतिक रास्ता बदला है तबसे उन्होंने कई मनगढ़ंत मामलों का सामना किया है।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ टीएमसी ने लगातार उनके और उनके राजनीतिक दल के सदस्यों के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दिया है। गुरुवार को नेताजी इंडोर स्टेडियम में ममता बनर्जी ने अपने एक भाषण में कथित रूप से कहा था कि उन्होंने हमारे चार नेताओं को जेल भेजा है तो हम हत्या के आरोप में उनके आठ नेताओं को जेल भेजेंगे। ममता बनर्जी उन ताजा घटनाओं का जिक्र कर रही थीं, जिसमें केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी दलों के नेताओं पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि बीजेपी सरकार तीन महीने और चलेगी। भ्रष्टाचार के झूठे आरोपों में टीएमसी नेताओं को पकड़ने में केंद्रीय एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के जवाब में, बनर्जी ने बीजेपी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, अगर आप हममें से चार को गिरफ्तार करेंगे, तो हम आप में से आठ को गिरफ्तार करेंगे। तृणमूल नेता पार्थ चटर्जी, जीबन कृष्ण साहा, माणिक भट्टाचार्य, अनुब्रत मंडल और ज्योति प्रिया मल्लिक भ्रष्टाचार के मामलों में कथित संलिप्तता की वजह से जेल में हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने दर्ज कराया मामला

साहित्य

थोड़ी दूर और

■ वृंदावनलाल वर्मा

जब महमूद गजनवी (सन 1025-26 में) सोमनाथ का मंदिर नष्ट-भ्रष्ट करके लौटा तब उसे कच्छ से होकर जाना पड़ा। गुजरात का राजा भीमदेव उसका पीछा किए चल रहा था। ज्यों-ज्यों करके महमूद गजनवी कच्छ के पार हुआ। वह सिंध होकर मुल्तान से गजनी जाना चाहता था। लूट के सामान के साथ फौज की यात्रा भारी पड़ रही थी। भीमदेव व अन्य राजपूत उस पर टूट पड़ने के लिए इधर-उधर से सिमट रहे थे। महमूद इनसे बच निकलने के लिए कूच पर कूच करता चला गया। अंत में लगभग छह सहस्र राजपूतों से उसकी मुठभेड़ हो ही गई।

महमूद की सेना राजपूतों की उस टुकड़ी से संख्या में कई गुनी बड़ी थी। विजय का उल्लास महमूद की सेना में, मार्ग की बाधाओं के होते हुए भी, लहरें मार रहा था। उधर राजपूत जय की आशा से नहीं, मारने और मरने की निष्ठा से जा भिड़े थे।

उन छह सहस्र राजपूतों में से कदाचित ही कोई बचा हो। परंतु अपने कम-से-कम दुगुने शत्रुओं को मारकर वे मरे थे।

इस लड़ाई से महमूद का मन खिन्न हो गया। उस समय वह और अधिक युद्ध के संकट को नहीं ओढ़ना चाहता था। महमूद ने गहन रेगिस्तान का मार्ग पकड़ा। सोचा, उत्तर-उत्तर चलते किसी दिन मुल्तान और फिर वहाँ से गजनी पहुँच जाने में कठिनाई नहीं पड़ेगी।

आतुरता के साथ दो-तीन दिन चलते-चलते यकायक उसने देखा तो सामने सिवाय बालू एवं रेतीले टीलों के और कुछ नहीं। मार्ग का नाम-निशान तक नहीं।

ऊँटों पर लदा पीने का पानी कम होने लगा। दूर-पास पानी की एक बूँद भी अप्राप्य। राजपूतों के संकट से पार हुए तो रेगिस्तान का यह प्राणघातिन विभीषिका चारों ओर।

वहाँ रेतीले टीलों के पीछे के छाग (बकरा) की खालों में पानी पीठ पर कसे दो ग्रामीण उसकी छावनी में आए। अधनंगे, बिलकुल फटेहाल। उनके पास पानी देखकर महमूद के सिपाहियों को ढाँढ़स मिला।

उनसे पूछा, 'कौन हो? कहाँ के हो?'

उत्तर मिला, 'हिंदू हैं। एक गाँव के रहनेवाले'

'पानी कहाँ से लाए?'

'आगे जरा दूर से।'

'कहाँ है पानी? कितनी दूर?'

'सुल्तान को बतलावेंगे।'

'चलो उनके पास। इनाम मिलेगा।' सिपाही उन दोनों को महमूद के पास ले गए। महमूद ने इनाम का वचन दिया। वे दोनों महमूद की सेना के मार्ग-प्रदर्शक बने। सेना उनके पीछे-पीछे चलने लगी।

कई दिन हो गए। न तो किसी के पदचिह्न वहाँ और न पानी का कोई पता। प्रचंड आँधी बालू के ढेर उठाती, उड़ाती और फिर कहीं जमा देती।

कहानी

इस लड़ाई से महमूद का मन खिन्न हो गया। उस समय वह और अधिक युद्ध के संकट को नहीं ओढ़ना चाहता था। महमूद ने गहन रेगिस्तान का मार्ग पकड़ा। सोचा, उत्तर-उत्तर चलते किसी दिन मुल्तान और फिर वहाँ से गजनी पहुँच जाने में कठिनाई नहीं पड़ेगी।

महमूद ने खिसियाकर दोनों मार्ग-प्रदर्शकों को अपने पास बुलवाया।

'कहाँ है पानी? और कितनी दूर?'

'थोड़ी दूर।'

'यह कैसी थोड़ी दूर! रोज यही कह देते हो!'

'बस, बिलकुल थोड़ी सी दूर।'

संध्या हो गई। महमूद ने टीलों में अपनी सेना का पड़ाव डाल दिया। ऊँटों पर पानी थोड़ा सा ही और रह गया था। एकाध दिन यह 'थोड़ी दूर' और चली कि सेना के पशु और मानव - दोनों का ढेर इन टीलों में हो जाएगा।

महमूद के एक नायक ने समाधान किया - 'इन गँवारों को फासले की जानकारी बिलकुल नहीं। एक गाँव से दूसरे गाँव के बीच की दूरी को कह देते हैं - वह रहा गाँव थोड़ी दूर। होता है वह गाँव कई कोस के फासले पर।'

'उन दोनों की मसकों में कितना पानी रह गया है?' महमूद ने पूछा।

'एक दिन के पीने लायक, बस।'

'तब तो कल के बाद पानी के पास पहुँच जावेंगे। ये लोग यों ही अपनी जान नहीं देंगे। इनाम पाने की भी उम्मीद है इन्हें। वैसे हैं दोनों कोड़े खाने के हकदार।'

दूसरे दिन भोर के पहले ही महमूद ने कूच कर दिया। दिन भर चले। साँझ हो गई। पानी का फिर भी कहीं कोई लक्षण नहीं।

फिर वही 'थोड़ी दूर'। महमूद क्रोध से भर गया। उसके ऊँटों पर पानी बहुत थोड़ा सा रह गया था। 'ज्यों ज्यों करके रात काटी, फिर प्रात:काल के पहले ही कूच करना पड़ा; क्योंकि मार्ग-प्रदर्शकों ने आश्वासन दिया था कि दिन में अवश्य अभाव की समाप्ति हो जावेगी।

तीसरा पहर लग गया। सूर्य की किरणों से आग सी बरस रही थी। प्रचंड आँधी और जलती हुई किरणें आसपास मृगजल तो दिखला रही थीं, पर प्यास बुझानेवाला जल कहीं भी नहीं। रेत के टील इतने अधिक दिखलाई पड़ने लगे कि ठिकाना नहीं। सेना को चलना दु:सह हो गया। महमूद ने निश्चय किया। दोनों पथ-प्रदर्शकों को बुलवाया।

'अब कितनी दूर है पानी?'

'बस थोड़ी सी ही दूर।'

'महमूद की आँखों से लौ-सी छूट पड़ी।'

'तुम्हारे पास कितना पानी है?'

'चुक गया।'

'कितनी देर में पानी के पास पहुँचोगे?'

'आ गए समझो।'

'कहाँ?'

'इन्हीं टीलों में।'

'इन टीलों में!'

उन दोनों के क्षीण मलीन चेहरों पर मुसकान की छोटी सी लहर आई।

'हाँ, इन्हीं टीलों में।'

महमूद का क्रोध और भी भभका।

'यहाँ तो कुछ भी नहीं है! ये टीले तो पानी के कब्रिस्तान जान पड़ते हैं। सच बतलाओ, नहीं तो अभी सिर कटवाकर फिंकवा दूँगा।'

उन दोनों के चेहरों पर मुसकान की जगह आभा छहर गई। घुसी हुई आँखों में तेज आ बैठा।

'सच यह है कि पानी के इस कब्रिस्तान में हमें तुम सबका कब्रिस्तान बनाना है।'

'क्या?'

'बिलकुल यही है। तुम हमारे देश का नाश करने आए हो। हम तुम्हें मिटाकर रहेंगे।'

'अभी मार दो इन दोनों को!' महमूद तड़पा।

'मार दो। हमने अपने देश को जिंदा रहने का मार्ग दिखलाया। मरने से हमें जो कुछ मिलेगा, वह तुम सोच ही नहीं सकते।'

मरने के समय उन दोनों के चेहरों पर आभा सदा के लिए आ बैठी।

महमूद चला गया। अनेक कठिनाइयों के उपरांत उसे मुल्तान का मार्ग मिल गया था। और उन दोनों ने जो मार्ग दिखलाया, उससे इतिहास धन्य हो गया।

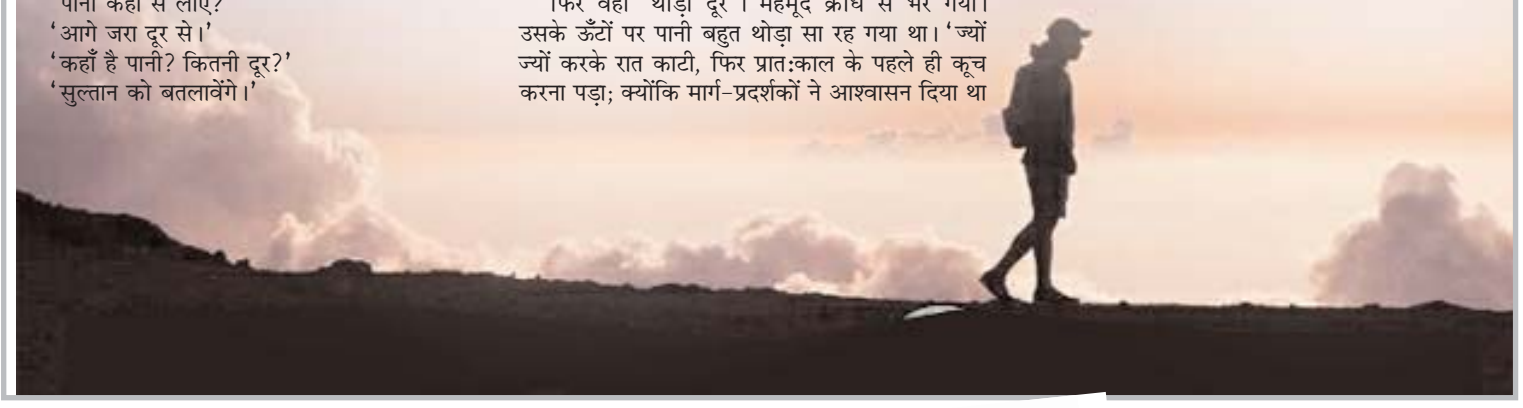

छठ पूजा हमारी आस्था

■ कमलेश झा

जब विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता की स्त्रियां अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ सज-धज कर अपने आँचल में फल और पकवान ले कर निकलती हैं तो लगता है जैसे संस्कृति स्वयं समय को चुनौती देती हुई कह रही हो, देखो! तुम्हारे असँख्य झंझावातों को सहन करने के बाद भी हमारा वैभव कम नहीं हुआ है, हम हम भारत हैं हम आर्यावर्त के धरोहर हैं। हम तबसे हैं जब से तुम हो, और जब तक तुम रहोगे तब तक हमारा अस्तित्व भी रहेगा।

जब घुटने भर जल में खड़ी व्रती की सिपुलि में बालक सूर्य की किरणें उतरती हैं तो लगता है जैसे स्वयं सूर्य भगवान बालक बन कर उसकी गोद में खेलने उतरे हों। स्त्री का सबसे भव्य, सबसे वैभवशाली स्वरूप मातृत्व का है। इस धरा को भारत माता कहने वाले बुजुर्ग के मन में स्त्री का यही स्वरूप रहा होता है। कभी ध्यान से देखिएगा छठ के दिन जल में खड़े हो कर सूर्य देव को अर्घ दे रही किसी स्त्री को, देखकर आपके मन में मोह नहीं श्रद्धा उपजेगी।

छठ वह प्राचीन पर्व है जिसमें राजा और रंक एक घाट पर शीश नवाते हैं, एक देवता को अर्घ देते हैं, और एक बराबर आशीर्वाद पाते हैं। धन और पद का लोभ मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है, पर धर्म उन्हें साथ जोड़ता है।

अपने धर्म और परंपरा के साथ होने का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि आप अपने समस्त पुरुखों के आशीर्वाद की छाया में होते हैं। छठ के दिन नाक से माथे तक सिंदूर लगा कर घाट पर बैठी स्त्री अपनी हजारों पीढ़ी की परंपरा की वाहक ही नहीं होती है, बल्कि वह उन्ही का स्वरूप होती है। उसके आंचल में केवल फल नहीं होते, समूची प्रकृति समाई होती है। वह एक सामान्य स्त्री सी नहीं, अन्नपूर्णा सी देवी दिखाई देती है। ध्यान से देखिये! आपको उनमें कौशल्या दिखेंगी, उनमें सीता दिखेगी, उनमें अनुसुइया दिखेगी, सावित्री दिखेगी... उनमें पद्मावती दिखेगी, उनमें लक्ष्मीबाई दिखेगी, उनमें भारत माता को छवि दिखेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके आँचल में बंध कर ही यह सभ्यता अगले हजारों वर्षों का सफर करने में समर्थ होगी ।

छठ डूबते सूर्य की आराधना का पर्व है। डूबता सूर्य इतिहास होता है, और कोई भी सभ्यता तभी दीर्घजीवी होती है जब वह अपने इतिहास को पूजे। अपने इतिहास के समस्त योद्धाओं को पूजे और इतिहास की गलती को न दुहराए।

छठ उगते सूर्य की आराधना का पर्व है। उगता सूर्य भविष्य होता है, और किसी भी सभ्यता के यशश्वी होने के लिए आवश्यक है कि वह अपने भविष्य को पूजा जैसी श्रद्धा और निष्ठा से सँवारे... हमारी आज की पीढ़ी को सदैव इसका स्मरण रहे अगली जिम्मेदारी उनकी है ... यही छठ व्रत का मूल भाव है।

मैं खुश होता हूँ घाट जाती स्त्रियों को देख कर, मैं खुश होता हूँ उनके लिए राह बुहारते पुरुषों को देख कर, मैं खुश होता हूँ उत्साह से भरे बच्चों को देख कर... सच पूछिए तो यह मेरी खुशी नहीं, मेरी मिट्टी, मेरे देश, मेरी सभ्यता की खुशी है।

मेरे देश की माताओं! कल और परसों जब आदित्य देव आपकी बंश सूप में उतरें, तो उनसे कहिएगा कि इस देश, इस संस्कृति और समाज पर अपनी कृपा बनाये रखें, ताकि हजारों वर्ष बाद भी हमारी पुत्रवधुएँ यूँ ही सज-धज कर गंगा के जल में खड़ी हों और कहें- उगह्य हो सुरुज देव.....

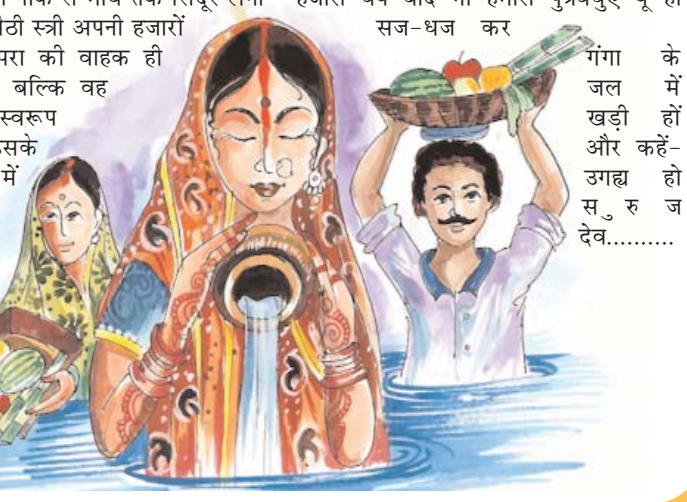

नेता जी घर पर नहीं है

चुनाव होने के बाद एक दिन मैंने एक नेताजी के यहां फोन लगाया, दो-तीन बार घंटी बजाई तब कहीं जाकर उनकी पत्नी ने फोन उठाया, मैंने अपना नाम उन्हें बताया वह बोली हां भैया पहचान गये, मैंने पूछा कहा है नेता जी,,,कुछ पता नहीं चल रहा है। वे बोली वो तो घर पर ही हैं, लेकिन एक प्रकार से,,, वह घर पर नहीं है। इसलिए सबसे कह देते हैं,,, कि नेताजी घर पर नहीं है...।

अब जब तक चुनाव परिणाम नहीं आ जाते तब तक उन्हें संभाले रखना बहुत कठिन काम है । फोन करने की बजाय कभी कभार आप आ जाया करो, अपने व्यंग्य सुना दिया करो उन्हें उससे बड़ी तसल्ली होगी। एक दो मित्र आते हैं, लेकिन वह बूथ की चर्चा करते रहते हैं, इस बूथ के भूत ने परेशान कर रखा है। किस बूथ में कितने वोट मिलेंगे। जो भी एक दो मित्र आते हैं,, उनसे यही पूछते रहते हैं। और कई दफा उनसे लड़ भी जाते हैं, मैं चाय बना कर लाती हूं, यह नाश्ता लाती हूं, तो कह देते हैं इसको नहीं देना है,, यह कहता है,, चार बूथ में कम वोट मिलेंगे, इसलिए इसको चाय नाश्ता कुछ मत देना, यह सही नहीं बता रहा है। और रात में तो वह पड़े पड़े पता नहीं क्या-क्या बर्राते रहते हैं । कभी एकदम से चौंक जाते हैं,, कितने वोट मिले, जोर से चिल्लाते हैं, कभी कहते हैं,,, ऐसा नहीं हो सकता,, ऐसा नहीं हो सकता,, हालत बहुत गडबड़ से है भैया,, इसीलिए किसी का भी फोन आता है, लोग पूछते हैं, नेताजी कहां है,, तो हम सब यह कह देते हैं, कि,,, नेताजी घर पर नहीं।

चुनाव के बाद मतदान के परिणाम आने में इतनी देरी लगा देना बहुत ही बेकार बात है। हम घर के लोगों को भुगतना पड़ता है। रात दिन पता नहीं क्या-क्या बड़बड़ाते रहते हैं, कहीं कहते हैं उस कल्लू को बुलाओ, कहीं कहते हैं रामजी कहां है,, कहीं कहते हैं, उसे बूथ में भिजवा दो,, कहीं बोलते हैं, गाड़ी निकलवाओ ड्राइवर कहां है। पता नहीं क्या-क्या बोलते रहते हैं, कुछ समझ में नहीं आता है। ग्यारह बजे तो सो कर उठते हैं,, चाय पीते हैं और फिर सो जाते हैं। कई बार रात में दो बजे उठ जाते हैं, कहते हैं मुझे फला मोहल्ला में जाना है,, प्रचार के लिये,,, तब उन्हें समझाया जाता है प्रचार अब खत्म हो गया है। तो कहते हैं किसी ने बताया नहीं कब खत्म हो गया है। भैया हालात बहुत गड़बड़ है। भैया परिणाम की तारीख जल्दी आ जाती तो अच्छा रहता, जो भी परिणाम आना हो आ जाये,, क्योंकि इनकी हालत देखते देखते अब हमारी हालत गड़बड़ होने की शंका होने लगी है।

हार जीत के मामले में जो अनुभवी नेता हैं, और विशेषज्ञ है। वह तो वोटिंग के बाद अपने परिवार और बच्चों के साथ चुनाव परिणाम आने तक, अपने मन को बदलने के लिए जहां-तहां घूमने निकल गए हैं। कुछ पहाड़ियों पर आनंद ले रहे हैं। कुछ धार्मिक स्थान पर चले गए हैं। कुछ समुद्र के किनारे सैर कर रहे हैं। बीच के समय को किसी न किसी रूप में व्यतीत करने का उनका अपना अनुभव है, जिसका वह उपयोग कर रहे हैं। लेकिन नये उम्मीदवारों की हालत बहुत ही विचारणीय और चिंतनीय है। एक नेता जी की खबर है, कि वह बैंक में जो भी उनके पास पैसा थे पूरे निकल कर कुछ मित्रों के साथ घूमने निकल गए हैं ,,,और यह कह गए हैं, कि जब चुनाव परिणाम आ जाए, तब फोन करना तब आएंगे, बीच में नहीं आएंगे। ऐसी स्थिति में घर के लोग बहुत चिंतित और परेशान हैं । वह उनके मित्रों से फोन कर के हालात जान लेते हैं। और उनको समझा कर कह रहे हैं,, भैया चुनाव परिणाम के पहले ही उनको ले आना, क्योंकि पता नहीं परिणाम कैसे आते हैं। घर में रहेंगे तो सब मिलकर उनको संभाल लेंगे।

कुछ दिनों की मेहनत का परिणाम अगर नेता जी के लिए अच्छा आ जाता है, तो पांच साल आनंद में गुजरना है। और इस आनंद के लिए तो चिंतित होना, और परेशान होना स्वाभाविक ही है। बात अलग है कि घर के लोग जिन्हें कुछ भी लेना-देना नहीं है, बेचारे अनावश्यक परेशान होते रहते हैं। और नेताजी की भलाई के लिए, फोन पर लोगों से झूठ बोलकर कहते रहते हैं,,, नेताजी घर पर नहीं है।

-सुरेश विचित्र (व्यंगकार)
जबलपुर (मध्य प्रदेश)

हास्य व्यंग्य

काम ना काज के दुश्मन अनाज के

■ रेखा शाह आरबी

शहरों में तो लोग पड़ोसी - अड़ोसी क्या करते हैं क्या नहीं करते हैं कभी पड़ोसियों को पता ही नहीं रहता है। बगल के फ्लैट में कौन रहता है ,कौन जिंदा है, कौन मर गया किसी भी चीज का कुछ पता नहीं रहता । जिंदगी अपनी दौड़ से दौड़ाती रहती है और और सभी लोग उसमें दौड़ते रहते हैं । लेकिन गांव में अभी ऐसा कुछ नहीं होता है जिंदगी तो यहां भी भागती है पर बुलेट ट्रेन की स्पीड से नहीं पैसेंजर की स्पीड से है । दिन भर भले ही लोग एक दूसरे से ना मिल पाए।

लेकिन शाम को किसी डेरा पर तो, किसी चौपाल पर बैठकर अक्सर ही गप्पे गपियाते हैं । और यही निठल्लापन उन्हें घोर अवसाद और जीवन के अन्य दुखों से बचा लेता है। यह चौपाल ऐसी ही होती है जैसे संयुक्त राष्ट्र का अधिवेशन होता है बातचीत खूब होती है पर हल-भल कुछ किसी का नहीं निकलता है।

मुझे भी गांव का जीवन प्रभावित करता है.. गांव में आखिर ऐसा क्या है कि लोग थोड़े से संसाधन में ही गुजर-बसर कर लेते हैं । उन्हें जीवन जीने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए और कुछ लोगों को तो कुछ भी नहीं चाहिए। कुछ भी नहीं का मतलब.. कुछ भी नहीं चाहिए फिर भी जीवन मजे में जी लेते हैं । अब हमारे ही गांव के चौपट लाल जी को देख लीजिए जिन्हें देखकर मुझे कभी-कभी बहुत ही रश्क होता है। कैसे बारहों महीने बिना काम धाम के यह इतने खुश रह लेते हैं। गांव में भी लोग सब लोग खाली नहीं रहते। कुछ खेत खलिहान में कुछ ना कुछ काम करते व्यस्त रहते हैं।

लेकिन उस गांव के चौपट लाल जी ऐसे व्यक्ति हैं जो कुछ भी नहीं करते । वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनके खर्च शुन्य.. कमाई धेला भी नहीं है । फिर भी अन्य लोगों से ज्यादा मजेदार जीवन जीते हैं। ना घर द्वार बनवाने की चिंता ना कमाने धमाने की चिंता.. जिंदगी के सारे मजे उनके लिए ही है। उनकी प्रसन्नता तो यही बताती है।वह कहीं भी खटिया बिछाकर उल्टे पड़े रहते हैं। बिल्कुल मगरमच्छ के जैसे कोई हलचल नहीं कोई व्यवधान नहीं है उनके जीवन में.. सब मंगल ही मंगल है। जैसे नेता चुनाव में एक्टिव होते हैं वैसे ही चौपट जी सुबह और संध्या को एक्टिव होते हैं वह भी अपनी रोटियां सेकने के लिए बाकी समय चौपट लाल जी हमारे माननीय के जैसे अपने आरामगाह में पड़े रहते हैं।

घर के नाम पर उनके पास एक घास फूस की झोपड़ी है। जिसको बनाने के लिए उन्हें कुछ भी खरीदना नहीं पड़ता है। और सामान के नाम पर उनके पास कुछ एक बर्तन है। आखिर इतने कम साधन में इतने प्रसन्न चौपट जी कैसे हैं जानने की सहज जिज्ञासा जागृत हो उठी .. तो एक दिन उनके जीवन का गहन अध्ययन करने का निश्चय किया। आखिर जो इंसान कुछ नहीं करता उसका जीवन इतने मजे से कैसे चल जाता है। तो सुबह से ही उनके पीछे लग गए सुबह-सुबह की दुनिया भर की पहली जरूरत टॉयलेट होती है उनकी भी है पर शौचालय की व्यवस्था का चक्कर और खर्चा क्यों पालना वह तो लोटा उठाकर चल दिए और कुछ ही देर में दूसरे के खेत को उर्वर बनाकर वापस आ गए । उसके बाद हर इंसान को चाय पानी की जरूरत पड़ती है उन्होंने ऐसे शौक पाले ही नहीं सीधे खाने का ही व्यवस्था रखते हैं ।सड़क किनारे के पेड़ों को काटकर छांटकर जमा किए गए लकड़ी से मुफ्त में खाना बना लिए.. राशन पानी सरकारी कोटे से मुफ्त मिल ही जाता है ।यानी कि यहां भी उनका एक अठन्नी खर्चा नहीं हुआ। कपड़े लत्ता के नाम पर उनके देह पर एक बनियान एक बरमुंडा एक गमछे के सिवा कभी कुछ ज्यादा देखने को नहीं मिला। उसका भी पैसा जाने कौन-कौन से भत्ते से उनको मिल ही जाता है । सुबह से शाम हो गई लेकिन उनको एक अठन्नी खर्च करते देखने की हसरत ही रह गई।

मुझे भी गांव का जीवन प्रभावित करता है.. गांव में आखिर ऐसा क्या है कि लोग थोड़े से संसाधन में ही गुजर-बसर कर लेते हैं । उन्हें जीवन जीने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए और कुछ लोगों को तो कुछ भी नहीं चाहिए।

खाने के बाद सोना और सोने से पहले लोगों से मांग कर पेपर पढ़ कर उस पर दुनिया भर का ज्ञान देना उनका पसंदीदा शगल है। जितने करीने से वह समाचार पत्र पढ़ते हैं उतना तो जो उस अखबार का पैसा उनके पड़ोसी चुकाता है वह भी नहीं पढ़ता है ।

चौपट लाल जी को देखकर ज्ञान के चक्षु खुल गए बेकार ही हम सब कोल्हू के बैल की तरह दिन-रात जुते हुए हैं। और मेहनत कर रहे हैं । रात दिन खून पसीना एक किए हुए हैं । फालतू के संसाधन जुटाने में जीवन नर्क बने हुए हैं। चौपट लाल जी को देखकर समझ में आ गया जिंदगी तो बिना संसाधनों के बिना कुछ किये भी बड़े मजे से मजेदार गुजर सकती है। कुछ राम भरोसे कुछ सरकार भरोसे।

जिगर-ए-सोख़्ता हैं और दिल-ए-बिरयाँ हैं हम

■ मीर हसन

जिगर-ए-सोख़्ता हैं और दिल-ए-बिरयाँ हैं हम
शोले की तरह सदा दीदा-ए-गिर्यां हैं हम
मुत्तसिल लख़्त-ए-जिगर करते हैं आँखों से सदा
आह किस आशिक़-ए-ग़म-दीदा की मिज़्गाँ हैं हम

कभी हँसते हैं कभी रोते हैं जलते हैं कभी
गुल हैं शबनम हैं कि या आतिश-ए-सोज़ाँ हैं हम
हम में ही आलम-ए-अकबर हुए गो जुर्म-ए-सग़ीर
मज़हर-ए-जल्वा-ए-हक़ हज़रत-ए-इंसाँ हैं हम

दहर पुर-शोर है हाथों से हमारे ऐ आह
आफ़रीनश में मगर नाला-ओ-अफ़्ग़ाँ हैं हम
फ़िक्र-ए-जमइय्यत-ए-दिल हम को कहाँ आह %हसन%
ख़ातिर-आशुफ़्ता-ए-गेसू-ए-परेशाँ हैं हम

5 बूथ की व्हीव्हीपेट की पर्चियों से किया जायेगा ईव्हीएम के वोटों का मिलान

प्रेक्षकों की मौजूदगी में होगा लॉटरी डालकर बूथों का चयन

जबलपुर,देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के पाँच मतदान केन्द्रों का लाटरी द्वारा चयन कर उस बूथ की ईव्हीएम के मतों की गणना का मिलान उसी बूथ की व्हीव्हीपेट मशीन की पर्चियों से किया जायेगा। लेकिन ऐसा उस विधानसभा क्षेत्र की अंतिम चक्र के वोटों की गिनती पूरी होने के बाद ही किया जायेगा। निर्वाचन आयोग ने अंतिम चक्र की गिनती पूरी होने के तत्काल बाद मतगणना हाल के अन्दर ही ईव्हीएम के वोटो का व्हीव्हीपेट की पर्चियों से सत्यापन अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिये हैं। आयोग ने संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने भी कहा है।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पाँच मतदान केन्द्र के ईव्हीएम पर दर्ज वोटो का व्हीव्हीपेट की पर्चियों से मिलान का यह कार्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक की देखरेख में तथा उम्मीदवारों अथवा उनके निर्वाचन अभिकर्ता एवं मतगणना अभिकर्ताओं की उपस्थिति में ही होगा । विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतिम चक्र की मतगणना समाप्त होने के बाद उस विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों की संख्या के बराबर सफेद रंग के कागज पर पोस्ट कार्ड आकार की पर्चियां बनाई जायेंगी। इन पर्चियों पर काले अक्षरों से मतदान केन्द्रों का नम्बर लिखा होगा जिसका आकार एक इंच गुणा एक इंच होगा । मतदान केन्द्रों का नम्बर अंकित पर्चियों को चार तहों में इस तरह फोल्ड किया जायेगा ताकि मतदान केन्द्र का नम्बर दिखाई न दे ।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक चार तहों में फोल्ड की गई इन पर्चियों को एक कंटेनर में डालकर मिलाया जायेगा । इसके पहले पर्चियों को कंटेनर में डालकर उम्मीदवारों के अभिकर्ताओं को दिखाया जायेगा । कंटेनर में डाली गई मतदान केन्द्र नम्बर लिखी पर्चियों में से एक के बाद एक पाँच पर्चियों का रेण्डम आधार पर चयन आयोग के प्रेक्षक द्वारा उम्मीदवार अथवा उनके निर्वाचन अभिकर्ता एवं गणना अभिकर्ताओं की मौजूदगी में किया जायेगा । निर्वाचन आयोग के मुताबिक ईव्हीएम पर दर्ज वोटो का सत्यापन व्हीव्हीपेट की पर्चियों से करने के पूर्व रिटर्निंग अधिकारी को सभी अभ्यर्थियों को इसके लिए पूर्व में सूचना देनी होगी। आयोग ने ईव्हीएम के वोटों का मिलान व्हीव्हीपेट की पर्चियों से कराने की व्यवस्था मतगणना हॉल में ही अलग से करने के निर्देश भी दिये हैं। आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मिलान हेतु व्हीव्हीपेट के ड्राप बाक्स से निकाली गई पर्चियों को पिजन होल ट्रे में अलग-अलग खाने में रखा जायेगा। प्रत्येक खाने पर ''नोटा'' सहित उम्मीदवारों का चुनाव चिन्ह अंकित होगा जिसके अनुसार ही पर्चियां रखी जायेंगी। सभी पर्चियां खानों में रखने के बाद 25-25 पर्चियों के बंडल बनाकर उनकी गिनती की जायेगी । व्हीव्हीपेट की स्लिप की गणना के पश्चात ईव्हीएम की कंट्रोल यूनिट से मिलान कर एक सत्यापन पत्रक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी किया जायेगा ।

सनातन धर्म को अक्षुण बनाये रखने सभी को आगे आना होगा : शंकराचार्य विजेंद्र सरस्वती

जबलपुर,देशबन्धु। कांची कम कोठी पीठ के शंकराचार्य स्वामी विजेंद्र सरस्वती महाराज का रात्रि 8: 00 बजे जबलपुर आगमन हुआ। गीता धाम ग्वारीघाट में उनका स्वागत वंदन गीता धाम के पिता ईश्वर स्वामी नरसिंह दास एवं बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पी रमन ने किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए महाराज जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन धर्म को अक्षुण बनाए रखने के लिए हम सबको आगे आना होगा, मंदिरों में गरीबों में दान धर्म छोटी-छोटी पूजाएं करके इस धर्म एवं संस्कृति को हम स्थापित रख सकते हैं, आज देश विज्ञान में बहुत आगे जा रहा है, हम प्राचीन संस्कृति सनातन धर्म के साथ विज्ञान का समन्वय बनाकर आगे बढ़ाने की जरूरत है, हमारी सनातन संस्कृति वेद शास्त्रों में भी विज्ञान का वर्णन है जो चीज वेद शास्त्रों में किसी समय में लिखी गई थी। आज वही विज्ञान उनके आविष्कार कर रहा है इसीलिए हमें भी इन दोनों के समन्वय के साथ चलने की जरूरत है सनातन संस्कृति अक्षुणय रहे इसके लिए पूरा परिवार प्रत्येक व्यक्ति इसके लिए प्रयासरत होने चाहिए। इस अवसर पर बालाजी मंदिर ट्रस्ट की अध्यक्ष पी रमन व सचिव रमणीक वी श्रीनिवास व अन्य श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

पमरे ने अक्टूबर माह में गतवर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत से अधिक माल लदान किया

जबलपुर,देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में तथा वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। *पमरे ने चालू वित्तीय वर्ष के अक्टूबर माह में 04.50 मिलियन टन माल लदान किया जो गतवर्ष के माल लदान 03.73 मिलियन टन की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत से अधिक है। इसी प्रकार अक्टूबर माह में गुड्स रेवन्यू 454 करोड़ 03 लाख रूपये अर्जित किया जो कि गतवर्ष के अक्टूबर माह की तुलना में अर्जित 395 करोड़ 02 लाख रूपये से लगभग 15 प्रतिशत से अधिक है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेल पर माल लदान में कमोडिटी वाइज लोडिंग मुख्यत: 10 सामग्रियों का लदान किया जाता है, जिसमें 28 प्रतिशत सीमेंट, 19 प्रतिशत कोयला, 13 प्रतिशत क्लिंकर, 13 प्रतिशत खाद्यान्न, 10 प्रतिशत खाद, 05 प्रतिशत आयरन ओर तथा 02 प्रतिशत कन्टेनर है, जो कि माल यातायात का कुल 90 प्रतिशत होता है। पमरे पर माल लदान के लिए 120 से भी अधिक गुड्स शेड एवं साइडिंग्स हैं। पश्चिम मध्य रेल ने अक्टूबर माह से कमोडिटी वाइस लोडिंग में बेहतर प्रदर्शन किया है।आयरन ओर लोडिंग* में 0.19 मिलियन टन का माल लदान कर पिछले वर्ष 0.10 मिलियन टन माल लदान की तुलना में 87 प्रतिशत अधिक लोडिंग किया।

दिव्यांगजन सुनेंगे प्रधानमंत्री के मन की बात

भोपाल,देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियों कार्यक्रम मन की बात का 107 वां संस्करण 26 नवम्बर रविवार को प्रसारित होगा। प्रधानमंत्री जी के इस कार्यक्रम को प्रदेश भर में पार्टी नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और विभिन्न सामाजिक संगठन सुनेंगे। बंसल वन स्थित भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मीडिया सेंटर में दिव्यांगजन भी पार्टी नेताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। 26 नवम्बर को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सेंटर में विशेष तैयारियां की गयी है। प्रदेश मीडिया सेंटर में पार्टी के नेता दिव्यांग जनों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम के 107 वें संस्करण को बड़ी एलईडी स्क्रीन पर सुनेंगे।

संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी

जबलपुर,देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के तहत 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जायेगी। भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना की समूची प्रक्रिया की वीडियोग्राफी को आवश्यक बताया है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना के प्रत्येक चरण की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जायेगी। वीडियो कव्हचरेज में गणना कर्मियों की रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया, स्ट्रांग रूम खोलने की प्रक्रिया, ईव्हीएम का स्ट्राँग रूम से मतगणना कक्ष में अंतरण, मतगणना कक्ष की व्यवस्थाएं, मतगणना केन्द्र पर सामान्य मतगणना की प्रक्रिया तथा रिटर्निंग अधिकारी की मेज पर सामान्य सारणीकरण की प्रक्रिया, ईव्हीएम की दोबारा जांच की प्रक्रिया, मतगणना कक्ष एवं मतगणना केन्द्र के भीतर और बाहर की सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना केन्द्र पर अभ्यर्थियों एवं उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति, परिणाम की घोषणा की प्रक्रिया तथा मतगणना की प्रक्रिया के दौरान किसी भी समय होने वाली घटनाएं शामिल होंगी।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वीडियोग्राफी में तारीख एवं समय निर्दिष्ट होना चाहिए । आयोग के मुताबिक मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वीडियो कैसेट भविष्य के संदर्भ हेतु सीलबंद कर रखी जानी होगी। आयोग ने मतगणना की समूची प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के लिए समुचित संख्या में वीडियो दलों को तैनात करने के निर्देश दिये हैं। आयोग के अनुसार मतगणना हाल में कार्यालयीन रिकार्डिंग के अलावा पूरी प्रक्रिया के दौरान किसी और प्रकार का कैमरा या वीडियोग्राफी वर्जित रहेगा। पत्रकारों या मीडिया को किसी प्रकार का कैमरा स्टैंड मतगणना हाल में लगाने की अनुमति नहीं होगी। भारत निर्वाचन द्वारा अधिकृत पास जिन्हें दिया जाएगा, केवल वही व्यक्ति हाथ का कैमरा रख सकेंगे। इसके अलावा वीडियो लेते समय किसी भी स्थिति में ईवीएम में वास्तविक मतों की फोटो कंधे या हाथ में लिए कैमरे द्वारा लेना वर्जित रहेगा। वह स्थान तक जहां कैमरा घूमता है, उस स्थान को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा पहले से बताया जाएगा। उसके द्वारा इस सीमा को निशान बनाकर या निर्देश के लिए रस्सी आदि से चिन्हित किया जाएगा। संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की कराई गई वीडियोग्राफी की सीडी जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सुरक्षित रखी जाएगी।

कृषि को स्मार्ट बनाने उन्नत तकनीकियों का अध्ययन अद्वितीय पहल: कुलपति

जबलपुर,देशबन्धु। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप) के द्वारा 8 कृषि वैज्ञानिकों का दल रिमोट सेंसिंग जीआईएस एवं स्मार्ट एग्रीकल्चर की नवीनतम तकनीकों व शोध की विधियों के अध्ययन के लिये वियतनाम की एच.यू. ई. यूनिवर्सिटी रवाना हुआ। कृषि को स्मार्ट बनाने के लिये कृषि संकाय के 8 सदस्यीय दल को कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने मिष्ठान खिलाकर, बधाई देते हुये कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में यह अद्वितीय पहल है। सभी 8 वैज्ञानिक वियतनाम की एच.यू.ई. यूनिवर्सिटी पहुंचकर वहां की रिमोट सेंसिंग जीआईएस एवं स्मार्ट एग्रीकल्चर की नवीनतम तकनीकों का ज्ञान अर्जित करेंगे, जिससे हमारे यहां के किसानों एवं अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को नई-नई टैक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण जानकारी हस्तांरण हो सकें, और कृषि में उसका प्रयोग कर किसान खेती को लाभ का धंधा बना सकें। कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन के विकास की एक अनूठी पहल के रूप में विभिन्न देशों में वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के दल को लगातार अध्ययन हेतु बाहर भेजा जा रहा है। वियतनाम में कृषि के क्षेत्र में चल रहे नवीनतम एवं उन्नत तकनीकियों के अध्ययन हेतु यह दल आज बड़े हर्षोल्लास एवं एक नई उम्मीद के साथ रवाना हुआ। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा, नाहेप परियोजना के प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा, परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यकम के सह अन्वेषक प्रो. आर.एन.श्रीवास्तव ने यात्रा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तैनात

जबलपुर,देशबन्धु। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने सोमवार 27 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को तैनात किया है।

नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा भेड़ाघाट स्थित हरेकृष्ण आश्रम से सुबह 8ः30 बजे प्रारंभ होकर चौंसठ योगिनी मंदिर, धुंआधार, कल्याणिका तपोवन, पशुपतिनाथ मंदिर गोपालपुर, प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर, तिलमांडेश्वर मंदिर होते हुए लम्हेटाघाट पहुंचेगी। यहां नाव द्वारा नर्मदा पार कर शनि मंदिर लम्हेटी, इमलिया, बुढवारा, ग्वारी से ललपुर होते हुए सिद्धनमाता के आश्रम से नर्मदा तट पार कर सरस्वती घाट पहुंचेगी। नर्मदा पंचकोषी परिक्रमा के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने एस डी एम गोरखपुर पंकज मिश्रा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

साथ ही हरेकृष्ण आश्रम में प्रभारी तहसीलदार गोरखपुर भरत सोनी, लम्हेटाघाट में प्रभारी तहसीलदार शहपुरा रविन्द्र पटेल, नर्मदा पार लम्हेटी में नायब तहसीलदार रत्नेश ठवरे, ग्वारी नर्मदा तट पर प्रभारी नायब तहसीलदार शहपुरा कल्याण सिंह क्षत्री, सरस्वती घाट पर नायब तहसीलदार गोरखपुर श्रीमति रश्मि चौधरी एवं नगर परिषद कार्यालय भेड़ाघाट में कंट्रोल रूम पर प्रभारी नायब तहसीलदार गोरखपुर चेतराम पंधा को कानून व्यवस्था बनाये रखने नियुक्त किया है।

डाक मतपत्रों की गिनती के लिये अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

जबलपुर,देशबन्धु। विधानसभा चुनाव 2023 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन ने डाक मत पत्रों के लिये अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को नियुक्त किया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार विधानसभा क्षेत्र पाटन, जबलपुर पूर्व, जबलपुर उत्तर, पनागर एवं विधानसभा क्षेत्र सिहोरा के डाक मतपत्रों की गणना 3-3 टेबलों, पर की जायेगी। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र जबलपुर केंट एवं जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की 4-4 टेबलों तथा बरगी विधानसभा क्षेत्र के डाक मतपत्रों की गणना 2 टेबलों पर की जानी है।

कलेक्टर सुमन ने पाटन विधानसभा क्षेत्र के डाक मतपत्रों की गणना लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अखिल सहाय श्रीवास्तव, जबलपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के लिये सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण आशीष दीक्षित, जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लिये सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एन एस रघुवंशी, जबलपुर केंट विधानसभा क्षेत्र के लिये सहायक संचालक सामाजिक न्याय नि:शक्तजन कल्याण सोनम बर्वे एवं क्षेत्रीय संयोजक आदिवासी विकास पी के सिंह, जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लिये उपसंचालक उद्यानिकी नेहा

पटेल एवं सहायक संचालक महिला बाल विकास संजय अब्राहम, पनागर विधानसभा क्षेत्र के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सैयद मजहर अली तथा सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के डाकमतपत्रों की गणना के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहोरा जितेंद्र गुप्ता को अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईटीपीवीएस से प्राप्तस डाक मतपत्रों की गणना के लिये संयुक्त कलेक्टर नदीमा शौरी को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्तल किया है। टेबुलेशन के लिये भी दो सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्तौ किये गये हैं। इनमें डिप्टी कलेक्टर सृष्टि प्रजापति एवं मुख्य कार्यापालन अधिकारी जनपद पंचायत कुण्ड्म पी एल यादव शामिल हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी सुमन ने चार अधिकारियों को रिजर्व सहायक रिटर्निंग अधिकारी के तौर पर भी नियुक्तर किया है। इनमें जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास एम एल मेहरा, मुख्यि कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शहपुरा सौम्या जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली टी बी सिंह तथा संयुक्तच संचालक कोष एवं लेखा रोहित सिंह कौशल शामिल हैं।

संत अलायसियस स्कूल पोलीपाथर की वार्षिक खेलकूद स्पर्धा

जबलपुर,देशबन्धु। संत अलायसियस विद्यालय पोलीपाथर में वार्षिक खेलकूद स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें प्राथमिक शाला के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में बौद्धिक विकास के साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास सुदृढ़ बनाना है। वार्षिक खेलकूद का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सरदूल सिंह संधू एवं विशिष्ट अतिथि बिशप अल्मेड़ा की उपस्थिति में किया गया। अतिथियों का स्वागत पौधों के साथ किया गया एवं मुख्य अतिथि द्वारा शालेय ध्वज फहराया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ स्वागत नृत्य द्वारा किया गया इसके पश्चात् धावकों के द्वारा शपथ लिया गया। प्रमुख ध्यानाकर्षण का केंद्र बने कक्षा 1 और कक्षा 2 के द्वारा की गई पी.टी। तत्पश्चात् वर्ग (कक्षा 5) एवं श्व वर्ग (कक्षा 4) के छात्र एवं छात्राओं की 100 मी दौड़ एवं स्र वर्ग (कक्षा 3) के छात्र एवं छात्राओं की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन दौड़ प्रतियोगिताओं के बाद विजयी प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथि बिशप अल्मेड़ा द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। विशिष्ट अतिथि ने अपने उद्बोधन में छात्रों को बधाई देते हुए सभी अभिभावकों को संबोधित करते हुए उनसे गुजारिश की कि वह अपने बच्चों के लिए समय निकाले। उन्होंने छात्रों को उनकी तैयारी के लिए बधाई दी। मेहनत एवं दृढ़ निश्चय से ही अपने मुकाम तक पहुँचा जा सकता है। शाला प्रबंधक फादर एस. जी.विल्सन ने विशिष्ट अतिथि का सम्मान करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। इसके बाद सभी अभिभावकों एवं दर्शकों के समक्ष योगा की प्रस्तुति हुई।

कांग्रेस नेता पांधे पर हमला करने वालों को जमानत नहीं

अदालत ने अग्रिम जमानत अर्जी की खारिज

जबलपुर,देशबन्धु। मतदान के दौरान 17 नवम्बर को कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद नरेन्द्र सिंह पांधे पर किये गये हमले के मामले में दो आरोपियों की ओर से पेश की गई अग्रिम जमानत अर्जी अदालत ने खारिज कर दी है। उक्त जमानत आवेदन एडीजे रविन्द्र प्रताप सिंह की अदालत में पेश किया गये थे। जहां पर आपत्तिकर्ता पांधे की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे ने अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए मारपीट का वायरल वीडियों पेश किया। जिसके बाद अदालत ने जमानत अर्जियां खारिज कर दी।

गौरतलब है कि मतदान के दौरान पूर्व कांग्रेस पार्षद नरेन्द्र सिंह पांधे पर गोरखपुर थानान्तर्गत असामाजिक तत्वों ने हमला कर मारपीट की थी। घटना का वीडियों भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हुआ था। यह पूरा विवाद आवासीय कॉलोनी में संचालित जिम में रात के दौरान आपत्तिजनक गतिविधियों की शिकायत सीएम हेल्प लाइन पर किये जाने से जुड़ा हुआ था। पूर्व पार्षद की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 323, 147, 148, 327, 355 तथा 120 बी के तहत प्रकरण दर्ज किया था। प्रकरण में आरोपी बनाये गये जोरावर सिंह तथा नीलेश विष्वकर्मा ने अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में आवेदन पेश किया था। पूर्व पार्षद की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे तथा अधिवक्ता राकेश शुक्ला ने आपत्ति पेश की। साथ ही घटना तथा वायरल वीडियों विशेष अनुमति के साथ न्यायालय के समक्ष पेश किये।जिसके बाद न्यायालय ने आरोपियों को अग्रिम जमानत का लाभ देने से इंकार करते हुए दायर आवेदन खारिज कर दिये।

सेंस बूथ डेः बच्चो ने अभिभावकों के साथ मिलकर उत्साह से मनाया

जबलपुर,देशबन्धु। हमेशा कुछ अलग करने की चाह में इस बार फिर कुछ अलग लेकर आया, इकिगाई किड्स जो था, सेंस बूथ डे सभी बच्चो ने अपने अभिभावकों के साथ मिलकर बहुत ही उत्साह से मनाया।

इनमे बच्चो को विभिन्न इन्द्रियों और उनमे जुड़े अनुभवों की जानकारी दी गयीद्ध बच्चो को पांचो ग्यानिन्द्रियो के बारे में बताया गया। विभिन्न प्रकार की एक्टिविटीज के द्वारा उन्हें इनकी जानकारी दी गयी जैसे पॉपकॉर्न के चटकने, और बर्तनों के गिरने की आवाज, फूलो और इत्र की सुगंध और कचरे की दुर्गन्ध में अंतर, अलग अलग प्रकार के सामान को छूने का अनुभव और अलग देखने का अनुभव, और जीभ के द्वारा कई स्वादों को चखने का अनुभव कराया गया द्ध जो की सभी के लिए बहुत ज्ञानवर्धक था। इस बेहद शानदार कार्यक्रम में सभी शिक्षिकाओ, और शाला प्रमुख पूर्णिमा में दिरात्ता ने अति उत्साह से भाग लिया व सभी का आभार व्यक्त किया।

गुरुनानक देव एवं सुदर्शन जयंती पर समरसता सेवा संगठन द्वारा विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन आज

जबलपुर,देशबन्धु। समरसता सेवा संगठन द्वारा सामाजिक समरसता के परिपेक्ष्य में सब सबको जाने - सब सबको माने एक अभियान के अंतर्गत गुरुनानक देव जी एवँ सुदर्शन जी जयंती पर रविवार 26 नवम्बर को दोपहर 03 बजे समन्वय सेवा केंद्र, आदि शंकराचार्य चौक (छोटी लाइन फाटक) में विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति का आग्रह किया है।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा के लिए अतिथियों का आगमन आज

परिक्रमा के दौरान होंगे विविध आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में सैकड़ों वर्ष से निकाली जा रही नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा का 27 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा को बद्रीनाथ धाम में 12 साल तपस्या रत बाबा बर्फानी लोकमान्य तिलक के पापोत्र शैलेश तिलक किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर पवित्रा दीदी पुष्पानंद गिरी हीरा माता, शहर के सभी संत महात्मा परिक्रमा का नेतृत्व करेंगे। सर्वप्रथम परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमान हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा।

श्री शैलम तीर्थ क्षेत्र से आई 1.25 लाख बातियों से नर्मदा मैया की महाआरती कर पंचकोसी परिक्रमा प्रारंभ की जाएगी। आरती की रोशनी देखने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। नर्मदा परिक्रमा के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस मौके पर श्रद्धालुओं को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया जायेगा। इसके पश्चात किन्नर अखाड़ा एवं मंगलामुखी समाज द्वारा प्रात: 8.30 बजे जिन माता बहनों को शादी उपरांत मातृत्व की प्राप्ति नहीं हुई है, उनकी गोद भराई की जाएगी।

3 घंटे में होगी परिक्रमा – हरे कृष्णा असम भेड़ाघाट से प्रारंभ होकर पंचवटी, 64 योगिनी, गोपालपुर, लम्हेटा घाट नाव द्वारा पारकर शनि मंदिर, डुंडवारा, इमलिया, न्यू भेड़ाघाट से सरस्वती घाट से नाव पार कर हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा।

अमरनाथ की तर्ज पर होंगे रास्ते में भंडारे– हरे कृष्णा आश्रम से लम्हेटा घाट के उस पार शनि मंदिर से लेकर सरस्वती घाट तक नर्मदा भक्तों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का आयोजन किया जायेगा। नरेंद्र अग्रवाल, उदय भान सिंह, राजेश मिश्रा, हास्य कलाकार पचोरी परिवार, अमरपुर मेडी वीरेंद्र पटेल, शगुन होटल, गोपाल रेस्टोरेंट एवं अन्य लोग भंडारे का स्टॉल लगायेंगे।

फिटनेस बनाने बढ़ी जुम्बा, एरोबिक्स एंड जिमिंग

हेल्थ एंड फिटनेस : विंटर में फिटनेस के शौकीनों में दिख रहा रुझान

जबलपुर, देशबन्धु। विंटर सीजन लोगों को सेहत के लिए बेस्ट लगता है। ऐसे में ज्यादातर सेहत से जुड़ी एक्सपेरिमेंट वे इसी सीजन में करते हैं। फिर चाहे बेहतर डाइट फॉलो करना हो या फिर एक्सरसाइज शुरू करनी हो। सेहत बनाने वाले इस मौसम की शुरुआत के साथ ही लोगों में फिटनेस बनाने के लिए जुम्बा, एरोबिक्स और जिमिंग जॉइन करने की शुरुआत भी हो चुकी है। यही वजह है कि शहर में जिम और फिटनेस सेंटर में लोगों की एकाएक भीड़ भी बढ़ने लगी है। फ्यूजन एक्सरसाइज शहर के जिम और फिटनेस सेंटर में सेहत बनाने के लिए नई तकनीक पर काम किया जा रहा है। इसमें म्यूजिकल एक्सरसाइज अधिक हैं। इसके साथ ही फ्यूजन एक्सरसाइज, योग पैटर्न जुम्बा और फिटनेस एक्टिविटी शामिल है। सीजन में गौर किया जाए तो फिटनेस सेंटर में 70 फीसदी तक लोगों की संख्या बढ़ गई है।

वेट लॉस पैकेज पर फोकस–जंक फूड की अधिकता और बिगड़ी लाइफ स्टाइल के कारण लोगों में ओबेसिटी की प्रॉब्लम भी बढ़ रही है। इससे निजात पाने के लिए लोगों ने विंटर सीजन में फिटनेस एक्टिविटी को चुना है। फिटनेस सेंटर द्वारा वेट लॉस पैकेज पर फोकस किया जा रहा है, ताकि लोगों को परफेक्ट बॉडी शेप और टोन मिल सके।

हार्ड एक्सरसाइज टेक्निक–नॉर्मल सीजन में फिटनेस के लिए जो एक्सरसाइज किए जाते है, उसमें इस बात का ध्यान रखा जाता है, कि लोगों को अधिक स्वेटिंग न हो। इससे एनर्जी अधिक लगती है। इसके विपरीत सर्दियों में फिटनेस टेक्निक को हार्ड कर दिया जाता है। जिससे अधिक स्वेटिंग होने पर भी एनर्जी वेस्ट नहीं होती।

मेकअप आर्टिस्ट बनकर संवारे कॅरियर

जबलपुर, देशबन्धु। गवर्नमेंट साइंस कॉलेज में स्वामी विवेकानंद कॅरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के तत्वावधान में सौंदर्य के क्षेत्र में रोजगार विषय पर वर्कशॉप सम्पन्न हुई। विषय विशेषज्ञ हिमांशु तिवारी ने ब्यूटीशियन के कॅरियर, कोर्स और मेकअप आर्टिस्ट बनने में स्कोप विषय पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर पर प्राचार्य डॉ. एएल महोबिया, प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. जया वाजपेयी, प्रो. एपीएस चंदेल, डॉ. चेतना राणा मौजूद रहीं।

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में स्वर्ण पदक की बिखरी मुस्कान

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में स्वर्ण पदक वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जबलपुर एलुमिनाई एसोसिएशन द्वारा सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 32 स्वर्ण पदक वितरित किए गए। इस मौके पर जेका अध्यक्ष एमएस गुजराल, कोआर्डिनेटर डॉ. शिल्पा सक्सेना, अरविन्द मोहन नायक, डॉ. कंचन खरे, डॉ. कमल कुशवाह मौजूद थे।

अधिवेशन में जुटे देशभर से आए सैन्य अधिकारी, योजनाओं का लिया जायजा

जम्मू और कश्मीर राइफल रेजिमेंटल सेंटर में 31 वें द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर जबलपुर में 31वें द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ले. जनरल उपेंद्र द्विवेदी, अतिविशिष्ट सेवा मेडल, कर्नल ऑफ द रेजिमेंट, जम्मू और कश्मीर राईफलस एवं लद्दाख स्काउटस और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ, उत्तरी कमान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में कर्नल ऑफ द रेजिमेंट ने जैक आरआरसी के सभी कमान अधिकारियों, सूबेदार, मेजर, राष्ट्रीय राईफल्स और प्रादेशिक सेना अधिकारियों से मुलाकातकी।

ट्रेनिंग और ऑपरेशन की जानकारी–कार्यक्रम में जैक आरआरसी कमाण्डेंट, ब्रिगेडियर राजेश शर्मा ने सेंटर में चल रहे प्रशिक्षण और प्रशासनिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। सेना मुख्यालय की मिलिट्री सेक्रेटरी ब्रांच, इन्फेंट्री निर्देशालय, आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट आर्गनाइजेशन, डिपार्टमेंट ऑफ़ इंडियन आर्मी वेटरन्स के प्रतिनिधियों ने कर्नल ऑफ द रेजिमेंट और सभी कमान अधिकारियों यूनिटों के मुददों और सैनिकों व पेंशनर्स के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। सभी कमान अधिकारियों ने रेजिमेंटल सेंटर के प्रशिक्षण क्षेत्र और अन्य संस्थानों का दौरा भी किया। सैन्य अधिकारियों ने भेड़ाघाट भ्रमण किया।

आवा की योजनाओं का जायजा–कार्यक्रम में कमान अधिकारी लेडीज ने जैकआरआरसी आवा कल्याण केन्द्र का दौरा कर योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और अन्नपूर्णा योजनाओं की गतिविधियों को समझा। इस मौके पर सुनीता द्विवेदी, क्षेत्रीय अध्यक्षा, उत्तरी कमान ने कॉफ़ी इवनिंग के दौरान सभी कमान अधिकारी लेडीज से परिचर्चा की।

रानीताल ईदगाह में दो दिवसीय उर्स आज से शुरू

देश के नामवर उलेमा शिरकत करेंगे

जबलपुर, देशबन्धु। ईदगाह कला रानीताल में आज रविवार से दो दिवसीय उर्स सलामी, बुर्हानी, मेहमूदी का एहतेमाम किया जाएगा। मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हजरत मौलाना मुहम्मद हामिद अहमद सिद्दीकी उर्स की सरपरस्ती करेंगे। नायबे मुफ्ती ए आज़म मध्य प्रदेश हज़रत मौलाना मुहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुर्हानी के अनुसार उर्स में सज्जादानशीन मसौली शरीफ हज़रत सैय्यद गुलजार मियां साहब, सज्जादानशीन कालपी शरीफ हज़रत ग्यासुद्दीन तिर्मिजी साहब, हज़रत आमिर रज़ा साहब बरेली शरीफ, सज्जादानशीन आस्ताना ए रब्बनिया हज़रत सैय्यद कौसर रब्बानी साहब, हज़रत मुफ्ती कमाल अख्तर साहब और मुल्क के नामवर उलेमाक्राम अपनी तशरीफ लायेंगे। जिनके बयान से आवाम के दिल ईमान की रोशनी से मुनव्वर होंगे। उर्स शरीफ का आगाज रविवार को बाद नमाज़ मगरिब महफ़िले मिलाद शरीफ के एहतेमाम से होगा। सज्जादानशीन सूफी जियाउल हक कादरी बुर्हानी ने तमाम सिलसिलों के अक़ीदतमंदों से उर्स की तक़रीब में शरीक होकर अपने दिलों को मुन्नवर फरमाने व साहिबाने उर्स के रूहानी फैज़ और बरकात हासिल करने की हिदायत फरमाई है।

दैनिक राशिफल

रविवार 26 नवम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। कार्तिक शुक्लपक्ष की चतुर्दशी। नक्षत्र-भरणी ।

मेष

स्फूर्ति और ताजगीपूर्ण सुबह से दिन की शुरुआत करेंगे। घर में मित्रों और सगे-संबंधियों के आवागमन से खुशहाली का माहौल रहेगा।

वृषभ

क्रोध और हताशा की भावना आपके मन पर छायी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य भी साथ नहीं देगा। घर-परिवार की चिंता के साथ खर्च के मामले में भी आज चिंतित रहेंगे।

मिथुन

परिवार में खुशी और आनंद का माहौल रहेगा। नौकरी-धंधे में आपको लाभ का समाचार मिलेगा। उच्च अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे।

क. 179-389

कर्क

आज आप घर की सजावट पर समय और धन दोनों खर्च करेंगे। व्यापार और नौकरी में लाभ होगा तथा पदोन्नति होने की भी संभावना बनी रहेगी।

सिंह

आज गुस्से वाला स्वभाव होने के कारण किसी भी काम में मन नहीं लगेगा। संघर्ष या विवाद के कारण किसी के नाराज होने की आशंका बनी रहेगी।

कन्या

आज वाणी पर संयम रखें और किसी नए काम का प्रारंभ न करें। क्रोध एवं आवेश के कारण बातचीत में नुकसान हो सकता है।

तुला

दैनिक कामों के बोझ से हल्का होने के लिए आज आप पार्टी, सिनेमा, नाटक या पर्यटन का आयोजन करेंगे। मित्रों को आमंत्रित करेंगे।

वृश्चिक

आज आप अनिश्चितता और सुखशांति के साथ घर में समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक तथा मानसिक प्रसन्नता से काम करने में उत्साह रहेगा।

धनु

संतान के स्वास्थ्य और पढ़ाई की चिंता से मन व्यग्र रहेगा। पेट संबंधी बीमारियां परेशान करेंगी। काम की असफलता से आपके अंदर हताशा होगी।

मकर

आपके तन-मन में सुस्ती और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मन में भय रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद या विवाद से आपके मन में डर का भाव रहेगा।

कुंभ – आज चिंता मुक्त होने से आप राहत महसूस करेंगे। आपके उत्साह में भी वृद्धि होगी। बुजुर्गों और मित्रों से लाभ की अपेक्षा रख सकते हैं।

मीन

आर्थिक आयोजन करने के लिए आज शुभ दिन है। निर्धारित काम पूरे होंगे। आय बढ़ेगी। परिवार में सुख- शांति का वातावरण बना रहेगा।

मा. 245-346

4,8,3,0,00,41,83,35,15,92,65,11

एलायंस क्लब जबलपुर ने गीत-संगीत से मनाया दीपोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। एलायंस क्लब जबलपुर मार्बल रॉक्स लेडीज विंग द्वारा दीवाली मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. आरएम साहू, डीन, जेएनकेवि मुख्य आतिथि थे। अध्यक्ष सतीश साहू, लेडीज विंग अध्यक्ष रंजना गुप्ता, सचिव खुमेश गढेवाल, सचिव ममता सिया कोरी, डिस्ट्रिक्ट गर्वनर मनीष खरे, सुमन राय, कमल चौरसिया, कविता सराफ मौजूद रहीं।

लघु काशी गढ़ा में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। लघु काशी हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवताल गढ़ा में प्रतिभा सम्मान समिति के संस्थापक एवं संयोजक पंडित रमेश बसेड़िया, अध्यक्ष डॉ भूपेंद्र उपाध्याय, सचिव विजय मिश्रा, कोषाध्यक्ष शरद दुबे एवं समिति सदस्यों के द्वारा रजत जयंती वर्ष पर प्रतिभा सम्मान समारोह महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। वरिष्ठ साहित्यकार पंडित आचार्य भागवत प्रसाद दुबे, संचालक श्रीरामलीला समिति गढ़ा पंडित अशोक मनोध्याय, अंजू खेत्रपाल, रजनीश श्रीवास्तव के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में कक्षा पांचवी से लेकर कक्षा 12वीं तक की क्षेत्रीय स्तर में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त नवोदय प्रतिभाओं एवं सभी विषयों में सर्वोच्च अंको को प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं सहित सर्वश्रेष्ठ शिक्षक-शिक्षिका एवं लघु काशी क्षेत्र में निवास करने वाले विशिष्ट महानुभावों को भी विशिष्ट अलंकरणों से अलंकृत किया गया।

महापौर ने अपने उद्बोधन में सम्मान प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। नगर निगम की तरफ से फिल्म दिखाने एवं सम्मान करने की बात कही, साथ ही आपने कहा कि शिक्षा से ही संस्कृति का विकास होता है। इसलिए सभी छात्र-छात्राएं अच्छे से पढ़ाई करते हुए भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। इसी क्रम में गढ़ा गौरव सम्मान से प्रोफेसर डॉ. नीना उपाध्याय, साहित्य मनीषी सम्मान से प्रभा विश्वकर्मा, कला वारिधि सम्मान से मुकेश मिश्रा एवं क्रीड़ा रत्न सम्मान से दीपक कुमार पटेल को सम्मानित किया गया। कक्षा पांचवी से कु. अनु गोंटिया, कु. खुशी विश्वकर्मा, कक्षा आठवीं से कु. मानसी साहू, कक्षा 12वीं से कु. खुशी निषाद, आदर्श छात्र प्रहलाद अग्रवाल एवं आदर्श छात्रा कुमारी शालिनी यादव, श्रेष्ठ शिक्षक-शिक्षिका सम्मान से कु.आशी साहू, ऋचा पांडे एवं मधुमति कोरी को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनोज गुप्ता, अभय शंकर प्यासी, रमाशंकर कटारे, राजेंद्र प्यासी, डॉ. श्यामसुंदर, डॉ बी.पी. अवस्थी, राजेश मिश्रा, लोकराम कोरी, अनीता मिश्रा, दिनेश मिश्रा, राकेश मिश्रा, नरेश मिश्रा, विवेक रंजन शुक्ला एवं समस्त हितकारिणी शाला परिवार एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संविधान दिवस : बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया जायेगा माल्यार्पण

जबलपुर, देशबन्धु। बोधिसत्स डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव के तत्वावधान में 74 वां भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर चौक होईकोर्ट पर भारतीय संविधान निर्माता विश्व रत्न बाबा साहेब की प्रतिमा पर सामूहिक माल्यार्पण किया जायेगा। माल्यार्पण कार्यक्रम में अध्यक्ष दयानंदर हराले, संयोजक नंद किशोर टेंम्भूर्णे आदि बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इस मौके पर समिति सदस्य पकंज मेश्राम, धर्मशील चाटे, राजू फूल, दिलीप सहारे, सिद्धार्थ उके, मनोज बायमारे, राजेश भोवरे, टी.डी. हुमने वीरेन्द्र बौद्ध, विश्वनाथ धरगे, बैजयंतीमाला चिकाटे, मीना खापर्डे सहित कार्यक्रम में उपासक और उपासिकाओं से आग्रह किया गया है कि वे सभी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

ओपन इंटरस्कूल ताइक्वांडो में आज राष्ट्रीय चयन स्पर्धा का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी के संस्थापक राजकुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी और जबलपुर ताइक्वांडो यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर ओपन इंटरस्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता व राष्ट्रीय चयन स्पर्धा 2023 का आयोजन श्री जानकी रमण महाविद्यालय परिसर में आज आयोजन किया गया है। जिसमें जबलपुर शहर के लगभग 12 विद्यालयों से लगभग 110 खिलाड़ी इस प्रतिस्पर्धा में भाग ले रहे हैं। विजेता खिलाड़ियों का चयन आगामी दिनों उड़ीसा राज्य के राउरकेला में आयोजित होने जा रही ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2023 के लिए चयन किया जाएगा।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री योगेंद्र प्रसाद सिंह- बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री योगेंद्र प्रसाद सिंह (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संतोष कपूर- वत्सला होम सैनिक सोसायटी शक्ति नगर निवासी श्री प्रेम लाल कपूर की धर्मपत्नी श्रीमती संतोष कपूर (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती राधिका देवी- यादव कॉलोनी निवासी श्री भरत प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती राधिका देवी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हिरेंद्र कुमार बनाफर- द्वारका नगर पूर्वी घमापुर निवासी श्री मदन गोपाल बनाफर के पुत्र श्री हिरेंद्र कुमार बनाफर (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर में किया गया।

श्री नारायण पोल- शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री नारायण पोल (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा बाई भोरेल- गोरखपुर नत्थूमल जैन स्कूल के पास निवासी श्री शंकर लाल भोरेल की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा बाई भोरेल (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री गणेश कोरी- बृजमोहन नगर मांडवा रामपुर निवासी श्री गणेश कोरी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री डाल सिंह- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री डाल सिंह (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शीला तिवारी- बिलहरी पोस्ट आफिस के पास मंडला रोड निवासी श्री अवधेश तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती शीला तिवारी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में संपन्न हुआ।

श्री नारायण राव- गली नं. 15, सदर काली मंदिर के पास निवासी श्री नारायण राव (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती किरण- हैलटगंज सदर निवासी श्रीमती किरण (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

ऑटो से टकराई केन्द्रीय मंत्री के बेटे की कार, तीन घायल

जबलपुर, देशबन्धु। मेडिकल कॉलेज के पास केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के बेटे प्रबल पटेल की एसयूवी कार शनिवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसके सभी एयरबैग खुल गए।

वहीं कार की चपेट में आने से ऑटो सवार 3 लोग बुरी तरह घायल हो गये। सूचना पर गढ़ा पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि हादसे के समय कार में प्रबल पटेल थे या नहीं, इसकी जानकारी देर रात तक पुलिस को नहीं लग पाई। घटना के संबंध में गढ़ा टीआई बृजेश मिश्रा ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के बेटे प्रबल पटेल की कार एमपी 20 सीके 0111 पिसनहारी की मढिया से भेड़ाघाट बाइपास की ओर जा रही थी। इसी दौरान सामने से ऑटो एमपी 20 आर 3394 आ रहा था।

पुलिस कर रही मामले की जांच

मेडिकल ब्यॉज हॉस्टल के सामने स्थित अस्पताल के गेट के पास ऑटो चालक ने अचानक ऑटो मोड़ दिया। जिस कारण तेज रफ्तार कार पहले तो ऑटो से टकराई और फिर एक पोल से टकरा गई। कार की रफ्तार अधिक होने के कारण उसके सभी एयरबैग खुल गए। घटना के बाद कार सवार जैसे-तैसे कार से उतरे और वहां से निजी अस्पताल चले गए। इधर ऑटो में सवार 3 लोग बुरी तरह जख्मी हो गये, जिन्हें मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में केन्द्रीय मंत्री के बेटे थे या नहीं और कार को कौन चला रहा था, पुलिस जांच कर इसका पता लगा रही है। जानकारी के मुताबिक घायलों में ऑटो सवार गुप्ता नगर निवासी संदीप पटेल, राकेश पटेल और मनीष केसरवानी जख्मी हुए है।

शहर की दो बड़ी फर्मों पर सीजीएसटी का छापा

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में सेंट्रल जीएसटी की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की है। यहां दो फर्मों पर सेंट्रल जीएसटी की टीम ने छापा मारा है। कार्रवाई के बाद से शहर के दूसरे व्यापारियों में हड़कंप की स्थिति है।

जानकारी अनुसार सेन्ट्रल जीएसटी की टीम ने जिन दो फर्म पर छापा मारा है वह बड़े पैमाने पर फर्नीचर और गद्दों का काम करती है। बड़े व्यापार के बाद भी टैक्स भरने में लापरवाही और चोरी की आशंका के बाद जीएसटी की टीम ने रिटर्न फाइल करने में गड़बड़ी की आशंका के चलते छापेमारी की है। दोनों फर्मों के दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर टीम के अधिकारी जांच पड़ताल कर रहे हैं। दोनों फर्म शहर के करमचंद चौक और कटंगी बाईपास पर संचालित है।

स्कूली छात्र को नशेड़ी ने धारदार हथियार से किया घायल

जबलपुर, देशबन्धु। घमापुर थाना में बीती रात आलोक श्रीवास उम्र 15 वर्ष निवासी झामनदास चौक ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह कक्षा 9वीं में पढ़ाई कर रहा है। बीती रात लगभग 8-45 बजे अपने घर के सामने शिब्बू पटैल के साथ बात कर रहा था, तभी मोहल्ले का सोनू राजपूत आया जो शराब के नशे में था घर के सामने उसके साथ गालीगलौज करने लगा, उसने विरोध किया तो किसी धारदार चीज से हमलाकर दाहिने हाथ की कलाई एवं टहनी में चोट पहुंचा दी। छात्र की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पूर्व पार्षद नरेंदर सिंह पांधे के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करो वर्ना करेंगे आंदोलन

पुलिस प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर,देशबन्धु। पूर्व पार्षद नरेंदर सिंह पांधे को बीते दिनों गुरू नानक स्कू ल मदन महल के मतदान केंद्र के समीप जिम संचालक के लोगों ने बेरहमी से पीट दिया था। इसके विरोध में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा गया है। इस मौके पर प्रकरण में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है। यह भी चेतावनी पुलिस प्रशासन को दी गई है कि आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होने पर गांधी वादी तरीके से आंदोलन किया जायेगा। ज्ञापन में कहा गया है कि उक्त जिम में आये दिन शराब खोरी और अन्य तरह असमाजिक गतिविधि होती थी, जिसे रोकने पर पांधे के साथ घटना को अंजाम दिया गया और दिन दहाड़े मारपीट की घटना की गई। हमले में सात लोग थे। ज्ञापन में सिख समाज,जबलपुर चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स महाकौशल चैम्बर है कॉमर्स कैट इकाई, बाईपास व्यापारी संग, खेल जगत एवं अन्य संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि सिक्खी सरूप, केश, दाढ़ी एवं पगड़ी की बेइज़्ती के लिए आरोपीयों पर धारा 295, 295 लगायी जाए, घटना से पसिख समाज आक्रोशित है। हमले में शामिल धन्वन्तरी नगर स्थित रोडियम जिम के मालिक राहुल सिंह भी थे जिनका जिम इसी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है, इसलिए रोडियम जिम को भी बंद कर धन्वन्तरि नगर के वासीयों को राहत दी जाए। साथ ही मामले में उवैस खान, बंटी चावला, यश भारिज, ऋषभ पॉल उफ़ 'पौली एवं रितेश पावले और अन्य लोग भी शामिल थे, इन्हें भी आरोपी बनाने की मांग गई है। इस मौके पर सिख समाज से प्रहलाद सिंह बिंद्रा,सुरिन्दर आनंद,गुलशन मखीज, अवतार सिंह बांगा, परमजीत भंगु, दलजीत सिंह चड्ढा, टी एस कालरा, मनजीत सिंह,गुलजीत साहनी, गुरूदेव सिंह, हरदेव सिंह, प्रभजोत सिंह, हरजीत सूदन,मनिंदर सिंह छाबड़ा, एस दुग्गल, अजीत सिंह सीटू, दलबीर जस्सल, अमित सिंह खुल्लर,गुरप्रीत सिंह,राजू संधू,कॉंग्रेस नेता गोरव भनोट, दिनेश यादव, आलोक चनसोरिया, आलोक मिश्रा,प्रेम दुबे, मुकेश राठौर, अमरीश मिश्रा, द्वारका मिश्रा, पंकज पांडे, दिनेश सिंगरोल, शशांक दुबे, हिमांशु खरे, नाज़ पांडे, शशि पांडे, लाली सिंह पाल, संजय डैलन, बलवंत यादव, पंकज महेश्वरी,राजेश महेश्वरी, राकेश श्रीवास्तव, राकेश नेमा, एवं बड़ी संख्या में विभिन्न व्यपारिक संगठनों के पदाधिकारी गण, आदि मौजूद थे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक चालक को उड़ाया, चार घायल दो गंभीर

सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद...

जबलपुर, देशबन्धु। गोहलपुर थाना अंतर्गत शांति नगर स्थित काली मंदिर के समीप एक बेकाबू कार और मोटर सायकिल में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग घायल हो गए जिन्हें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना से मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई थी। मौके पर जाम की भी स्थिति बनी रही। घटनाक्रम सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हो गया है। घटना से मौके पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। इस संबंध में गोहलपुर थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया कि काली मंदिर के समीप शनिवार रात्रि 9 बजे कार क्रमांक एमपी 20 सीडी 1579 के चालक ने पीछे से मोटर सायकिल में टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे में चार लोग घायल हुए है। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। घायल कौन है और कहा के रहने वाले है इसकी पतासाजी की जा रही है।

सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद, परमवीर चक्र के साथ जुड़ना वाहन निर्माणी के लिये गौरव की बात

जबलपुर,देशबन्धु। 4 ग्रेनेडियर्स के परम योद्धा, सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद, परमवीर चक्र के साथ जुड़ना वाहन निर्माणी जबलपुर के लिए बड़े सम्मान और गौरव की बात है। वर्ष 1965 के युद्ध के दौरान खेम करण सेक्टर सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद ने जीप पर लगी अपनी 106 मिमी आईसीएल गन का उपयोग करते हुए पाकिस्तानी सेना के बेहतर पैटन टैंकों पर हमला किया और अपने अदम्य साहस से चार पाकिस्तानी पैटन टैंकों को नष्ट कर दिया था। असल उत्तर की लड़ाई में उनके द्वारा की गई कार्रवाई के लिए सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद को भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

वाहन निर्माणी ने असल उत्तर की लड़ाई के दौरान सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद द्वारा इस्तेमाल की गई मूल जीप को एक जीवित किवदंती के रूप में पुनर्निमित और पुर्नस्थापित किया और इसे 25 नवंबर 2023 को मुख्य महाप्रबंधक, वाहन निर्माणी जबलपुर द्वारा ग्रेनेडियर्स रेजीमेंट सेंटर (जबलपुर) को प्रस्तुत किया गया।

वाहन की बहाली से इस वाहन को नई पीढ़ी के सामने प्रदर्शित करने में काफी मदद मिलेगी तथा इससे उन्हें रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के महत्व का एहसास भी कराया जा सकेगा। वाहन निर्माणी जबलपुर (एवीएनएल) इकाई भारतीय सशस्त्र बलों को गतिशीलता समाधान प्रदान करने के लिए एक समर्पित वाहन विनिर्माण इकाई है। वाहन निर्माणी को गर्व है कि वह सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद, पीवीसी द्वारा इस्तेमाल की गई मूल जीप के नवीनीकरण और बहाली की परियोजना से जुड़ी हुई है। यह जीप असल उत्तर की लड़ाई का हिस्सा थी, जिसमें भारतीय सेना ने हैवी व्हीकल फैक्टरी, आवडी जो कि अब बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड (एवीएनएल) का हिस्सा है, द्वारा निर्मित टैंकों का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा जीप और आईसीएल गन जिसका उपयोग सीक्यूएमएच अब्दुल हामिद, पीवीसी द्वारा किया गया था, का निर्माण भी जबलपुर की गन कैरिज फैक्टरी द्वारा किया गया था, जो पहले आयुध निर्माणी बोर्ड का हिस्सा थी। श्री संजीव कुमार भोला, मुख्य महाप्रबंधक, वाहन निर्माणी जबलपुर, आईसीएल गन और अर्जुन टैंक के डिजाइन और निर्माण में गन कैरिज फैक्टरी और हैवी व्हीकल फैक्टरी दोनों से अपनी सेवा के शुरुआती दिनों से जुड़े रहे हैं।

कांग्रेस नेता पांधे पर हमला करने वालों पर ईनाम घोषित

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में पिछले दिनों 17 नवंबर को मतदान संपन्न हुआ। जिसमें कई भाजपा-कांग्रेस के समर्थकों के बीच मारपीट की खबरें सामने आयी है। वहीं गढ़ा थाना अंतर्गत गुरूद्वारे के पास कुछ बदमाशों ने कांग्रेस नेता पूर्व पार्षद नरेन्दर सिंह पांधे के साथ जमकर मारपीट की। जिसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ।

इस घटना के बाद यह खबर भोपाल, दिल्ली तक जा पहुंची। यहां तक के सिख संगठनों ने भी इस पर संज्ञान ले लिया। और मामले में एफआईआर दर्ज कराई। मारपीट के बाद आरोपी फरार हैं। जिनकी अग्रिम जमानत भी कोर्ट ने खारिज दी। मामले की गंभीरता को देखते हुये। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने फरार आरोपी हैली भारज पिता केहर सिंह भारज उम्र 37 वर्ष निवासी प्रेमनगर गुप्तेश्वर रोड मदनमहल, राहुल सिंह पिता रमेश ठाकुर उम्र 34 वर्ष निवासी एलआईजी लालबाग मंदिर के पास धनवंतरी नगर संजीवनी नगर, जुगराज उप्पल पिता परमजीत सिंह उप्पल उम्र 29 वर्ष निवासी आईडियल इंकलेव गुप्तेश्वर हाथीताल गोरखपुर, सहज मरवाह पिता जसविंदर सिंह मरवाहा उम्र 26 वर्ष विासी बनारसीदास वार्ड , पुनीत सिंह पिता जसवीर सिंह उम्र 36 वर्ष निवासी प्रेमनगर मदनमहल, जोरावर सिंह पिता परगत सिंह उम 37 वर्ष निवासी गुप्तेश्वर वार्ड गोरखपुर, नीरो उर्फ कमलजीत सिंह पिता नरेन्द्र सिंह रहसी उम्र 40 वर्ष निवासी आजाद नगर मस्ताना बारात घर मानेगांव रांझी, नीलेश पिता कैलाश उम्र 41 वर्ष निवासी गुप्तेश्वर वार्ड प्रेमनगर, मदनमहल को गिरफ्तार करने वाले या गिरफ्तारी के लिये सूचना देने वाले या गिरफ्तारी मे सहयोग प्रदान करने वाले को 3000-3000 हजार के नगद पुरूस्कार देने की घोषणा की है।

रंजिश के चलते युवक की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार

जबलपुर, देशबन्धु। गोसलपुर थाना अंतर्गत बुढागर रोड स्थित टपरे में खड़े एक युवक को बदमाश ने कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि बदमाश ने पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया है।

जिसके बाद घायल युवक को क्षेत्रीय जनों ने शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार गोसलपुर थाना में शनिवार को मारपीट में घायल को उपचार के लिये शासकीय अस्पताल गोसलपुर लाये जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस को राज लाल दाहिया उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम कैलवास (उमरिया) ने बताया कि शनिवार सुबह लगभग 10-30 बजे वह ग्राम उमरिया कैलवास में कूड़ा कंजई, बुढागर रोड स्थित प्रमोद पटैल के टपरे में खड़ा था, उसी समय शनिराम उर्फ छन्नी भूमिया हाथ में कुल्हाड़ी लिये अपने घर तरफ से आया जो पुरानी बुराई को लेकर उसे देखकर गालीगलौज करने लगा। उसने विरोध किया तो कुल्हाड़ी से हमलाकर उसके बांये कान के नीचे गर्दन के पास चोट पहुंचा दी है। घायल की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर बदमाश की तलाश के टीम गठित की। गठित टीम ने संदिग्ध ठिकानों पर तलाश करते हुये आरोपी शनिराम उर्फ छन्नी भूमिया उम्र 48 वर्ष निवासी कैलवास को गिरफ्तार कर लिया है।

निर्वाचन से जुड़े मुद्दे को चुनाव याचिका में उठाये

पूर्व विधायक को हाईकोर्ट ने दी स्वतंत्रता, याचिका वापस

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने विधानसभा चुनाव से जुड़े एक मामले में याचिकाकर्ता पूर्व विधायक को स्वतंत्रता दी है कि निर्वाचन से जुड़े मुद्दों को वे चुनाव याचिका में उठाएं। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने उक्त मत के साथ याचिकाकर्ता द्वारा याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान की। यह मामला बालाघाट के लांजी से पूर्व विधायक किशोर समरीते की ओर से दायर किया गया था। जिसमें निर्वाचन अधिकारी के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी जिसके तहत उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उन्होंने संयुक्त क्रांति पार्टी की ओर से विधानसभा क्रमांक 109 से विधायक के लिए नामांकन दाखिल किया था। उसी दौरान बालाघाट के जिला निर्वाचन अधिकारी को याचिकाकर्ता के खिलाफशिकायत प्राप्त हुई। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान निर्वाचन अधिकारी ने यह पाया कि उम्मीदवार ने आपराधिक रिकॉर्ड के संबंध में कुछ जानकारी छिपाई है। याचिकाकर्ता ने अपने जवाब में निर्वाचन अधिकारी को बताया कि उक्त आपराधिक प्रकरण उच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं, इसके बावजूद उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया, जिस पर हाईकोर्ट की शरण ली गई। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद इससे संबंधित किसी भी मुद्दे को परिणाम आने तक अदालत में चुनौती नहीं दे सकते। उक्त अधिनियम के तहत परिणाम आने के बाद प्रत्येक मुद्दे को चुनाव याचिका के जरिए ही चुनौती देने का प्रावधान है।

स्टाम्प एक्ट में संशोधन को हाईकोर्ट में चुनौती

राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी

जबलपुर,देशबन्धु। स्टाम्प एक्ट में किये गये संशोधन को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस रवि विजय मलिमथ व जस्टिस विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने मामले में राज्य शासन सहित अन्य अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। हाईकोर्ट में यह मामला सतना निवासी रश्मि खेड़ा की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया कि स्टाम्प एक्ट की धारा-48 में संशोधन कर दिया गया है। इसके तहत यह अभिनिर्धारित किया गया है कि किसी भी पंजीकृत दस्तावेज में कम स्टाम्प की शिकायत दस्तावेज के पंजीयन के पांच वर्ष के पश्चात स्वीकार योग्य नहीं होगा। चूंकि इस संशोधन से स्टाम्प ड्यूटी की चोरी करने वालों का बचाव हो रहा है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलने की आशंका है। अत: उक्त संशोधन को शून्य किया जाना चाहिए। ताकि संशोधित प्रावधान का दुरुपयोग न हो। रजिस्ट्री अधिकारी-कर्मचारी संपत्ति का उचित मूल्य निर्धारित करते हुए निर्धारित स्टाम्प ड्यूटी लगाये, जिससे शासन को राजस्व की क्षति न हो। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

पांच थाना क्षेत्रों में पुलिस का जुआफड़ पर छापा, 28 जुआडी, गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में एक बार फिर से जुआफड़ संचालकों ने अपना धंधा शुरू कर दिया है। दूर दराज से जुआरियों को बुलाकर फड़बाज महफिले सजा रहे हैं। पुलिस ने 5 थानों क्षेत्रों में छापा मारकर एक दर्जन से अधिक जुआरियों को पकड़ा है। इसमें मदन महल, बेलबाग, गोहलपुर, बरगी और बेलखेड़ा शामिल है। जानकारी के अनुसार मदनमहल थाना पुलिस ने रेल्वे स्टेशन के पास एवं राईट टाउन मे दबिश देकर भवानी सिंह एवं अन्य 10 साथियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। जिनके कब्जे से नगद 6290 रूपये तथा ताश के पत्ते जप्त किये हैं।

इसी प्रकार बेलबाग थाना पुलिस ने वंशकार मोहल्ले में दबिश देते हुये राजा कोरी एवं अन्य 3 साथियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने नगद 460 रूपये तथा ताश के पत्ते जप्त किये हैं। इसी क्रम में गोहलपुर थाना पुलिस ने दमोहनाका मे दबिश देते हुये श्याम जैसवाल एवं अन्य 4 साथियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा है।

वहीं बरगी थाना पुलिस ने बरगी में दबिश देते हुये भोला भूमिया एवं अन्य 3 साथियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। दूसरी ओर बेलखेड़ा थाना पुलिस ने मनकेड़ा में दबिश देते हुये दशरथ एवं अन्य 3 साथियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा है। पुलिस ने सभी जुआरियों के खिलाफ जुआ एक्ट अपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक ने कराई कॉम्बिंग गस्त, फरार 257 वारंटी पकड़े गये

जबलपुर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के आदेशानुसार अपराधों की रोकथाम के लिये अति. पुलिस अधीक्षक शहर प्रियंका शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर प्रदीप कुमार शेण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सोनाली दुबे तथा समस्त नगर पुलिस अधीक्षकों/एसडीओपी के मार्गदर्शन में समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिग गस्त की गयी। जिसमें वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये सभी थाने में 2 से 3 टीमें बनाई गई। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान मारपीट, चोरी, अवैध हथियार, अवैध शराब, आदि प्रकरणों में फरार चल रहे 55 गैर म्यादी एवं 129 गिरफ्तारी वारंटियों को पकड़ा गया तथा 73 जमानती वारंट तामील किए गए।

टिमरी नाके में किसानों से दोनों फेरों का वसूल रहे टोल टैक्स

20-21 किमी की दूरी पर दो टोल नाके से किसान परेशान, आरोप-65 की जगह 70 वसूल रहे

पाटन, देशबन्धु। पाटन-जबलपुर मार्ग पर पड़ने वाले उड़ना गांव के आसपास एमपीआरडीसी टोल प्लाजा स्थापित करना चाहता था, लेकिन पाटन के किसानों के भारी विरोध के चलते मार्च 2022 में इसे संबंधित टिमरी में बनाया। यहां पर भी टोल प्लाजा बनाने का विरोध किसान कर रहे थे। उनका कहना था कि जब हम अपनी मटर की उपज जबलपुर बेचने ले जाएंगे तो हमको वाहन अधिक भाड़े पर मिलेंगे, जबकि एमपीआरडीसी के द्वारा पहले से ही डीबीएल पाटन रहली टोलवे लिमिटेड गाड़ाघाट, पाटन पर टोल प्लाजा संचालित किया जा रहा है। दोनों टोलों की दूरी महज 20 से 21 किलोमीटर के आसपास है।

किसानों ने बताया कि समय मौजूदा विधायक ने उनसे एमपीआरडीसीके बीच में मध्यस्थता करके उन्हें मना लिया था और वादा किया था कि आपको सिर्फ एक साइड का टोल देना पड़ेगा। आज गाड़ाघाट, कोनी, बासन, पौड़ी, इमलिया, बूढ़ी कोनी और भी आसपास के किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। अब जबलपुर सब्जी मंडी में मटर एवं टमाटर लाने वाले किसानों को 70 रुपए गाड़ाघाट पाटन में और 70 रुपए टिमरी में टोल टैक्स चुकाना पड़ रहा है। आने-जाने में

280 रुपए टोल लगने से किसानों को ऊंचे दामों पर वाहन किराए से लेना पड़ रहे हैं। जिसको लेकर किसानों में सरकार एवं मौजूदा विधायक के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

टोल प्लाजा कर्मियों का तर्क-जब किसान टोल प्लाजा पर 20 से 21 किलोमीटर की दूरी पर दो जगह टोल देने की बात करता है तो टोल प्लाजा कर्मी गाड़ाघाट टोल नाके को रहली का बता देते हैं। उनका कहना है कि ऐसे वाहन चालक जो रहली, तेंदूखेड़ा से होते हुए पाटन आते हैं, ऐसे वाहन चालकों से गाड़ाघाट स्थित टोल नाके पर टोल लिया जाता है, लेकिन बासन गांव के आसपास रहने वाले किसानों के साथ एमपीआरडीसी के द्वारा खुलेआम लूट की जा रही हैं। किसानों का कहना हैं कि उक्त टोल सागर संभाग की सीमा में आता है तो उसे सागर संभाग की सीमा में संचालित करना चाहिए।

माननीय अपना वादा भूले-पाटन ब्लाक के किसानों ने बताया कि जब उड़ना में टोल प्लाजा बन रहा था तो किसानों के उग्र प्रदर्शन की वजह से टोल नाका निर्माण कार्य एमपीआरडीसी को रोकना पड़ा था। तब मौजूदा विधायक ने पाटन के किसानों से वादा किया था की पाटन के किसानों जो अपनी उपज जबलपुर बेचने जाते हैं उन किसानों को सिर्फ एक साइड का टोल देना होगा, लेकिन आज किसानों से दोनों फेरो का टोल वसूला जा रहा हैं।

टिमरी टोल प्लाजा से वाहनों की दर सूची गायब-किसान दिनेश चौबे ने बताया कि टिमरी टोल नाके के बोर्ड पर हल्के माल वाहकों से 65 रुपए की दर लिखी थी और टोल कर्मी किसानों से 70 रुपये वसूल रहे थे, जब हमने उनसे पूछा कि 65 रुपये बोर्ड में लिखा है तो 70 रुपए क्यों ले रहो तो टोलकर्मी वाद विवाद करने पर उतारू हो जाते हैं।

इनका कहना

जब इस संबंध में एमपीआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी विनोद श्रीवास्तव से बात की गई तो उनका कहना था की यह मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है आप भोपाल आफिस में बात करें।

रामपुर में स्कूली बच्चों ने उठाया चंडी मेले में का लुत्फ

खिलौनों के साथ जरूरत का सामान भी खरीदा

गांधीग्राम,देशबन्धु। ग्यारस के बाद से चंडी मेला की शुरू होते जगह-जगह मेले लगने शुरू हो गए हैं।इसी कड़ी में जबलपुर सिहोरा हाईवे फोरलेन सड़क के किनारे स्थित ग्राम रामपुर की शासकीय प्राथमिक शाला रामपुर परिसर में सायंकालीन बेला में गांव की चंडी का अयोजन किया हुआ।चंडी में शाला में अध्ययनरत बच्चे वा ग्राम के अन्य बालक,बालिकाएं अपने माता पिता अभिभावकों व रिश्तेदारों के साथ चंडी में लगी दुकानों में खरीददारी करने पहुंचे

ग्रामीण अंचल में लगने वाले इस चंडी मेला में ग्रामीण भारी उत्साह के साथ खरीददारी करते हुए सपरिवार पहुंच कर मेला का आनंद उठाते रहे हैं। बच्चों ने मेले में हिंडोले का आनंद उठाया व मिट्टी से बने खिलौने के साथ साथ फुग्गे, चकरी खरीदे वहीं महिलाएं श्रंगार सामग्री की खरीदी कर रही थीं।

ग्रामवासियों का कहना है कि भारतीय संस्कृति में सदभाव के प्रतीक इन चंडी मेलों में बच्चों,लोगों का उत्साह देखते ही बनता है, जहां पर प्राचीन परंपरा के अनुसार बहू बेटियों को मेला का आनंद उठाने के लिए अपने घर ससुराल के लिए परिजन बुलाते हैं और इन्ही मेलों में एक दूसरे की मुलाकात, परंपराओं की बातचीत,ग्रामीण अंचलों के कार्य व्यवहार में आती है लोगों को आपसी संबंधों में मित्रवत व्यवहार में मिठास आती हैं और भाईचारे के साथ चंडी मेला का आनंद उठाने के लिए भारी भीड़ रहती है।

ग्रामीण अंचल में लगने वाले इस चंडी मेला में ग्रामीण भारी उत्साह के साथ खरीददारी करते हुए सपरिवार पहुंच कर मेला का आनंद उठाते रहे हैं। बच्चों ने मेले में हिंडोले का आनंद उठाया व मिट्टी से बने खिलौने के साथ साथ फुग्गे, चकरी खरीदे वहीं महिलाएं श्रंगार सामग्री की खरीदी कर रही थीं।

ग्रामवासियों का कहना है कि भारतीय संस्कृति में सदभाव के प्रतीक इन चंडी मेलों में बच्चों,लोगों का उत्साह देखते ही बनता है, जहां पर प्राचीन परंपरा के अनुसार बहू बेटियों को मेला का आनंद उठाने के लिए अपने घर ससुराल के लिए परिजन बुलाते हैं और इन्ही मेलों में एक दूसरे की मुलाकात, परंपराओं की बातचीत,ग्रामीण अंचलों के कार्य व्यवहार में आती है लोगों को आपसी संबंधों में मित्रवत व्यवहार में मिठास आती हैं और भाईचारे के साथ चंडी मेला का आनंद उठाने के लिए भारी भीड़ रहती है।

सार-समाचार

महिमा विश्वकर्मा ने 66वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी शॉट गन चैम्पियनशिप में डबल ट्रेप इवेंट में एकल रजत पदक किया हासिल

बघराजी/कुंडम, देशबन्धु। महिमा ने एक बार फिर किया महिमा का कार्य कर्मचारी संघ के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्री के के विश्वकर्मा एवम पद्मावती की लाडली बिटिया कुमारी महिमा विश्वकर्मा ने 66 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी शॉट गन चेम्पियनशिप प्रतियोगिता दिल्ली में आयोजित डबल ट्रेप ईवेंट में एकल रजत पदक हासिल किया।जो दिनांक 14/11/2023 से 21/11/2023 तक सम्पन्न हुई।बताया गया कि *महिमा ने लगातार 9 वर्षों से राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में पदक विजेता बन रही है* महिमा को मिली इस उपलब्धि पर समाज के लोगों में एवम संघ के पदाधिकारियों एवम कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।जिससे बघराजी कुण्डम के साथ साथ जिला जबलपुर का नाम भी रोशन किया है। संघ के पदाधिकारी, कर्मचारियों के साथ ही पं. योगेंद्र दुबे, आशुतोष तिवारी, अरुण दुबे, बलराम नामदेव, नरेंद्र चौहान,विनोद साहू, नेतराम झरिया, एनपी निगम, एसएस बागरी, राजीव पाठक, मनोज पाटकर ने बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की है।

सरस्वती शिशु मन्दिर गोसलपुर शिशु नगरी में कार्यक्रम सम्पन्न

गोसलपुर, देशबन्धु। सरस्वती शिशु मन्दिर गोसलपुर में शिशु नगरी कार्यइम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इतवारी बर्मन पूर्व शिक्षक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती गिरिजा पालीवाल गोसलपुर सरपंच एंव समिति के अध्यक्ष जीवन लाल गुप्ता, समिति सदस्य कृष्ण कुमार सैनी की गरिमा में उपस्थिति रही। बर्मन जी द्वारा द्वार शिशु वाटिका के 12 आयामों का विश्लेषण किया गया, शिशु नगरी कार्यक्रम में मातृ शक्तियों ने सभी प्रतियोगिताएं जैसे भजन प्रतियोगिता, मेहंदी, रंगोली, पचगोटा, चीटी धप्प, कुर्सी दौड़ जैसे खेलों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली माताओं को पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही कक्षा षष्ठ से द्वादश तक के मैया बहिनो के द्वारा चटपटे व्यजनों की दुकाने भी लगायी गयी। कार्यक्रम प्रात: 11 से शाम 4 बजे तक तीन चरणों में आयोजित किया गया। सभी आचार्य , दीदी एवं मीडिया प्रभारी सुमित पालीवाल का सहयोग सराहनीय रहा।

युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर किया शोषण, फिर शादी वाले दिन भागा

शहडोल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में लव, सेक्स और धोखे का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाले युवक ने पहले युवती को प्रेमजाल में फंसाया, फिर उसका शारीरिक शोषण किया। इस काम के लिए उसे जेल भी जाना पड़ा। जेल से छूटते ही उनसे युवती को शादी का वादा किया। युवती दुल्हन बनकर मंडप में युवक का इंतजार करती रही, पर युवक फरार हो गया। दूल्हे की हरकत से अपमानित वधू पक्ष मामले की शहडोल पुलिस अधिकारी से शिकायत की है। जानकारी के मुताबिक मामला शहडोल जिले के खैरहा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सारंगपुर का है। बताया गया कि यहां रहने वाली युवती के साथ उसी के गांव के रहने वाला पड़ोसी युवक दुर्गेश कोल ने एक साल पहले शारीरिक शोषण किया था। जिस पर युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था, जिस मामले में युवक जेल की हवा भी खा चुका है। बुढ़ार न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है। इस बीच युवक उस युवती से शादी के लिए तैयार हो गया। आरोपी युवक की भाभी गांव की सरपंच हैं, दोनों परिवारों द्वारा 23 नवंबर को शादी का दिन तय किया गया। जमीन गिरवी रखकर पैसों का इंतजाम किया गया। लेकिन बरात नहीं पहुंची। बाद में पता चला कि दूल्हा घर से भाग गया है।

पुलिस में की गई शिकायत में कहा गया कि युवक के भाई ने बाइक व दो लाख रुपये दहेज में मांगे इसलिए नहीं आया। परिजनों ने आरोप लगाया कि चूंकि आरोपी युवक की भाभी सरपंच है, इसलिए खैरहा थाने में रिपोर्ट तक नहीं लिखी गई। इस घटनाक्रम से उसका परिवार अपमानित महसूस कर रहा है।

पूछताछ में हुआ अंधी हत्या का खुलासा

मां को मारा थप्पड़ तो बेटों ने पीट-पीटकर पिता को उतार दिया मौत के घाट

रीवा, देशबन्धु। नशे की हालत में पिता ने मां को थप्पड़ मारा तो गुस्साए बेटों ने उसे पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने जांच में उक्त घटना का खुलासा करते हुये पत्नी व दोनों बेटों को गिरफ्तार कर लिया है जिनसे अब पूछताछ की जा रही है। ज्ञात हो कि चोरहटा थाने के खड्डा गांव में रामानंद साकेत पिता मटुकधारी साकेत 50 वर्ष की 15 नवम्बर की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घर में ही वह मृत अवस्था में मिला था जिसके सिर में गंभीर चोट थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस ने घटना का पता लगाने जब परिजनों सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की तो उसकी खौफनाक सच्चाई सामने आ गई। दरअसल पीड़ित के साथ उसके दोनों पुत्रों ने मारपीट की थी। 15 नवम्बर को वह सेमरिया गया था और वहां से अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन करके वापस आया था। घर आते ही उसने पत्नी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उसको एक थप्पड़ मार दिया।

मारपीट से हुई थी पीड़ित की मौत

इस बात पर वहां मौजूद बेटा रीतेश साकेत भड़क गया और पिता को पीटने लगा। तभी छोटा पुत्र भी पहुंच गया और दोनों उसकी बेदम पिटाई की। जान बचाने के लिए वह घर से बाहर भागा तो सड़क से फिर उसे घर के अंदर पकड़ लाए

और उसे तब तक पीटा जब तक वह अचेत नहीं हो गया। सिर में गंभीर चोट की वजह से उसकी मौत हो गई। रात भर शव को घर में लिटाए रहे और सुबह फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पत्नी राजवती साकेत सहित दोनों पुत्रों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। उनको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उनको जेल भेज दिया गया।

पुलिस को गुमराह करने का कर रहे थे प्रयास

घटना के बाद आरोपी पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करते रहे। सुबह घटना की सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो आरोपियों ने रात साढ़े ग्यारह बजे वह घर आया था जहां उसके सिर में चोट लगी हुई थी। घर पहुंचने पर उसकी मौत हो गई जिस पर रात भर घर में लिटाए रहे। मारपीट करने वाले आरोपी के संबंध में उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की थी। पुलिस जांच में अधिक समय तक उनका झूठ नहीं टिक पाया।

लाचार पिता मांगता रहा रहम की दुहाई, पीटते रहे पोते

जिस समय दोनों बेटे अपने पिता को घर में पीट रहे थे उसी समय उनके दादा मटुकधारी साकेत 90 वर्ष घर ही थे। वे अपने पोतों से बेटे के लिए रहम की दुहाई मांग रहे थे लेकिन गुस्से में बेटों को अपने पिता पर रहम नहीं आया और दादा के सामने ही पिता को मौत के घाट उतार दिया। सुबह जब पुलिस पहुंची तब भी दादा को सामने नहीं लाया गया।

सीएसपी रीवा शिवाली चतुर्वेदी के अनुसार एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी जिसमें उसके चेहरे पर गंभीर चोट थी। जांच में हत्या के साक्ष्य सामने आने पर परिजनों ने पूछताछ की गई तो बेटों के द्वारा उसकी हत्या करने की जानकारी सामने आई जिसमें पत्नी ने भी सहयोग किया था। हत्या का मामला दर्ज तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच के बाद आगे कार्रवाई की जायेगी।

बिना त्रिपाल ढके चल रहे खनिज भारयुक्त हाइवा

पान की फसल व मकानों में जमीं धूल की परत

गांधीग्राम,देशबन्धु। वर्तमान समय में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के किनारे बसे ग्राम रामपुर, पुरानी एन एच 7 के किनारे बसे गांधीग्राम वा धमकी में खनन करके वृहत स्तर पर गहरी माइंसों से मेगनीज, ब्लूडस्ट, आयरन ओर निकाला जा रहा है साथ ही पहाड़ों को जे सी बी मशीन से धराशाई कर हाईवा, दसचक्का, डंफर मुरम और मिट्टी के परिवहन करने की होड़ मची हुई है। रामपुर से बरनू तिराहा ,पुरानी एन एच 7 सड़क के रास्ते से खनिज,मिट्टी, मुरम भरकर गांधीग्राम के कूड़ा कंजई तिराहे सड़क मार्ग, बरनू, रामपुर से ले जाइ जा रही है।मुरम ढो रहे हाइवा से उड़ रही धुल न केवल वाशिंदों को वायु प्रदूषण का शिकार होना पड़ रहा है ,अपितु पान कृषक भी परेशान है। गांधीग्राम में सड़क किनारे गांधीग्राम तालाब के पास, देवनगर, खपरहिया,बंगरा पान बरेजों पर धूल की परत चढ़ी है जिससे पान बरेजों में लगी पान की फसल धूल से सनी हुई है धूल की परत पान के पत्तो पर जमने से पान की बेलों में अपेक्षाकृत कम पान लगते है साथ ही पान के पत्तों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।वही जहां से भारवाहक हाइवा निकलते है उक्त सड़क मार्ग के किनारे आवासीय क्षेत्र

बस्ती बसी है।दिन भर व रात्रि के समय भारवाहक हाइवा से उड़ती धुल की वजह से वाशिंदे परेशान है।उपरोक्त विषयक जानकारी में ग्राम के आवासीय इलाके के लोगों ने बताया की दिनरात के समय वाहनों की धमाचौकड़ी मची रहती है।ये वाहन धुल का प्रदूषण फैला रहे है। *घरों में धुल की तह जमी-...वाशिंदों का कहना है जब ये वाहन हाइवा मिट्टी लेकर चलते है तो ऊपर त्रिपाल आदि ढाँककर नही चलते।जिससे धूल उड़कर आवासीय माकानो के घर-आँगन व अंदर तक धूल की गर्द की तह बिछ जाती है।दिन के समय तो लोगो का व राहगीरों को सांस लेने में दम घुटता है।

*ग्रामवासियो का कहना है की आवासीय क्षेत्र में धूल के प्रदूषण को रोकने के लिए मिट्टी भारवाहक हाइवा को त्रिपाल आदि से ढककर ढुलाई की जावे एवं प्रशासन से इस दिशा में सकारात्मक कार्यवाही की मांग की गयी है।

करंट की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत

शहडोल, देशबन्धु। एक व्यक्ति खेत में पानी देने के लिए घर से निकला लेकिन वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने जब तलाश की तो उसका शव एक बिजली के खंबे के पास पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। यह घटना देवलोंद थाना क्षेत्र की है। देवलोंद पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रहलाद सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी मऊ थाना ब्यौहारी ने अपने परिवार के भाई सालिकराम के साथ थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मै किसानी का काम करता हूँ। हम लोग मऊ के रहने वाले है मेरे चाचा संतलाल सिंह गोड़ भी मऊ मे रहते है मेरे चाचा संतलाल का खेत भी समधिन नदी के इस पार मऊ मे हैं। 24 नवंबर को खेत में पानी देने के लिये घर से निकले थे जो देर रात तक घर वापस नही आये। तब समधिन नदी के बोकरा पार पता तलाश करने पर बिजली के पोल के नीचे मृत अवस्था मे पड़े मिले। मुझे ऐसा लगता है कि चाचा संतलाल सिंह की मृत्यु बिजली के पोल मे मोटर पंप का तार लगाने के लिये चढ़ते समय बिजली के पोल से पैर फिसलने से नीचे जमीन मे गिरने से मृत्यु हुई होगी। देवलोंद थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर मौके से जाँच की गई।

जाँच पर प्रथम दृष्टया पाया गया कि मृतक बिजली के पोल मे एल.टी.लाईन से पंप चलाने हेतु कटिया तार पोल मे चढ़कर तार लगा रहा था जिस पर उसे करेंट लगा तथा वह पोल से नीचे गिर गया जिससे उसके किडनी तथा फेफड़ो मे चोट आई जिसकी वजह से मौके पर मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि जाँच जारी है।

बाल अधिकार गतिविधि सप्ताह में शामिल हुए बरगी नगर संकुल के दो हजार विद्यार्थी

बरगी नगर, देशबन्धु । संकुल केंद्र बरगी नगर के अंतर्गत पिछले एक सप्ताह पूर्व से स्थानीय सच्चा प्रयास एक अभियान संस्था द्वारा कराई गई विभिन्न बाल अधिकार के मुद्दों को रेखांकित करती हुई सप्ताह भर की गई गतिविधियों का आज समापन कार्यक्रम संकुल केंद्र बरगी नगर विद्यालय में जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी, एडीपीसी श्री संजय मेहरा, पावर हाउस के अधीक्षण यंत्री श्री विवेक बाझल ,संकुल प्राचार्य श्री कृष्ण रायखेड़े, संकुल प्राचार्य एनपी प्यासी, संकुल प्राचार्य एमएल राजपूत, की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया

36 प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

कार्यक्रम में बाल अधिकार पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित की गई निबंध लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण,तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता के सभी प्रथम द्वितीय तथा तृतीय 36 विजेताओं को प्रशस्ति पत्र तथा उपहार बांटे गए। संस्था के डायरेक्टर परवेज खान ने बताया कि संकुल केंद्र बरगी नगर के अंतर्गत सभी 30 विद्यालयों में यह प्रतियोगिता निर्धारित एक से समय पर आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया समापन कार्यक्रम के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरगी नगर की छात्राओं द्वारा बाल अधिकारों को रेखांकित करती हुई कलात्मक रंगोली भी डाली गई बच्चों द्वारा बनाए गए सभी चित्रों को संकुल केंद्र के हाल में प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शित किया जहां सभी संकुल के विद्यार्थियों तथा अतिथि गणों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया समापन कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य श्री कृष्ण रायखेडे द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि गणों का शाल श्रीफल तथा गमला देकर विशेष सम्मान किया गया संपूर्ण कार्यक्रम में सभी प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक गणों का विशेष सहयोग रहा इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष अनिल रैकवार रोशनी सैनी तथा सत्येंद्र झरिया सहित समस्त शाला परिवार उपस्थित रहा।

हिन्दू जीवन मूल्यों से ही विश्व में शांति में स्थापित होगी: थाई प्रधानमंत्री

बैंकॉक। थाईलैंड के प्रधानमंत्री शेत्ता थाविसिन ने आशा व्यक्त की है कि उथल-पुथल से जूझ रही दुनिया सत्य, सहिष्णुता और सौहार्द्र के हिंदू जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेगी और विश्व में शांति स्थापित हो सकेगी। विश्व में हिन्दुओं की एक प्रगतिशील और प्रतिभासंपन्न समाज के रूप में पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से तीसरे वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस का आज यहां भव्य शुभारंभ हुआ। 'धर्म की विजय' के उद्घोष के साथ प्रख्यात संत माता अमृतानंदमयी, भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी पूर्णात्मानंद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, विश्व हिन्दू परिषद के महामंत्री मिलिंद परांडे तथा कार्यक्रम के संस्थापक-सूत्रधार स्वामी विज्ञानानंद ने दीप प्रज्वलन से सत्रारंभ हुआ।

हमास ने 25 बंधकों को किया रिहा, थाइलैंड और इजरायल के नागरिक शामिल

गाजा पट्टी। इजरायल के साथ हुए समझौते के तहत हमास ने 25 बंधकों को रिहा कर दिया है। इन बंधकों में 12 थाइलैंड और 13 इजरायली नागरिक शामिल हैं। हमास आतंकियों ने सात अक्टूबर को इजरायल पर अचानक किए गए हमले के दौरान कई लोगों को बंधक बना लिया था। वे इन्हें गाजा में ले गए थे और बाद में रिहा करने के लिए शर्त रख दी थी। थाइलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि गाजा से 12 थाइलैंड के बंधकों को रिहा कर दिया गया है और दूतावास के अधिकारी उन्हें लेने के लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, रिहा किए गए बंधकों के नाम और अन्य विवरण जल्द ही पता चल जाएंगे। इजरायली न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, हमास द्वारा 13 इजरायली बंधकों को भी रिहा कर दिया गया है और हमास ने उन्हें रेड क्रॉस को सौंप दिया है। रिहा किए गए बंधक राफा क्रॉसिंग की ओर जा रहे हैं। इससे पहले ,इजरायल और हमास के बीच समझौते के तहत चार दिवसीय युद्ध विराम शुक्रवार को सुबह प्रभावी हो गया। युद्ध विराम के कुछ घंटे बाद संघर्ष की कोई खबर नहीं है। इस कूटनीतिक सफलता से गाजा में 23 लाख लोगों के लिए कुछ राहत दिखाई दे रही है, जिन्होंने हफ्तों तक इजरायली बमबारी को सहा है। यह इजराइल में उन परिवारों के लिए भी राहत भरी खबर है जो सात अक्टूबर के हमास के हमले के दौरान बंदी बनाए गए अपने प्रियजनों को लेकर चिंतित हैं।

हालांकि, इजरायल ने कहा है कि संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद वह बड़े पैमाने पर हमले फिर से शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इजराइल ने कहा कि संघर्ष विराम के प्रभाव में आने के कुछ ही देर बाद ईंधन के चार टैंकरों और रसोई गैस सिलेंडर के चार टैंकरों ने मिस्र से गाजा पट्टी में प्रवेश किया। इजराइल ने संघर्ष विराम के दौरान प्रति दिन 1,30,000 लीटर ईंधन की आपूर्ति की सहमति जताई है। हालांकि गाजा की 10 लाख लीटर से अधिक की दैनिक जरूरत की तुलना में यह छोटा हिस्सा है। इजराइल ने पिछले सात सप्ताह में युद्ध के दौरान गाजा में ईंधन की आपूर्ति रोक रखी थी। उसका दावा था कि हमास सैन्य मकसद से इसका इस्तेमाल कर सकता है। सात अक्टूबर को हमास आतंकियों ने इजरायल पर हमला बोला था। उस समय 1400 से ज्यादा इजरायली नागरिकों की हत्या कर दी गई थी, जबकि कइयों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल ने इसे युद्ध करार देते हुए पलटवार किया और गाजा पट्टी में लगातार मिसाइलें दागीं। बड़ी संख्या में हमास के आतंकियों को मौत के घाट उतारा जा चुका है। हालांकि, इजरायली हमलों का शिकार आम लोग भी हुए हैं। गाजा में मरने वालों की कुल संख्या 15 हजार से भी अधिक पहुंच चुकी है।

हमास और इजरायल के बीच जारी जंग में ईरान ने बढ़-चढ़कर हमास का साथ दिया। ईरान ने इस्लामिक देशों को इजरायल के खिलाफ करने बात भी कही थी। इसके अलावा ईरान दुनिया के सामने इजरायल का हुक्का-पानी बंद करने की भी वकालत कर चुका है। मगर सवाल है कि आखिर ईरान इजरायल से इतना चिढ़ता क्यों है? इसके पीछे की वजह है विचारधारा और दोनों देशों के धार्मिक मत। ईरान हमेशा से हमास-इजरायल युद्ध में हमास का साथ देने के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा को लेकर को लेकर अपनी बात रख चुका है। ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) इस्लाम की रक्षा के लिए यहूदियों के सफाए की भी बात करती है। जिसकी वजह आईआरजीसी इजरायल पर हमेशा निशाने साधती रही है।

इजरायल से क्यों है इतनी चिढ़?- ब्रिटिश अखबार द सन में छपी एक रिपोर्ट की मानें तो ईरान की सेना आईआरजीसी ऐसे लड़ाकों से भरी है, जिनके में दिमाग में पश्चिम, ईसाइयों और यहूदियों के लिए गहरी और हिंसक नफरत है। आईआरजीसी की विचारधारा में गहरा यहूदी विरोध है, यही वजह है कि ईरान ने हमास के रूप में अपना हित देखा और इजरायल के खिलाफ खड़े रहे।

आईआरजीसी की तरफ से रंगरूटों की भर्ती के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ट्रेनिंग के रूल हैं, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इजरायल को खत्म किया जाना चाहिए। आईआरजीसी अपने रंगरूटों को ईसाइयों, पारसी और यहूदियों के खिलाफ सशस्त्र जिहाद छेड़ने के लिए सिखा रहा है। इसके अलावा उन्हें इस बात की भी ट्रेनिंग दी जाती है या तो ऐसे लोग इस्लाम में परिवर्तित होना चाहिए नहीं तो उन्हें मार डाला जाना चाहिए।

ईरान मिटाना चाहता है इजरायल का नामो निशान

आईआरजीसी 7 अक्टूबर के हमलों को इजरायल के साथ लंबे टकराव की शुरुआत के रूप में देखता है, इसका सिद्धांत इजरायल को समय के साथ धीरे-धीरे खत्म करने का है। ईरान चाहता है कि इजरायल का नामो निशान दुनिया के नक्शे से हमेशा के लिए मिट जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि इस राइवलरी से मध्य पूर्व के देश ऐसे तनाव और टकराव की ओर बढ़ रहे हैं, जिसे पहले कभी देखने को नहीं मिला। पश्चिम द्वारा ईरान पर लगाए गए प्रभावी प्रतिबंध के बदले इसे ईरान का बदला समझा जा सकता है।

आज का इतिहास

1859 -चार्ल्स डिकन्स की 'ए टेल ऑफ टू सिटीज' का अंतिम साप्ताहिक अंक साहित्यिक पत्रिका 'ऑल द इयर राउंड' में प्रकाशित हुआ।
1865 -लुइस कैरोल की पुस्तक 'एलिस इन वंडरलैंड' अमेरिका में प्रकाशित।
1885-पहली बार उल्कापिंड की तस्वीर ली गयी।
1919 -भारत के प्रसिद्ध इतिहासकार और शिक्षाविद् राम शरण शर्मा का जन्म।
1921-आज प्रसिद्ध उद्योगपति और श्वेत क्रांति के जनक वर्गीज कुरियन का जन्म हुआ था।
1932-महान क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दस हजार रन बनाये।
1948-नेशनल कैडेट कोर की स्थापना हुई।1949-संविधान सभा ने संविधान के मसौदे पर हस्ताक्षर किए।
1967 -लिस्बन में बादल फटने से करीब 450 लोगों की मौत।
1984-इराक एवं अमेरिका ने कूटनीतिक संबंधों को पुन-स्थापित किया।
1992 -विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत।
1996-मंगल ग्रह पर जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्ष यान 'मार्स ग्लोबल सर्वेयर' को अंतरिक्ष में भेजा था।
1998 -तुर्की के प्रधानमंत्री मेसुत यिल्माज ने संसद में अपनी सरकार के विश्वासमत हासिल नहीं कर पाने के बाद इस्तीफ़ा दिया।

सुडोकू 6387

	8				1	4		
		9		2	8	1		
				4			9	
	3							7
4			3		5			9
6							4	
	9			8				
		5	7	3		6		
		6	1				8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

20 नागरिक अभी भी हमास के कब्जे में : थाईलैंड

तेल अवीव, (आईएएनएस)। थाईलैंड ने शनिवार को कहा कि उसके 20 नागरिक अभी भी हमास के कब्जे में हैं। शुक्रवार को, हमास ने 13 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया, जिनमें 10 थाईलैंड के नागरिक और एक फिलीपीन नागरिक शामिल थे, जबकि इजरायल ने कतर की मध्यस्थता में हमास और इजरायल के बीच हुए समझौते के तहत 39 फिलिस्तीनियों को रिहा किया। थाईलैंड ने कहा कि वह हमास के कब्जे वाले अपने सभी नागरिकों की रिहाई के लिए काम करेगा। कथित तौर पर, ईरान ने 10 थाईलैंड नागरिकों और एक फिलीपीन नागरिक की रिहाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेल अवीव में थाईलैंड दूतावास के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि वे अपने नागरिकों की रिहाई के लिए हर संभव गुप्त माध्यम का इस्तेमाल करेंगे। शुक्रवार से शुरू हुए चार दिवसीय युद्धविराम सहित समझौते के हिस्से के रूप में, राफा क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा में भोजन, ईंधन और दवाओं सहित सहायता सामग्री वाले ट्रकों की आवाजाही की अनुमति दी जाएगी। इजरायल ने आरोप लगाया है कि उसने शनिवार सुबह वेस्ट बैंक क्षेत्र से कथित तौर पर हिजबुल्लाह द्वारा दागी गई मिसाइलों को मार गिराया है।

कराची के शॉपिंग मॉल में आग लगने से 11 की मौत

इस्लामाबाद, (आईएएनएस)। पाकिस्तान के कराची में शनिवार को एक शॉपिंग मॉल में आग लगने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया से ये जानकारी मिली है। हालांकि, समा टीवी ने कराची के मेयर मुर्तजा वहाब के हवाले से कहा कि अग्निशमन विभाग ने कहा है कि आरजे शॉपिंग मॉल में आग लगने से नौ लोगों की ही मौत हुई है। जिला पूर्वी उपायुक्त (डीसी) अल्ताफ शेख ने कहा, लगभग 30 लोगों को निकाला गया है और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। फायर एंड रेस्क्यू प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उन्हें घटना की जानकारी सुबह 6:30 बजे मिली, जिसके बाद आठ फायर टेंडर, दो स्नोर्कल और दो बाउजर को मौके पर भेजा गया आग बुझा दी गई है और कूलिंग का काम चल रहा है। डॉन ने अल्ताफ शेख के हवाले से कहा, आग लगने का सही कारण बचाव अभियान खत्म होने के बाद भी पता चलेगा।

ऑस्ट्रेलिया में कथित हमले के बाद भारतीय छात्र कोमा में

मेलबर्न, (आईएएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया विश्वविद्यालय में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहा एक भारतीय छात्र इस महीने की शुरुआत में कथित हमले के बाद कोमा में चला गया है। सिडनी स्थित ब्रॉडकास्टर एसबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, तस्मानिया में 5 नवंबर को सुबह लगभग 4:20 बजे हुए हमले के तुरंत बाद 20 वर्षीय छात्र को रॉयल होबार्ट अस्पताल ले जाया गया। कथित तौर पर उसका दाहिना फेफड़ा खराब हो गया है और उसे ब्रेन सर्जरी करानी पड़ी, यह प्रक्रिया कई घंटों तक चली।

राजशाही बहाल करो, नेपाल में हिंदू नेता ने छेड़ा आंदोलन, सड़कों पर उतरे हजारों लोग

काठमांडू। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में इस समय भीषण बवाल मचा हुआ है। जहां दुनिया के ज्यादातर देश लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर जोर दे रहे हैं तो वहीं नेपाल में इसके ठीक उलट, राजशाही की मांग हो रही है। राजधानी काठमांडू में गुरुवार को पुलिस और प्रदर्शनकारी समूहों के बीच जमकर झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। ज्ञात हो कि 28 मई, 2008 को नवनिर्वाचित लोकसभा ने 240 वर्ष पुरानी राजशाही को समाप्त करते हुए नेपाल को एक संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया था। इस ऐतिहासिक पल के 15 साल बाद अब फिर से नेपाल में राजशाही की मांग हो रही है। नेपाल के गृह मंत्रालय ने बताया है कि सेना को स्टैंडबाय पर रखा गया था, लेकिन उसे इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है।

कौन हैं दुर्गा प्रसाई?

राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व दुर्गा प्रसाई कर रहे हैं। दुर्गा प्रसाई एक उद्यमी और पूर्व माओवादी कार्यकर्ता हैं। वे केपी ओली के नेतृत्व वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) की केंद्रीय समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। अब वे खुद कम्युनिस्ट शासन के खिलाफ मुखर हैं। सीपीएन-यूएमएल की युवा शाखा (युबासंघ) के सदस्यों और दुर्गा प्रसाई के समर्थकों के बीच गुरुवार को काठमांडू के बल्खू में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर झड़प हुई।

मोटरसाइकिल रैली के दौरान बल्खू पहुंचने के बाद प्रसाई के समर्थकों ने यूएमएल कैडरों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहनों और सड़क के किनारे पार्क किए गए वाहनों को भी प्रसाई समर्थकों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। अपने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म-संस्कृति और नागरिक बचाव अभियान के तहत लोगों को संगठित कर रहे प्रसाई ने शासन को उखाड़ फेंकने और राजशाही और हिंदू साम्राज्य को बहाल करने की चेतावनी दी है। यूएमएल और प्रसाई अलग-अलग काठमांडू-केंद्रित प्रदर्शन कर रहे हैं।

लोगों के सामने आत्मसमर्पण करें प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल

युबासंघ ने तिनकुने में एक अलग रैली की, जहां इसके लिए जगह आवंटित की गई थी। संगठन के पूर्व प्रमुख और ओली के करीबी विश्वासपात्र महेश बस्नेत ने चेतावनी दी कि वे प्रसाई जैसे लोगों को अराजक स्थिति पैदा नहीं करने देंगे। बाद में दिन में, प्रसाई ने कहा कि यह आंदोलन मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ लोगों का सामूहिक विद्रोह है। उन्होंने प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल से यह भी कहा कि लोगों के सामने आत्मसमर्पण करें और देश को किस तरह की राजनीतिक व्यवस्था अपनानी चाहिए, इस बारे में उनकी इच्छा का पालन करें। प्रसाई इस आंदोलन को %देश बचाओ% आंदोलन कह रहे हैं। उन्होंने विपक्षी नेता केपी ओली की भी आलोचना की है।

वर्ल्डकप में भारत हारा तो क्यों खुश हो गए बांग्लादेशी, 2024 का यह चुनाव है बड़ी वजह?

आईसीसी वर्ल्डकप के फाइनल में हारने के बाद भारत के लोग काफी दुखी हो गए। वहीं पाकिस्तान में भारत की हार का जश्न मनाया गया। इसी बीच कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार के बाद बांग्लादेश में भी जश्न मनाया गया। अब सवाल उठता है कि 1971 के युद्ध में करारी हार झेलने वाला पाकिस्तान जश्न मनाए तो ठीक है लेकिन उसे भारत की ही वजह से आजादी की हवा में सांस लेने वाले बांग्लादेश के युवा क्यों जश्न मना रहे थे? क्या बांग्लादेश में भारती विरोधी भावनाएं भड़क रही हैं?

बांग्लादेशी लेखिका और ऐक्टिविस्ट तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, बांग्लादेश के युवा भारत की हार पर खुश क्यों थे। भारत ने ही उन्हें आजादी दिलवाई और ज्यादातर चीजों के लिए वे आज भी भारत पर ही निर्भर हैं। हेल्थकेयर से लेकर क्लोदिंग, बीफ और प्याज तक वे भारत से लेते हैं। नसरीन ने कहा, बांग्लादेश की सरकार उन्हें मुसलमान के तौर पर प्रोत्साहित करती है और इसीलिए वे अपने आप हिंदू विरोधी होते जाते हैं। मुस्लिम बहुल कट्टरपंथियों की बढ़ती संख्या भी इसका एक वजह है। दूसरी तरफ भारत में जल्द ही आम चुनाव होने वाले हैं जिससे लोग बंटने लगे हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि कुछ लोगों में भारत का बिग ब्रदर बनने का ऐट्टिट्यूड है। वहीं बांग्लादेश में पहले से ही कुछ भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक रहे हैं। ढाका विश्वविद्यालय में एक बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी जिसपर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच का फाइनल मैच देखा जा रहा था।

वर्ग पहेली 6387

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	■
	■		■	१८		१९	■		■
२०					■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

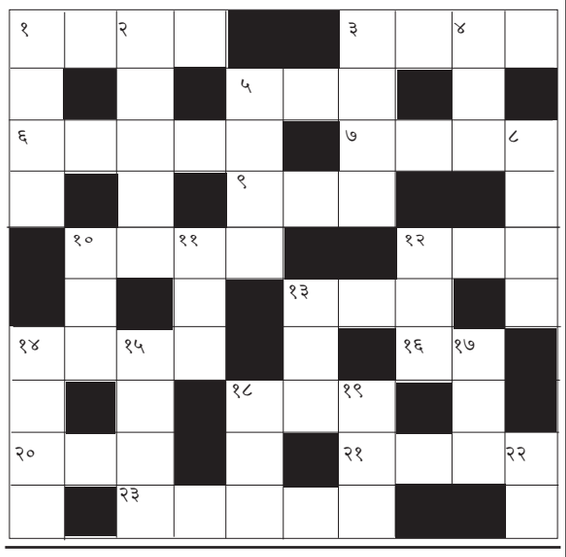

१. एकमणि जो चंद्रमा के किरणों से पसीज जाता है, कुमुद, चंद्रकांत
३. अंधेरा
५. निंदित,नीच
६. निर्दयी, पाषाण हृदय (उर्दू)
७. उत्तराधिकार से प्राप्त धनपर लगने वाला कर
९. निधन, मृत्यु
१०. लिहाज़ा, इसलिए
१२. उदासीन, तटस्थ, मुखरहित
१३. वैसा होने पर भी, तो भी
१४. सुरक्षित, सकुशल (उर्दू)
१६. फायदा, लाभ (उर्दू)
१८. फूल, पुष्प
२०. नगाड़ा (उर्दू)
२१. बातचीत
२३. आलोकित होना, प्रकाशवान होना

ऊपर से नीचे:-

१. सौ पैरों वाला, कनखजूरा
२. दीप्तिहीन, आभाहीन
३. परिवर्तित, अंतरण किया हुआ
४. करने वाला
५. वह देवता जिसकी पूजा कुल विशेष में पीढ़ियों से होती आ रही हो
८. मुर्गा
१०. आगे का, आने वाला
११. अकेला
१२. जंगल, वन
१३. उसके समान
१४. विनयपूर्वक, विनम्र
१५. ब्राह्मणों के लिए एक सम्मानसूचक संबोधन
१७. दूरी, अंतर (उर्दू)
१८. जहा जाना आसान हो, आसान
१९. झुकाना
२२. किंतु, में, लेकिन

वर्ग पहेली-6386

१ प	रा	२ का	ष्टा	■	■	३ बे	ल	४ गा	म
रि	■	न	■	५ अ	द्दा	ई	■	यि	■
६ प	ता	का	■	वि	■	७ मा	र	का	८ ट
क्व	■	क	■	९ भ	वा	नी	■	■	र
■	१० उ	च्चा	११ यु	क्त	■	■	१२ अ	टू	ट
■	जा	■	द्ध	■	१३ अ	चं	भा	■	रा
१४ ना	ला	१५ य	क	■	पि	■	१६ व	१७ र	ना
स	■	ज	■	१८ आ	तु	१९ र	■	सा	■
२० म	हि	मा	■	लं	■	२१ ज	हा	ल	२२ त
झ	■	२३ न	क	ब	ज	नी	■	■	म

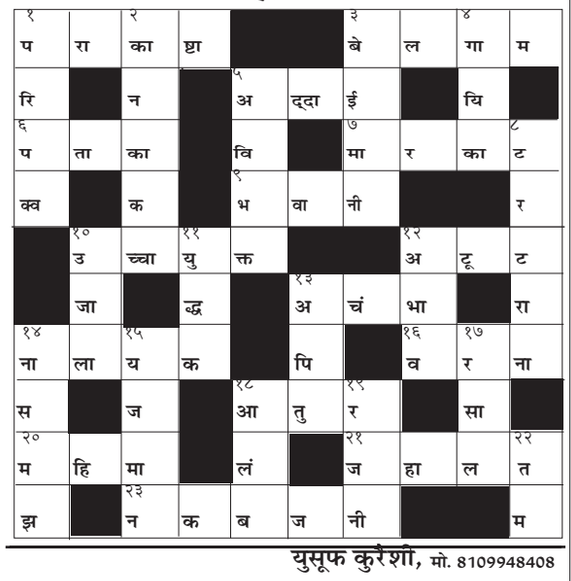

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

संबोधित

तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई

सोशल मीडिया के दौर में अपडेटेड उपकरणों और उन्नत तकनीक की आवश्यकता: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के दौर में नागरिकों तक सर्विसेज पहुंचाने के लिए अपडेटेड उपकरणों और उन्नत तकनीक के उपयोग की आवश्यकता है। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह बात कही।

सोशल मीडिया के दौर में जब लोग अपनी शिकायतें तुरंत पोस्ट कर सकते हैं, लोगों तक सेवाओं की आपूर्ति के लिए अपडेटेड शासन संबंधी उपकरणों और उन्नत तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है:-द्रौपदी मुर्मू , राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में जब लोग अपनी शिकायतें तुरंत पोस्ट कर सकते हैं, लोगों तक सेवाओं की आपूर्ति के लिए अपडेटेड शासन संबंधी उपकरणों और उन्नत तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आम लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं पर तत्काल प्रतिक्रिया देना सिविल सेवकों का कर्तव्य है। राष्ट्रपति के मुताबिक युवा अधिकारियों को ऐसे नवोन्वेषी कदम उठाने चाहिए जो लघु एवं दीर्घावधि में नागरिकों और देश के लिए लाभदायक हों।

शुक्रवार को गुरुग्राम स्थित हिपा में 98वें विशेष फाउंडेशन कोर्स में भाग ले रहे प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने उनसे यह बातें कहीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे सिविल सेवकों ने देश के बहुमुखी विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। वे देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। आज देश जिस परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वह हमारे सिविल सेवकों के दृढ़ संकल्प के बिना संभव नहीं हो सकता था। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के समावेशी विकास के लक्ष्य को हासिल करना सिविल सेवकों का कर्तव्य है। भारत के नागरिक देश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने उनसे विभिन्न कार्यक्रमों के उद्देश्यों को हासिल करने हेतु जनभागीदारी को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि काल और परिस्थिति के अनुसार सुशासन के मायने बदल जाते हैं। नवीनतम तकनीकों के आगमन के साथ, नागरिकों को त्वरित एवं कुशल सेवा आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देने हेतु इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस, स्मार्ट गवर्नेंस, प्रभावी गवर्नेंस तथा अन्य शब्दावली उभरे हैं।

खेल जगत

सात्विक-चिराग चाइना मास्टर्स के फाइनल में

शेनझेन। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीन मास्टर्स 2023 के सेमीफाइनल में घरेलू पसंदीदा हे जी टिंग/रेन जियांग यू को शनिवार को 21-16, 22-20 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वे इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना चौथा फाइनल खेलेंगे, इससे पहले उन्होंने इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन 2023, इंडोनेशिया ओपन 2023 और कोरिया ओपन 2023 में तीनों में जीत हासिल की थी। रविवार को फाइनल में सात्विक-चिराग का सामना चीन के चेन बो यांग/लियू यी और लियांग वेई केंग/वांग चांग के बीच विजेता से होगा।

भारत की निगाहें अब ऑस्ट्रेलिया हकराकर टी-20 सीरीज में निर्णायक बढ़त लेने पर

- भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तिरुवनंतपुरम में रोमांचक मुकाबले की उम्मीद
- भारत को अपने गेंदबाजी संयोजन की बाबत गंभीरता से सोचना होगा
- ऑस्ट्रेलिया जम्पा, हेड और मैक्सवेल को एकादश में शामिल कर सकता है

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली। नए कप्तान सूर्य कुमार यादव की 80 रन की आतिशी पारी और फिनिशर रिंकू सिंह की मात्र अविजित 22 रन की पारी की बदौलत भारत विशाखापट्टम में पांच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज के पहले सांस रोक देने वाले बेहद रोमांचक मैच में बृहस्पतिवार को विशाखापट्टनम में ऑस्ट्रेलिया पर एक गेंद के बाकी रहते दो विकेट से जीत के बाद अब उससे तिरुवनंतपुरम में रविवार को दूसरा मैच भी जीत सीरीज में 2-0 की बढ़त लेने पर निगाहें लगाए है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से पिछले पांच में लगातार तीन मैच जीते हैं और वह तिरुवनंतपुरम में भी जीत का सिलसिला जारी रखने की पुरजोर कोशिश करेगा। तिरुवनंतपुरम में बारिश की भी हल्की आशंका है इस मैदान पर बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम दो बार जीती है। ऐसे में भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव टॉस जीतते हैं तो वह एक बार फिर पहले बल्लेबाजी बल्लेबाजी करने का ही फैसला करेंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश के पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय शतक के बावजूद भारत के हाथों हार से आगाज करने वाली ऑस्ट्रेलिया अब तिरुवनंतपुरम में ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम दूसरा मैच जीत सीरीज में एक-एक की बराबरी पाने की पुरजोर कोशिशि करेगी और ऐसे में दोनों टीमों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।भारत ने इस मैदान पर अब तक खेले तीन में से दो मैच जीते हैं। भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव और इशान किशन ने पहले टी-20 में तेज गेंदबाज मुकेश कुमार सहित अपने गेंदबाजों की खासतौर पर आखिर के ओवर में बेहतर गेंदबाजी की तारीफ की है। बावजूद भारत को मेहमान ऑस्ट्रेलिया से दूसरा मैच भी जीतना है तो खासतौर पर पहले मैच में खासे महंगे रहे अपने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, बाएं हाथ के अर्शदीप सिंह तथा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की धुनाई के बाद अपने गेंदबाजी संयोजन की बाबत गंभीरता से सोचना होगा। भारत की अपेक्षाकृत कम अनुभवी खिलाडियों से सज्जित टीम के लिए रिंकू सिंह ने फिनिशर का रोल जिस खूबी से पहले मैच में निभाया उनसे उन्होंने बल्लेबाज क्रम में छठे नंबर अपना स्थान और मजबूत किया है। आस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और स्यां एबट जैसे तेज गेंदबाजों के साथ पहले मैच में दो विकेट चटकाने वाले लेग स्पिनर तनवीर सांगा की भारत के लिए तूफानी अर्द्धशतक जडने वाले कप्तान सूर्य और इशान किशन जिस तरह जमकर धुनाई की उससे ऑस्ट्रेलिया भी दूसरे मैच में अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव की बाबत गंभीरता से सोच सकता है। भारतीय मूल के लेग स्पिनर तनवीर सांगा को गेंदों की जिस निर्ममता से खासतौर पर बाएं हाथ के भारत के बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लबाज इशान किशन ने जमकर धुनाई की उससे ऑस्ट्रेलिया शनिवार को उनकी जगह अनुभवी लेग स्पिनर एडम जम्पा, टिम डेविड और एरॉन हार्डी की जगह बीते रविवार को अपनी आईसीसी वन डे विश्व कप फाइनल में भारत पर छह विकेट से जीत की जीत के हीरो ट्रेविज हेड और ग्लेन मैक्सवेल को एकादश में शामिल कर सकता है। यदि हेड खेलते हैं तो बहुत मुमकिन है पहले मैच में अर्द्धशतक जडने वाले स्टीव स्मिथ की जगह ऑस्ट्रेलिया की पारी का आगाज कप्तान मैथ्यू वेड करेंगे। ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजों ने भारत के कप्तान सूर्य कुमार यादव के खिलाफ विशाखापट्टनम में धीमे बाउंसर कर उन्हें बड़ा स्ट्रोक खेलने की वही रणनीति अपनाई जो कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने अहमदाबाद में आईसीसी वन डे विश्व कप के फाइनल में आउट करने की रणनीति अपनाई लेकिन यह कारगर नहीं रही।

वर्ल्ड कप फाइनल की हार से उबरने में समय लगेगा : सूर्यकुमार

तिरुवनंतपुरम। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज के लिए भारत के कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने स्वीकार किया कि खिलाड़ियों को 2023 पुरुष वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली छह विकेट की हार से उबरने में समय लगेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाली प्रेरणा की सराहना की।

भारत टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदार था और उसने जोशीले घरेलू दर्शकों के सामने और परिचित परिस्थितियों में खेलते हुए प्रतियोगिता में लगातार दस मैच जीते। लेकिन रविवार को अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से छह विकेट से हार के बाद उनका अजेय क्रम समाप्त हो गया।

सूर्यकुमार ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं, विश्व कप खत्म हुए 4-5 दिन हो गए हैं। हर कोई निराश है, जिसमें हम भी शामिल हैं। लेकिन भारत और विदेशों में हमारे प्रशंसकों से हमें जो समर्थन मिला, वह अद्भुत था। अंत में, यह एक खेल है और यह हमें बहुत कुछ सिखाता है, जैसे कि जीवन में कैसे आगे बढ़ना है। फाइनल में भारत की हार के बाद, पीएम मोदी ने ड्रेसिंग रूम का दौरा किया और सभी खिलाड़ियों के साथ-साथ सहयोगी स्टाफ सदस्यों से भी मुलाकात की। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि कृपया अपना समर्थन हमेशा बनाए रखें जो आपने हमें दिया है। जैसा कि आप सभी ने देखा, फाइनल खत्म होने के बाद हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी ड्रेसिंग रूम में हमसे मिले और हमारा हौसला बढ़ाया। सूर्यकुमार ने कहा, उन्होंने कहा, यह एक खेल है, और ऐसा होता रहता है - उतार-चढ़ाव। आपको इन सभी चीजों को अपने साथ लेना होगा। हां, इससे उबरने और इससे बाहर आने में समय लगेगा। लेकिन उनकी प्रेरक बातें और हम सभी से पांच-छह मिनट के लिए मिलना बहुत बड़ी बात थी; देश के एक नेता का ड्रेसिंग रूम में आना और टीम को प्रेरित करना हम सभी के लिए बहुत बड़ी बात थी। 4-30 जून तक वेस्ट इंडीज और यूएसए में खेले जाने वाले 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के साथ, सूर्यकुमार ने वादा किया कि भारतीय टीम ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेगी।

हमने पीएम मोदी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्होंने हमारे साथ समय भी बिताया। लेकिन हम भविष्य के टूर्नामेंटों में बहुत अच्छा खेलने की कोशिश करेंगे। हमारे पास अगले साल फिर से एक आईसीसी टूर्नामेंट है और हम इस विश्व कप में दिखाई गई तीव्रता के साथ भविष्य के आयोजनों में खेलेंगे और उम्मीद है कि हम इसे जीतेंगे।

टीमों को हमेशा उस पद्धति पर कायम रहना चाहिए जो वे कर रहे हैं : वसीम अकरम

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और बाएं हाथ के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम का मानना है कि भारत को 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल के लिए शुरुआती गेंदबाजी टेम्पलेट को बदलने के बजाय जो उनके लिए काम कर रहा था, उस

पर कायम रहना चाहिए था जहां वे हार गए।

19 नवंबर को फाइनल में, भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 241 रनों के बचाव में मोहम्मद सिराज के बजाय मोहम्मद शमी को नई गेंद देने का फैसला किया। इसने अच्छा काम किया क्योंकि शमी और जसप्रीत बुमराह ने सामूहिक रूप से तीन विकेट लिए, इससे पहले ट्रेविस हेड ने शानदार 137 रन बनाए और मार्नस लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

यदि आप मुझसे पूछें, तो मैंने पाया कि सिराज पूरे विश्व कप में वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है, हालांकि उसके विकेटों का कॉलम ऐसा नहीं बता सकता है, लेकिन एशिया कप में उसने जो ब्रेक थ्रू दिया और उसके हालिया प्रदर्शन ने उसे भारतीय क्रिकेट के भविष्य के रूप में स्थापित किया है। इस मैच में वे सीधे शमी को लेकर आए और उन्होंने वार्नर को तुरंत आउट करके खेल पर प्रभाव डाला, हालांकि ऐसा लग रहा था जैसे वार्नर ने वाइड गेंद पर स्लैश मारकर खुद को आउट कर लिया हो।

अकरम ने स्टार स्पोर्ट्स के शो द फाइनल टेक पर कहा, एक अन्य कारक यह है कि पहले 15 ओवरों के भीतर तीन विकेट खोने के बाद समय निर्धारित किया गया, जिससे बल्लेबाजी करना आसान हो गया क्योंकि गेंद उसके बाद ज्यादा कुछ नहीं कर रही थी। मैं ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी का श्रेय नहीं ले रहा हूं, लेकिन इसका गेंदबाजों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। मेरा मानना है कि फाइनल जैसे बड़े मैचों में, टीमों को हमेशा उस पर कायम रहना चाहिए जो वे कर रहे हैं और जो उनके लिए काम कर रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या रोहित को फाइनल के लिए अपना गेम-प्लान बदलना चाहिए था,अकरम ने महसूस किया कि भारतीय कप्तान को अपनी निर्धारित योजनाओं से दूर जाने की कोई जरूरत नहीं थी।वह पूरे विश्व कप में इसी तरह खेला है, यही उसका खेल है। पूरे विश्व कप में किसी ने भी उनके द्वारा दी गई शुरुआत या 40 के आसपास लगातार आउट होने की शिकायत नहीं की, और अब जब उन्होंने फाइनल में भी ऐसा ही किया है तो लोग शिकायत करने का कारण ढूंढ रहे हैं।

और वह दुनिया में स्पिन के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है, हालांकि वह उस मैच में मैक्सवेल के हाथों आउट हो गया था, और इसका श्रेय मैक्सवेल और कमिंस को जाता है, लेकिन यह रोहित के खेल की प्रकृति है और मुझे नहीं लगता कि उसे इसे बदलना चाहिए। अकरम को यह भी लगता है कि अगर भारत ने बीच के ओवरों में बल्ले से तेजी से रन बनाए होते तो चीजें अलग होतीं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी स्पॉट-ऑन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण प्रदर्शन के माध्यम से भारत को कड़ी पकड़ में रखा, मेजबान टीम 11-40 ओवरों में केवल चार चौके ही लगा सकी।

हार्दिक पांड्या को शायद लगता है कि उनका समय पूरा हो गया है और अब वापस मुंबई इंडियंस लौट जाएं : एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2024 रिटेंशन से पहले गुजरात टाइटन्स से मुंबई इंडियंस में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि ऑलराउंडर को लगा होगा कि नव-निर्मित फ्रेंचाइजी में उनका समय खत्म हो गया है।

डिविलियर्स ने भविष्य में हार्दिक के मुंबई की कप्तानी करने की भी भविष्यवाणी की है, जिसमें रोहित शर्मा भारत के सभी प्रारूपों के कप्तान होने की जिम्मेदारी निभाएंगे। पिछले कुछ दिनों से, हार्दिक के मुंबई वापस जाने की अटकलें तेज हो गई हैं, जहां से उन्होंने 2015 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। एक अनकैप्ड खिलाड़ी से, हार्दिक एक तेज़ गेंदबाज़ी ऑलराउंडर के रूप में मुंबई टीम के महत्वपूर्ण सदस्य बन गए, सभी प्रारूपों में इंडिया कैप अर्जित की और 2015, 2017, 2019 और 2020 में उनके आईपीएल खिताब जीतने वाले सीज़न के सदस्य थे। आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले मुंबई ने उन्हें रिलीज़ कर दिया और वह गुजरात फ्रेंचाइजी के कप्तान बन गए, जिससे उन्हें 2022 में अपने पहले सीज़न में खिताब मिला, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बने और 2023 में उन्हें उपविजेता बनाया। .मुझे नहीं पता कि इससे उन्हें थोड़ा सिरदर्द होगा कि कप्तान कौन बनेगा। मेरा मतलब है, रोहित कप्तान हैं और उन्हें आगे बढ़कर नेतृत्व करना पसंद है। यह रोमांचक है क्योंकि वह (हार्दिक) कई वर्षों तक मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ा खिलाड़ी था। उन्हें वानखेड़े स्टेडियम में खेलना पसंद था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के साथ ट्रॉफी जीती और फिर (2023 सीज़न के) फाइनल में भी पहुंचे। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें शायद लगता है कि उनका समय पूरा हो गया है और अब वह मुंबई इंडियंस में वापस आ गए हैं। मुझे अजीब लग रहा है कि रोहित उन्हें (हार्दिक को) कप्तानी करने देंगे और बागडोर अपने हाथ में लेने देंगे, क्योंकि रोहित पर टीम इंडिया की कप्तानी करने का बहुत दबाव है। शायद यही कदम होगा, लेकिन देखते हैं क्या होता है। डिविलियर्स, जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए तूफानी 360-डिग्री पारी खेलने की आईपीएल विरासत को मजबूत किया, को लगता है कि उनकी पूर्व टीम, एंडी फ्लावर के रूप में एक नए मुख्य कोच के साथ, तेज गेंदबाज हर्षल पटेल और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा को जाने दे सकती है। प्रत्येक को 10.75 करोड़ रुपये की लागत पर फ्रेंचाइजी में शामिल किया गया था। आरसीबी ने उनके (हर्षल और हसरंगा) के लिए एकमुश्त राशि का भुगतान किया है और शायद वे कहीं और शिफ्ट होने का मन बना रहे हैं। उन्हें रिलीज करने से उनके लिए एक बड़ा पर्स खुल जाएगा।

फुटबॉल की तरह क्रिकेट में भी ट्रांसफर फीस का पहला संकेत : वॉन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल वॉन ने हार्दिक पांड्या के 15 करोड़ रुपये (लगभग 1.8 मिलियन डॉलर) में अपने पुराने घर मुंबई इंडियंस में लौटने की अफवाहों के बीच कहा, फुटबॉल की तरह क्रिकेट में ट्रांसफर फीस का यह पहला संकेत है। आईपीएल 2024 का रिटेंशन और ट्रेडिंग प्रक्रिया में है और समय सीमा 26 नवंबर को भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे समाप्त हो रही है। वॉन ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा,हार्दिकपांड्या मुंबई वापस चले गए .. यह स्पष्ट रूप से हो रहा है .. फुटबॉल की तरह क्रिकेट में ट्रांसफर फीस का पहला संकेत !! यह अपरिहार्य है कि यह जल्द ही होगा.. सटाटाआईपीएल। यह सौदा पूरी तरह से नकद में होगा, जिसमें मुंबई को हार्दिक के वेतन के रूप में 15 करोड़ रुपये (लगभग 1.8 मिलियन डॉलर) और टाइटन्स को एक अज्ञात हस्तांतरण शुल्क का भुगतान करना होगा। हार्दिक को ट्रांसफर शुल्क का 50 प्रतिशत तक लाभ मिलता है। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने जोफा आर्चर और कैमरून ग्रीन को रिलीज़ करने का फैसला किया है, जिन्हें हार्दिक पांड्या के साथ डील करने के लिए क्रमश: 17.5 करोड़ रुपये और 8 करोड़ रुपये में साइन किया गया था। क्रिकबज ने पांच बार के चैंपियन के संबंध में विकास की पुष्टि की है, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे बड़ा व्यापार सौदा पूरा करने के लिए तैयार हैं।

सार संक्षेप

फ्रेंड्स यूनाइटेड ने सुदेवा को 2-0 से हराया

नई दिल्ली। फ्रेंड्स यूनाइटेड ने अंकित और अभय सिंह डसीला के गोलों की बदौलत शनिवार को अंबेडकर स्टेडियम पर खेली जा रही प्रीमियर लीग में सुदेवा एफसी को 2-0 से हरा दिया है। आज यहां खेल गये मुकाबले में युवा खिलाड़ियों से सजी सुदेवा पूरी तरह बदरंग नजर आई। दूसरी तरफ फ्रेंड्स यूनाइटेड ने बेहतर तालमेल से खेलते हुए मौकों का भरपूर लाभ उठाया। विजेता टीम अधिकांश समय हावी रही और सुदेवा के युवा अनावश्यक ड्रिबलिंग और गलत पासों के चलते मौके गंवाते चले गए। दिल्ली और देश की नामी अकादमियों में शामिल पराजित टीम के किसी भी खिलाड़ी का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा। मिड फील्ड और फारवर्ड ने बेतुके खेल से आसान मौके गंवाए। फ्रेंड्स यूनाइटेड के दोनों गोल दर्शनीय रहे। दाएं बाएं छोर के क्रॉस पर अंकित और अभय ने रक्षापंक्ति को छकाते हुए शानदार गोल जमाए।

ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड को हराकर पहुंचा डेविस कप फाइनल में

मैड्रिड। एलेक्स डी मिनौर और एलेक्सी पोपिरिन ने स्पेन के मलागा में एकल मुकाबले में फिनलैंड को 2-0 से हराते हुए ऑस्ट्रेलिया को लगातार दूसरे वर्ष डेविस कप फाइनल में पहुंचा दिया। शुक्रवार को यहां खेले गये पहले सेमीफाइनल मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन ने ओटो वर्टानेन को 7-6 (5), 6-2 से हराया, इससे पहले डी मिनौर ने एमिल रुसुवुओरी को 6-4, 6-3 से हराया। मैच के बाद डी मिनौर ने कहा, हमारे लिए यह कप प्राथमिकता है, हम गर्व और जुनून के साथ ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2003 में टूर्नामेंट जीता था।

मुंबई के साथ बहुत अच्छा सफर रहा; सीएसके में जाना और भी खास था : अंबाती रायडू

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने करियर को याद करते हुए कहा कि मुंबई इंडियंस के साथ उनका समय एक शानदार सफर था, लेकिन उनका चेन्नई सुपर किंग्स में समय और भी खास रहा। रायुडू ने 2010 में मुंबई इंडियंस के साथ अपना आईपीएल डेब्यू किया और 2017 संस्करण तक टीम के लिए खेले, 2013, 2015 और 2017 में उनके साथ तीन खिताब जीते। फिर 2018 सीज़न से पहले उन्हें सीएसके ने अपने साथ जोड़ा। उस संस्करण में, रायुडू ने बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, उन्होंने 16 पारियों में 43 की औसत से 602 रन बनाए थे, जिसमें उनका नाबाद 100 रन का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी शामिल था, क्योंकि स्पॉट फिक्सिंग और सट्टेबाजी में एक प्रमुख अधिकारी की संलिप्तता के कारण दो साल के निलंबन के बाद टीम ने ट्रॉफी जीती थी। वह तब आईपीएल 2021 और 2023 का खिताब जीतने वाली सीएसके टीम के सदस्य थे और लीग से संन्यास लेने से पहले उन्होंने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले सीज़न के बारिश से प्रभावित फाइनल में गुजरात टाइटन्स पर जीत हासिल की थी।

मैं अपने आप को एक टीम के माहौल में बहुत लचीले होने के रूप में याद रखूंगा। मैं ओपन के साथ-साथ मध्य क्रम और निचले मध्य क्रम में भी बल्लेबाजी करूंगा। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां मुझे टीम के लिए योगदान देने पर बहुत गर्व है, और मैं अपने करियर में उस पहलू को बहुत संजोता हूं।

यूट्यूब पर प्रसारित द रणवीर शो पॉडकास्ट पर रायडू ने कहा, बेशक, मैंने उनके लिए आठ साल तक खेला। मैंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत मुंबई से की। यह एक शानदार यात्रा थी और हमने तीन आईपीएल और दो चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीतीं। हमने बहुत अच्छा समय बिताया। सीएसके में अपने समय के बारे में बात करते हुए, रायडू ने आगे कहा, सीएसके में जाना और भी खास था, लेकिन दूसरे ड्रेसिंग रूम में बैठना, नीले के बजाय पीले पैड पहनना और मुंबई का सामना करना बहुत अजीब था, जो मुझसे दो विकेट दूर सिर्फ अभ्यास कर रही थी। यह मेरे दिमाग में एक फ्लैशबैक की तरह चल रहा था, यह याद करते हुए कि हम हर दिन क्या करते थे। तब से, हाँ, मुझे सीएसके में रहने की आदत हो गई थी। दाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज ने भारतीय क्रिकेट और आईपीएल में एक लीडर के रूप में एमएस धोनी की विरासत के बारे में भी विस्तार से बात की। हर कोई जानता है कि उन्होंने कई खिलाड़ियों और सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, यहां तक कि उन्होंने सीएसके के लिए खेलने वाले कई विदेशी खिलाड़ियों में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाया है।

इमाद वसीम ने लिया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

कराची। पाकिस्तान के ऑलराउंडर इमाद वसीम ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। इमाद ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, हाल के दिनों में मैं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के बारे में काफी सोच-विचार करते हुए इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने का सही समय है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक उनका समर्थन करने वाले पीसीबी को धन्यवाद। पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करना वास्तव में सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, एकदिवसीय और टी-20 प्रारूपों में मेरी 121 उपस्थिति एक सपने के सच होने जैसी थी। नए कोचों और नेतृत्व के आने के साथ पाकिस्तान क्रिकेट के लिए यह एक रोमांचक समय है। मैं कामना करता हूं कि सभी इसमें शामिल हों और मैं टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने कहा, हमेशा इतने जुनून के साथ मेरा समर्थन करने के लिए पाकिस्तान प्रशंसकों को धन्यवाद। अंत में मेरे परिवार और दोस्तों को धन्यवाद जो मुझे उच्चतम स्तर पर पहुंचने में मदद करने में बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं। मैं अब अंतरराष्ट्रीय मंच से दूर अपने खेल करियर के अगले चरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उत्सुक हूं। उल्लेखनीय है कि बाएं हाथ के स्पिनर इमाद ने निचले क्रम के बल्लेबाज के रूप में पाकिस्तान के लिए 55 एकदिवसीय और 66 टी-20 मैच खेले। उन्होंने आखिरी बार इस साल अप्रैल में पाकिस्तान के लिए रावलपिंडी में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच खेला था।

सुडोकू 6387 का हल

2	8	3	9	7	1	4	5	6
5	4	9	6	2	8	1	7	3
7	6	1	5	4	3	2	9	8
9	3	8	4	1	2	5	6	7
4	1	7	3	6	5	8	2	9
6	5	2	8	9	7	3	4	1
1	9	4	2	8	6	7	3	5
8	2	5	7	3	9	6	1	4
3	7	6	1	5	4	9	8	2

पर

SENSEX BSE 65970.04 ▼ 47.77 19794. 70 ▼ 7.30 MCX Gold 61370 ▲ 298 silver 73915 ▲ 1017 देशबन्धु

अर्थ जगत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में घटे कच्चे तेल के दाम, भारत में कोई असर नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटती जा रही हैं। लेकिन इस गिरावट से पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर कोई बड़ा असर देखने को नहीं मिल रहा है। दूसरी ओर कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतों मामूली बढ़ोतरी हुई है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। देश के 4 महानगरों में दिल्ली में पेट्रोल 96.72 और डीजल 89.62, मुंबई में पेट्रोल 111.35 और डीजल 97.28, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 और डीजल 92.76, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर के भाव रहा है।

पेटीएम को झटका, दिग्गज निवेशक ने छोड़ी कंपनी, का हुआ बड़ा नुकसान

नई दिल्ली। पेटीएम कंपनी को बड़ा नुकसान हुआ है। दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने पेटीएम कंपनी की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन से अपनी हिस्सेदारी वापस निकाल ली है। इस कंपनी में बर्कशायर हैथवे की 2.46 फीसदी हिस्सेदारी थी, जो कि लगभग 1371 करोड़ रुपये है। इस पूरी हिस्सेदारी को बेच दिया है। इस हिस्सेदारी को बेचने से बफे को प्रति शेयर 31 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा है। इस पूरे नुकसान की मूल राशि 620 करोड़ रुपये हुई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के डाटा के अनुसार बर्कशायर हैथवे इंक ने शुक्रवार को बल्क डील में पेटीएम के 1.56 करोड़ से अधिक शेयरों को बेचा है। इन शेयरों की कीमत 877.29 रुपये हर शेयर की कीमत थी। जानकारी के मुताबिक सितंबर 2023 में विजय शेखर शर्मा की पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन में ये हिस्सेदारी थी। इस कंपनी में पांच साल पहले बर्कशायर हैथवे ने निवेश किया था। उस समय ये निवेश लगभग 2200 करोड़ रुपये का था।

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज

फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 13000-14000, मीडियम बोल्ड 15000-16000, फाइन 17000-17500, एक्स्ट्रा बोल्ड 17500-18000, चना दाल एवरेज 7400-7600 चना दाल मार्का 7600-7800, मसूर दाल एवरेज 7800-8000, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका 11000-12000, फाइन 12500-13000, उड़द धुली 11500-12500, फाइन 13000-13500, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 10000-10200, मूंगदाल धुली 10500-10800, फाइन 10800-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3000-3200, बेस्ट 3200-3400, बीपीटी चालू 3200-3400, फाइन 4000-4200,एचएमटी-5000-5300 फाइन-5500-5800 दुबराज भाटापारा 5000-5200, जेजेएल चालू 5500-6000, फाइन 6000-6500, बासमती कनकी चालू 3000-3500, बासमती कनकी मीडियम 4000-4500, बेस्ट 4500-5500, मोगरा- 4000-4500, दुबार- 5500-6000, तिबार- 7000-8000, बासमती 10000-11000, बेस्ट 12000-12500 पोहा- 4000-4200, फाइन 4200-4400, मुरमुरा- 5800-6500, फाइन- 7000-7500, रु.- लाई- 6000-6500 रु., फाइन- 8000-8500 रु.।

सोहन लाल एण्ड संस

रसल चौक फोन- 9425156095 सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62100 चांदी रिफाइन - 74600

दुल्हन श्री आभूषण

कमानिया गेट, सराफा बाजार- मो. 9425860998,9826307100 सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 62100 चांदी रिफाइन - 74600

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	83.36
एक यूरो	91.01
एक ब्रिटिश पाउंड	104.82
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	54.74
एक जापानी येन	00.55

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 92 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 110 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-120 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -76 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 150 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स

शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070 भाव प्रति क्विं.- 5.5 एम एम 6400, 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5880, 10 एम एम 5760,12 एम एम, 5700 एवं 16 एम 5700 रु.। तार- 76 रु. किलो।

सरकार ने सीएनजी, पीएनजी में कंप्रेस्ड बायो-गैस का चरणबद्ध सम्मिश्रण अनिवार्य किया

नई दिल्ली। *केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जैव ईंधन समन्वय समिति ने सीएनजी (परिवहन) और पीएनजी (घरेलू खाना पकाने) की श्रेणी में शहरी गैस वितरण क्षेत्र में कंप्रेस बायो-गैस (सीबीजी) के चरण-वार अनिवार्य मिश्रण की शुरुआत की घोषणा की है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि इस फैसले से लगभग 37,500 करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और 2028-29 तक 750 सीबीजी परियोजनाओं की स्थापना संभव होगी।*

मुख्य उद्देश्य सीबीजी की मांग को प्रोत्साहित करना है जिससे महंगी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात में कमी आएगी और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए विदेशी मुद्रा की बचत होगी। यह निर्णय लिया गया है कि सीबीजी सम्मिश्रण दायित्व वित्तीय वर्ष 2024-2025 तक स्वैच्छिक होगा और अनिवार्य सम्मिश्रण दायित्व 2025-26 से शुरू होगा। वित्त वर्ष 2025-26, 2026-27 और 2027-28 के लिए सीबीजी मिश्रण दायित्व कुल सीएनजी/पीएनजी खपत का क्रमश: एक प्रतिशत, तीन प्रतिशत और चार प्रतिशत रखा जाएगा। वर्ष 2028-29 से सीबीजी मिश्रण दायित्व पाँच प्रतिशत होगा। एक केंद्रीय भंडार निकाय (सीआरबी) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री द्वारा अनुमोदित परिचालन दिशानिर्देशों के आधार पर सम्मिश्रण अधिदेश की निगरानी और कार्यान्वयन करेगा। मक्का से इथेनॉल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों, विशेषकर कृषि विभाग और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के साथ आने वाले वर्षों में इसे एक प्रमुख फीडस्टॉक बनाने पर भी चर्चा हुई। चर्चा की गई कि पिछले कुछ वर्षों में मक्के की खेती का क्षेत्रफल, प्रति हेक्टेयर उपज और उत्पादन में वृद्धि हुई है।

कृषि विभाग और डीएफपीडी के परामर्श से इस मंत्रालय द्वारा उच्च स्टार्च उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने, एफ्लाटॉक्सिन को हटाकर मक्का डीडीजीएस (सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन सॉलिड्स) की गुणवत्ता में सुधार करने, उच्च स्टार्च के साथ नई बीज किस्मों के तेजी से पंजीकरण के लिए काम शुरू किया गया है।

चना दाल के बाद मूंग दाल की कीमतें बढ़ीं

लगाम लगाने के लिए सरकार उठा सकती है कदम

नई दिल्ली। *केंद्र सरकार लंबे वक्त से खाद्य महंगाई दर पर काबू करने के लिए लगातार कदम उठा रही है. चना दाल के बाद अब मूंग दाल के दाम में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. ऐसे में आम लोगों राहत देने के लिए सरकार सस्ते रेट पर मूंग दाल बेचने का विचार कर रही है.लाइव मिंट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार सस्ते मूंग दाल की बिक्री के लिए अपने को-ऑपरेटिव जैसे नेशनल एग्रीकल्चरल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया नेशनल कंज्यूमर को-ऑपरेटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, केंद्रीय भंडार और सफल स्टोर का इस्तेमाल कर सकती है.*

क्या है सरकार का प्लान?- इस मामले पर लाइव मिंट से बात करते हुए एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि मौजूदा वक्त में मूंग दाल की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए सरकार अपने 5 फीसदी यानी 30,000 टन के कच्चे मूंग की बिक्री पर विचार कर रही है. फिलहाल सरकार के पास 5 लाख टन से अधिक का मूंग का स्टॉक मौजूद है.

खाद्य महंगाई को कंट्रोल करने के लिए सरकार पहले भी उठा चुकी है कई कदम- पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले केंद्र की मोदी सरकार किसी भी स्थिति में महंगाई पर पूरी तरह से लगाम लगाने की कोशिश कर रही है. इससे आटा, प्याज और चने दाल की कीमतों को काबू करने के लिए सरकार ने ऐसे ही कदम उठाए थे. सस्ती दरों पर इन खाद्य वस्तुओं की बिक्री के साथ ही इनके निर्यात पर अतिरिक्त कर और स्टॉक लिमिट को तय करने जैसे कदम शामिल थे.

मूंग दाल की कीमत में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी- फिलहाल मार्केट में मूंग दाल 7,775 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रही है. ऐसे में रिटेल में मूंग दाल की कीमत 123 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है. वहीं, भारत में आमतौर पर मूंग दाम की कीमत 115 रुपये किलोग्राम तक रहती है. ऐसे में सरकार अगर एमएसपी में 1500 रुपये प्रति क्विंटल की छूट देती है तो दाल की रिटेल कीमत गिरकर 107 रुपये आ जाएगी. सरकार कीमत को कंट्रोल करने लिए जल्द ही फैसला ले सकती है.

शुक्रवार को भी बढ़ी कीमत- उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को रिटेल मार्केट में मूंग दाम की कीमत में महीने के आधार पर 1 फीसदी और सालाना के आधार पर 12.70 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है. यह 117.20 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट पर बिक रही है. वहीं, थोक कीमत की बात करें तो इसमें भी महीने के आधार पर 0.7 फीसदी और सालाना के आधार पर 13.2 फीसदी की बढ़त देखी गई है. यह फिलहाल 10,643.49 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिक रही है.

थैंक्सगिविंग डे पर अमेरिका में 5.6 अरब डॉलर की ऑनलाइन बिक्री, स्मार्टफोन सबसे आम

सैन फ्रांसिस्को। *अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे पर ऑनलाइन बिक्री 5.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई, जो पिछले साल से 5.5 प्रतिशत अधिक है। एडोब एनालिटिक्स के अनुसार, थैंक्सगिविंग पर मोबाइल उपकरणों पर लगभग 3.3 बिलियन डॉलर खर्च किए गए, जो 14 प्रतिशत अधिक है और एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक फ्राइडे की ऑनलाइन बिक्री 9.6 बिलियन डॉलर होने की संभावना है, जो पिछले साल की तुलना में 5.7 प्रतिशत अधिक है।*

एडोब डिजिटल इनसाइट्स के मुख्य विश्लेषक विवेक पंड्या के हवाले से कहा गया, थैंक्सगिविंग में ऑनलाइन खर्च में रिकॉर्ड 5.6 बिलियन डॉलर के साथ साइबर वीक की जोरदार शुरुआत हुई है, क्योंकि उपभोक्ताओं ने मजबूत छूट का लाभ उठाया और अपनी खरीदारी योजनाओं को जारी रखा। उन्होंने कहा, मोबाइल खरीदारी अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि छुट्टियों के दौरान सबसे अच्छे सौदे पाने के लिए खरीदारों ने अपने स्मार्टफोन का सहारा लिया, इससे ई-कॉमर्स में मोबाइल के बढ़ते महत्व को और भी मजबूती मिली।

एडोब थैंक्सगिविंग डे (जो गुरुवार को था) से शुरू होकर ब्लैक फ्राइडे सहित पूरे पांच दिनों के लिए 37.2 अरब डॉलर के ऑनलाइन खर्च की भविष्यवाणी कर रहा है - जो साल-दर-साल 5.4 प्रतिशत अधिक है और सभी छुट्टियों के खर्च का 16.8 प्रतिशत है। सेल्सफोर्स ने कहा कि वैश्विक स्तर पर, ऑनलाइन बिक्री 31.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जबकि अमेरिका में इसकी बिक्री 7.5 बिलियन डॉलर थी, दोनों में केवल 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में खरीदारों के बीच आयुर्वेद आधारित सौंदर्य उत्पाद लोकप्रिय

नयी दिल्ली। *आयुर्वेदिक सूत्रों पर आधारित सौंदर्य प्रसाधन भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में आगंतुकों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, जिससे स्वदेशी वैकल्पिक प्रकृति-आधारित उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। प्रगति मैदान में प्रदर्शनी हॉल संख्या 12 में सौंदर्य उत्पादों की नई किस्म को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष आयोजन किया गया। यह किस्म प्राकृतिक उपचारक के रूप में भी काम करती है।*

प्रदर्शनी में आने वालों के बीच चारकोल वाले फेसवॉश की काफी अधिक मांग है। यह दिल्ली की धुंध भरी जहरीली हवा के दुष्प्रभावों के खिलाफ प्रभावी है। पपीता से बने फेसवॉश, मुल्तानी मिट्टी, कड़िया, औषधीय पौधों से बने साबुन और आयुर्वेदिक सामग्री से बने टूथपेस्ट खरीदारों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इस प्रदर्शनी में एआईएमआईएल अयूथवेदा ने व्यक्तिगत देखभाल के ऐसे उत्पादों की बड़ी श्रंखला पेश की है, जो पैराबेंस, सिलिकोन, सल्फेट्स और पेट्रोलियम उत्पादों जैसे कठोर रसायनों से मुक्त हैं। अयूथवेदा के संस्थापक और निदेशक संचित शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद आधारित सौंदर्य उत्पाद सेहत से समझौता किए बिना सुंदरता बढ़ाते हैं।

छुट्टी से होने वाली है सप्ताह की शुरुआत, सोमवार को बंद रहेगा शेयर बाजार

नई दिल्ली। *घरेलू शेयर बाजार में इस महीने एक और छुट्टी पड़ने वाली है. अगले सप्ताह के पहले दिन सोमवार (27 नवंबर) को गुरु नानक जयंती के मौके पर घरेलू शेयर बाजार बंद रहेगा. इस मौके पर बीएसई और एनएसई समेत सभी प्रमुख बाजार बंद रहने वाले हैं.दोनों प्रमुख घरेलू शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई पर सोमवार को इक्विटी सेगमेंट, डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट समेत सभी सेगमेंट में कारोबार नहीं होगा.*

गुरु नानक जयंती के मौके पर कमॉडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स मॉर्निंग सेशन में बंद रहेगा. एमसीएक्स पर शाम के सेशन में 5 बजे से 11:30 बजे तक कारोबार होगा. वहीं एनसीडीईएक्स दोनों सेशन के लिए बंद रहने वाला है.यह नवंबर महीने में भारतीय शेयर बाजार की दूसरी छुट्टी है. इससे पहले 14 नवंबर को दिवाली बलि प्रतिपदा के मौके पर भी घरेलू शेयर बाजार बंद रहा था. इस साल घरेलू बाजार में कैलेंडर के अनुसार 15 छुट्टियां पड़ी हैं, जो पिछले साल यानी 2022 की तुलना में 2 ज्यादा हैं. 2023 के दौरान महाशिवरात्रि, ईद-उल-फितर, मुहर्रम और दिवाली जैसे त्योहार शनिवार या रविवार को पड़े हैं. घरेलू बाजार की बात करें तो साल 2023 अच्छा साबित हुआ है. इस साल अब तक के हिसाब से सेंसेक्स करीब 8 फीसदी के फायदे में है, जबकि निफ्टी में करीब 9 फीसदी की तेजी आई है. पूरे साल के दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ने लगातार अपना ऐतिहासिक उच्च स्तर बनाया. हालांकि अभी दोनों प्रमुख सूचकांक अपने उच्च स्तर से कुछ लुढ़के हुए हैं.इस सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार 24 नवंबर को सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई थी. सेंसेक्स शुक्रवार को करीब 50 अंक गिरकर 65,970.4 अंक पर बंद हुआ था. वहीं निफ्टी मामूली 7 अंक फिसलकर 19,794.70 अंक पर रहा था. पूरे सप्ताह के हिसाब से दोनों सूचकांक हल्के फायदे में रहे थे.

जुलाई-सितंबर में शहरी खपत से भारत की जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा मिलने की संभावना

नई दिल्ली। *जबरदस्त शहरी खपत और सेवाओं के विस्तार के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन अनुमान से बेहतर रह सकता है। बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा प्रमुख आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली है।*

सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर जून तिमाही के 7.8 प्रतिशत की तुलना में कम रहने का अनुमान है। विश्लेषकों का अनुमान है कि यह वृद्धि सितंबर तिमाही में 7 प्रतिशत के करीब होगी जबकि यह पहले 6.5 प्रतिशत होने का अनुमान जताया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई-सितंबर में 6.5 प्रतिशत वृद्धि रहने का अनुमान जताया था। इस बारे में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि यह वृद्धि अनुमान से अधिक हो सकती है। दूसरी तिमाही के प्रमुख संकेतकों जैसे घरेलू वाहनों की बिक्री में 21.5 प्रतिशत और घरेलू हवाई यात्रा में 23.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह संकेतक शहरी मांग बढ़ने के प्रतिरूप के तौर पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसी तरह बैंक की उधारी भी बढ़ी है। यह सितंबर तिमाही में 19.8 प्रतिशत बढ़ी जबकि यह अप्रैल-जून में 15.8 प्रतिशत बढ़ी थी। ऐसे ही दूसरी तिमाही में सेवाओं का पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 61.1 रहा, जबकि बीती तिमाही में 60.6 पर था। इंडिया रेटिंग्स के वरिष्ठ आर्थिक विश्लेषक पारस जसराई के मुताबिक, 'भारत की वृद्धि बढ़ाने में प्रमुख भूमिका शहरी उपभोग है। इसके अलावा सेवा क्षेत्र, खास तौर पर वित्तीय सेवाएं वृद्धि को गति दे रही हैं।"पहली तिमाही में महंगे लक्जरी उत्पादों की बिक्री, यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि, घरेलू हवाई यातायात में तेजी के साथ व्यक्तिगत ऋण में वृद्धि हुई। फिर यह वृद्धि दूसरी तिमाही में भी जारी रही। हमें जीडीपी वृद्धि 6.9 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है।'इसके अलावा दूसरी तिमाही में औद्योगिक उत्पाद सूचकांक (आईपीपी) 7.34 प्रतिशत की दर से बढ़ा जबकि बिजली क्षेत्र 13.9 प्रतिशत बढ़ा है।

निर्माण के क्षेत्र में स्टील का उत्पादन 19.23 प्रतिशत बढ़ा जबकि सीमेंट क्षेत्र में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। आईडीएफसी बैंक के वक्तव्य के अनुसार, 'खपत ने शहरी विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। सरकारी खर्च बढ़ने से खपत बढ़ी। केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर सरकारी खर्च अधिक हुआ। सरकारी पूंजीगत खर्च और रियल एस्टेट सेवाओं के मजबूत होने से निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिला। इससे स्टील और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा।

आरबीआई ने देश के तीन बड़े बैंकों पर लगाया10.34 करोड़ रुपए का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को विभिन्न नियामकीय मानदंडों के उल्लंघन को लेकर सिटी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन ओवरसीज बैंक पर कुल 10.34 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि योजना से संबंधित मानदंडों और वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग पर आचार संहिता का पालन नहीं करने के लिए सिटीबैंक एनए पर सबसे अधिक पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। एक अन्य विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्ज को लेकर 'सेंट्रल रिपोजिटरी के गठन और अन्य मामलों से जुड़े कुछ निर्देशों के उल्लंघन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा पर 4.34 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, चेन्नई स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक पर कर्ज संबंधित निर्देशों के उल्लंघन के लिए एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया। रिजर्व बैंक ने तीनों मामलों के बारे में कहा कि जुर्माना नियामक अनुपालन में हुई कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

चुनाव, त्यौहार और प्रदूषण स्तर ने घटा दी सीमेंट की मांग! कई राज्यों पर पड़ा असर

नई दिल्ली। *देश में कोई भी बड़ा निर्माण कार्य हो रहा हो या किसी को अपना छोटा सा आशियाना बनाना हो सीमेंट का इस्तेमाल हर जगह होता है। इसलिए सीमेंट की मांग में लगातार बढ़ोतरी देखी जाती है। लेकिन इस समय कई कारण की वजह से सीमेंट की डिमांड में कमी दर्ज की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले कुछ क्वार्टर में देश में सीमेंट की मांग में लगातार दो अंको की बढ़ोतरी देखने को मिली थी।*

ऐसा इसलिए है क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिल रहा है और देश में लगातार निर्माण कार्य भी जारी है। हालांकि डीलर और विशेषज्ञों का कहना है कि देश के कई राज्यों में चुनाव होने की वजह से, त्योहार का सीजन और शादी विवाह के कारण कंस्ट्रक्शन वर्क धीमा पड़ गया है, जिस वजह से सीमेंट की खपत और उसकी डिमांड में कमी आई है। देश के कुछ हिस्सों में खतरनाक तरीके से बड़े प्रदूषण स्तर के बाद कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया है और सीमेंट की डिमांड में कमी आने का यह भी एक बड़ा कारण है।

आमतौर पर होली और दीपावली जैसे बड़े त्योहरों के समय निर्माण कार्य में धीमापन आता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्यादातर मजदूर त्योहार मनाने के लिए अपने घर चले जाते हैं, इसी वजह से कंस्ट्रक्शन वर्क की रफ्तार पहले के मुकाबले धीमी हो जाती है या फिर कुछ दिन के लिए रोक भी दी जाती है। इस बार नवंबर में दीपावली पड़ने के बाद शादी विवाह का सीजन भी शुरू हो गया है, जिस वजह से सीमेंट की मांग में कमी देखने को मिल रही है। डीलर्स के अनुसार इस समय ज्यादातर मजदूर अपने घर चले गए और निर्माण कार्य धीमा हो गया, जिसका सीधा असर सीमेंट की डिमांड पर पड़ा है।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी के अधिकारी के अनुसार महीने की शुरुआत में ही विश्लेषकों ने पूर्वीभारत के मार्केट में दुर्गा पूजा के बाद और दिवाली की वजह से सीमेंट की डिमांड में धीमापन दिखने की बात कही थी। एनालिस्ट के अनुसार दिसंबर महीने में शादी का सीजन समाप्त होने के बाद पूर्वी क्षेत्र में सीमेंट की मांग में 8 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है, जो की सीमेंट की एवरेज डिमांड है। लेकिन फिर भी यह डिमांड पहले के मुकाबले कम ही रहेगी।

देशबन्धु

ग्राहक सेवा

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट

टेलर्स वारिस

शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596

मो.-9424392281, 9425152707

देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज

क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें

बिना ऑपरेशन

डॉ. विश्वास

राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे

मो: 9827042596

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।

देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

कूनों नेशनल पार्क में घुस आया बाघ, चीतों के बाड़े से 8 किमी दूर मिली लोकेशन

श्योपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के कूनों नेशनल पार्क में बाघ घुस आया है। बाघ यहां दो दिन से घूम रहा है। डीएफओ थिरूकुराल आर ने बताया कि कूनों में बाघ के पदचिन्ह मिले हैं। उनका कहना है कि यहां बाघों के मूवमेंट होते रहते हैं। इसका एक वीडियों भी सामने आया है। हालांकि उन्होंने वीडियो की पुष्टि नही की।

कूनों नेशनल पार्क में नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते बड़े बाड़े में रह रहे हैं। यहां से गुजरने वाली कूनों नदी रणथंभौर नेशनल पार्क और कूनों नेशनल पार्क की सीमा बनाती है। ऐसे में रणथंभौर में रहने वाले बाघ कूनों में आ जाते हैं। चीते बड़े बाड़े में हैं, इसलिए बाघ से संघर्ष होने की आशंका नहीं है। बाघ की लोकेशन बाड़े से करीब 8 किमी दूर बताई जा रही है।

बाघ के पार्क में घूमने का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया पर बाघ के घूमने का वीडियो वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि ये वीडियो कूनों नेशनल पार्क का ही है। वीडियो में जंगल के कच्चे रास्ते पर एक बाघ गाड़ी के आगे चलता हुआ दिख रहा है।

चीते-तेंदूआ के अलावा बाघ भी दिखेंगे

पर्यटकों को चीतों के बाड़े के आसपास तक पहुंचने की भी अनुमति नहीं है। ऐसे में पर्यटक खुले जंगल में तेंदुए और दूसरे वन्यजीवों को ही देख पाते हैं। अब यहां बाघ भी देखने को मिल सकता है। हालांकि वन विभाग की टीम बाघ की तलाश कर रही है।

कूनों के अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा से जुड़े कारणों के चलते चीतों को बड़े बाड़े में रखा गया है। ऐसे में चीतों को बाघ से कोई खतरा नहीं है।

रेलवे प्रशासन के दावों की खुली पोल- लंबी दूरी के ट्रेनों में परोसा जा रहा घटिया खाना

हजरत निजामुद्दीन से जबलपुर के बीच चलने वाली संपर्क क्रांति में बदबूदार खाना परोसा गया

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे प्रशासन लाख दावे करें कि उसने रेल यात्रियों के लिये चलती ट्रेन में स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्य वर्धक भोजन परोसने के इंतजाम कर दिये हैं, लेकिन ऐसा हकीकत में नही है। अब भी यात्री गाड़ियों में घटिया स्तर का खाना परोसा जा रहा है। जो सीधे तौर पर आम रेल यात्रियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

कुछ इसी तरह का मामला हजरत निजामुद्दीन से जबलपुर के बीच चलने वाली संपर्क क्रांति में सामने आया। इसे लेकर यात्रियों और ट्रेन में परोसने वाले कर्मियों के बीच कहा सुनी भी हो गई। मामले में ठेका कंपनी के कर्मचारियों ने हाथ खड़े करते हुये इसके लिये जवाबदार ठेकेदार की तरफ बात पलट दी। पमरे अंतर्गत जबलपुर और हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 12122 मध्यप्रदेश संपर्क क्रांति जो निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से 17 बजकर 55 मिनट पर जबलपुर के लिये चलती है, गुरूवार 23 नवंबर को अपने गंतव्य स्टेशन जबलपुर के लिये रवाना हुई। इस बीच शाम सात बजे के आस-पास कोच क्रमांक एस-3 एवं अन्य कोच में रेल यात्रियों से खाना के ऑर्डर लिये गये। करीब एक घंटे के बाद खाना परोसा गया। इस दौरान कई यात्रियों ने खाने में सब्जी और अन्य खाद्य सामग्री में बदबू आने की शिकायत की। इसे लेकर ठेका कंपनी का कर्मचारी ने संतोष जनक जवाब नहीं दिया। उल्टे कहा गया कि इस ट्रेन में ग्वालियर की कंपनी के पास खाना परोसने का ठेका है, इसलिये हम कुछ ज्यादा नहीं कह सकते हैं।

इस मामले के लेकर कुछ समय के लिये वाद-विवाद की नौबत आ गई थी। हालांकि हाल के मामले से यह बात उजागर हो गई है कि लंबी दूरी की ट्रेनों में खाना और

अन्य तरह के खाद्य सामग्री या व्यंजन परोसने के नाम स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अच्छी खासी रकम देन के बावजूद आम यात्रियों को स्वादिष्ट खाना नहीं मिल पा रहा है। लिहाजा रेलवे के आला अधिकारियों या संबंधित जनप्रतिनिधियों को उचित पहल करनी चाहिये ताकि इस तरह रेल यात्रियों को खाने के नाम पर ठगने के काम पर लगाम लगाई जा सके।

ट्रेन का रूट बदलने से बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस के यात्रियों का कटनी स्टेशन पर हंगामा

विरोध के बाद पुराने रूट से ट्रेन रवाना

कटनी, देशबन्धु। बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस का रूट बदल जाने से नाराज यात्रियों ने शनिवार सुबह कटनी स्टेशन पर जमकर हंगामा मचाया। हंगामे की सूचना पर स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य अपने कर्मचारियों सहित प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंचे। जहां पर हंगामा कर रहे यात्रियों को समझाने का प्रयास शुरू किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने जबलपुर के वरिष्ठ अधिकारियों को यात्रियों के हंगामे की सूचना दी।

काफी देर चले विचार विमर्श के बाद रेलवे प्रबंधन ने बदले गए रूट से बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस को भेजने की बजाए पुराने रूट से आगे के लिये रवाना करने की निर्णय लिया। पुराने रूट से बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस रवाना किए जाने से हंगामा कर रहे यात्रियों को आक्रोश शांत हो गया। जिसके बाद ट्रेन करीब ढाई घंटे बाद आगे के लिये रवाना की गई। इस संबंध में स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य नावेद सिद्दकी ने बताया कि बरौनी से गोंदिया जाने वाली यात्री ट्रेन का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। पहले यह ट्रेन कटनी से चंदिया, उमरिया होते हुए जाती थी, लेकिन चंदिया में थर्ड लाइन इंटरलॉकिंग का कार्य होने के कारण रूट डायवर्ट कर ट्रेन को जबलपुर होकर गोंदिया भेजा जाना था। बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस के कटनी पहुंचने पर यात्रियों को जब रूट डायवर्ट होने की जानकारी मिली तो वे आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे।

ढाई घंटे कटनी में खड़ी रही ट्रेन

यात्री पुराने रूट पर ही ट्रेन को रवाना कने पर अड़े हुए थे। जिसकी जानकारी जबलपुर के रेलवे अधिकारियों को दी गई। यात्रियों को भी हंगामा करने से रोका गया। काफी देर चर्चा के बाद रेलवे प्रबंधन ने ट्रेन को पुराने रूट पर ही आगे के लिये रवाना करने का निर्णय लिया। रेल प्रबंधन के इस निर्णय से यात्रियों का आक्रोश शांत हो गया। बरोनी-गोंदिया एक्सप्रेस को करीब ढाई घंटे कटनी स्टेशन में खड़ी होने के बाद आगे के लिए रवाना किया गया।

मथुरा स्टेशन में रहेगा मेगा ब्लॉक, श्रीधाम एक्सप्रेस का रूट डायवर्ट, कई ट्रेनें रद्द

जबलपुर, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा मथुरा स्टेशन पर विकास कार्यों के लिए मेगा ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके चलते जबलपुर से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों को निरस्त किया जा रहा है। जबलपुर से दिल्ली जाने वाली महाकौशल एक्सप्रेस 25 जनवरी से 4 फरवरी तक 11 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

वापसी में भी 26 जनवरी से 5 फरवरी तक के लिए इसे निरस्त किया जा रहा है। श्री माता वैष्णो देवी एक्सप्रेस 9, 16, 23 और 30 जनवरी को निरस्त रहेगी। जबलपुर से निजामुद्दीन जाने वाली संपर्क क्रांति 21, 24, 26, 28 और 31 जनवरी एवं 2 और 4 फरवरी को निरस्त रहेगी. वापसी में 22, 25, 27 व 29 जनवरी एवं 1, 3, 5 फरवरी को निरस्त रहेगी। गोंडवाना एक्सप्रेस 10 जनवरी से 4 फरवरी तक

निरस्त रहेगी।

इसके अलावा जबलपुर से गुजरने वाली लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बनारस जाने वाली ट्रेन को भी निरस्त किया जा रहा है। 11 जनवरी से 5 फरवरी को हजरत निजामुद्दीन से रवाना होने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित किया गया है। यह ट्रेन निजामुद्दीन, गाजियाबाद, मितावली, आगरा, कैंट होते हुए जबलपुर आएगी।

रेल मंत्री ने संरक्षा से जुड़े विषयों पर समीक्षा बैठक ली

रेलवे बोर्ड सदस्य, महाप्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक व अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक से जुड़े

जबलपुर, देशबन्धु। रेल मंत्री ने भारतीय रेलवे के संरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर शनिवार विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में रेल मंत्रालय के बोर्ड सदस्यों, जोनल अधिकारियों और मंडल अधिकारियों और आरडीएसओ के साथ बैठक में विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर चर्चा की गई। रेल मंत्री ने बैठक में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग, कर्मचारियों के लंबे समय के ड्यूटी घंटे, यार्ड आधुनिकीकरण और यार्ड के बुनियादी ढांचे में संरक्षा प्रबंधन, आपदा प्रबंधन टीम में संरक्षा के विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर जोर दिया है। इसके अलावा उन्होंने पाक्षिक आधार पर संरक्षा कार्ययोजना बनाने और उसकी नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिये हैं। इस बैठक में पश्चिम मध्य रेलवे से महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय, विभागाध्यक्ष तथा सभी मंडल रेल प्रबंधक सहित अधिकारीगण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिका के वेतन संबंधी दावे पर लो उचित निर्णय

राज्य सरकार तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के वेतन सहित अन्य लाभ प्रदान किये जाने के दावे पर उचित निर्णय लेने के निर्देश अनावेदकों को दिये है। जस्टिस राज मोहन की एकलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए राज्य सरकार तथा निर्देशक महिला एव बाल कल्याण विभाग को दो माह में याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर विधि अनुसार निर्णय लेने के निर्देश दिये है।

यह मामला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका कल्याण संघ सिवनी की ओर से हाईकोर्ट में दायर किया गया है। जिसमें कहा गया कि उन्होंने आंगनबाड़ी सहायिकाओं का वेतन दस हजार रूपये तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन बीस हजार रूपये किये जाने की मांग करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार को अभ्यावेदन दिया था। अभ्यावेदन में वेतन वृध्दि, बीमा, पेंशन, ग्रेज्युटी एवं अन्य लाभ प्रदान किये जाने की राहत भी चाही की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उनके अभ्यावेदन पर केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया। याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया गया कि केन्द्र सरकार की ओर से कुपोषण के खिलाफ बनाई गयी योजना के तहत साल 1975 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय गठित किया गया था। इस योजना के तहत ग्रामीण अंचल, शहर तथा महानगरों में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थापित किये गये थे।

आंगनबाड़ी केन्द्र में एक कार्यकर्ता तथा एक सहायिका की नियुक्ति की गयी थी। जिनके मानदेय की 60 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार तथा 40 प्रतिशत राज्य सरकार प्रदान करती है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि आंगनवाडी कार्यकर्ता व सहायिकाओं से 12 घंटे काम लिया जाता है। कुपोषण के अतिरिक्त उनसे सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार, चुनाव ड्यूटी व अन्य शासकीय कार्य भी लिये जाते है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 तथा मजदूरी अधिनियम के विपरीत कम वेतन दिया जा रहा है।

दो घंटे दर्द से कराह रही थी प्रसूता, बिना देखे डॉक्टर ने कर दिया रेफर

मेडिकल कॉलेज में हुआ प्रसव

शहडोल, देशबन्धु। जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था इन दिनों पूरी तरीके से चरमरा गई है। अस्पताल के डॉक्टर एवं स्टाफ की मानवता भी खत्म होती जा रही है। इस मानवहीनता का प्रत्यक्ष प्रमाण शुक्रवार की शाम जिला अस्पताल के प्रस्तुति वार्ड में देखने को मिला।

जहां गोहपारु क्षेत्र के ग्राम बरेली निवासी चंद्रावती अपने घर से 35 किलोमीटर का ऑटो मे सफर तय कर अस्पताल पहुंची, लेकिन डॉक्टर ने बिना देखें उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया। शहडोल जिला अस्पताल के प्रस्तुति वार्ड में एक अजब मामला सामने आया है। यहां इलाज के लिए आई एक प्रसूता को बिना देखे डॉक्टर ने दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया।

बताया जा रहा है कि उसे गोहपारु से सरकारी एम्बुलेंस तक नसीब नहीं हुई। लेकिन जिला अस्पताल आने के बाद उस समय ड्यूटी में कोई भी डॉक्टर उक्त वार्ड में मौजूद नहीं था। प्रसूता 2 घंटे से दर्द से तड़प रही थी, लेकिन उसे देखने के लिए कोई नहीं आया। वह लगभग आठ माह कि गर्भवती थी।

2 घंटे के बाद आए डॉक्टर-

इधर, परिजनों का कहना है कि 7 बजे वह जिला अस्पताल शहडोल पहुंचे थे। प्रसूता महिला को काफी दर्द हो रहा था, लेकिन 2 घंटे तक वहां डॉक्टर मौजूद नहीं थे। रात 9 बजकर 15 बजे एक डॉक्टर आए। कुछ उम्मीद जागी, लेकिन डॉक्टर ने बिना देखे उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया।

हालांकि बताया जा रहा है कि जिला चिकित्सालय में शुक्रवार रात दो घंटे तक उपचार में तड़पने के बाद प्रसूता को परिजनों द्वारा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां बीती रात लगभग 11 बजकर 30 मिनट पर उसका सुरक्षित प्रसव कराया गया।

शासन से राशि न मिलने के कारण स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को नहीं मिली ड्रेस

डिंडौरी, देशबन्धु। डिंडोरी में प्राथमिक और माध्यमिक शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को इस वर्ष ड्रेस वितरित नहीं की गई। छात्र रंग बिरंगे कपड़े पहनकर स्कूल आ रहे हैं।

आधे से ज्यादा सत्र निकल चुका है। जिले भर में 1415 शालाओं में हजारों बच्चे पढ़ते हैं। ड्रेस सिलाई का काम जिले में राज्य आजीविका मिशन करती है। जहां स्व सहायता समूह की 210 महिला यह काम करती हैं।

पिछले साल भी बच्चों देर से मिली ड्रेस- लुकामपुर नवीन माध्यमिक शाला में लगभग 75 छात्र छात्राएं पंजीकृत हैं। शिक्षक कथूराम गवले ने बताया कि पिछले सत्र में भी बच्चों को ड्रेस देर मिली । कुछ

छात्र-छात्राओं को तो मिल भी नहीं पाई। इसलिये रंग बिरंगे कपड़े पहनकर छात्र-छात्राएं स्कूल आ रहे हैं। जिले में 1415 प्राथमिक और माध्यमिक शाला में लगभग 94652 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इनके लिये आजीविका मिशन की 210 स्व सहायता समूह की महिलाओं को ड्रेस सिलाई की जिम्मेदारी मिलती है।

ड्रेस सिलाई के लिए एक बच्चे के लिए दो यूनिफॉर्म के 300 रूपए के हिसाब से 600 रूपए दिए जाते हैं। सर्व शिक्षा अभियान परियोजना प्रशासक राघवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि ड्रेस सिलवाकर स्कूल तक पहुंचाई जाती है।

इसके बाद स्कूल का स्टाफ ड्रेस वितरित कर देता है। शिकायत के बाद कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि शासन से बजट न मिलने की वजह से ड्रेस वितरण में विलम्ब हुआ है।

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 114
मुर्गा मीडियम - रु. 104
मुर्गा बड़ा - रु. 86
मुर्गा जम्बो - रु. 74
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 82
मीडियम ब्रॉयलर - रु.100
छोटा ब्रॉयलर - रु. 110
मोबाइल नं. 9300692405

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

मैहर में नर कंकाल मिलने से मचा हड़कंप

सतना, देशबन्धु। मैहर की कुंजन तलैया के पास एक नर कंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस को घटनास्थल के पास मृतक की पहचान के लिए कोई सबूत नहीं मिला है। धार्मिक नगरी मैहर की कुंजन तलैया के पास नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही एसपी मैहर खुद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक मैहर के अरकन्डी क्षेत्र में कुजन तलैया के पास शुक्रवार की दोपहर एक नर कंकाल मिला। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने नर कंकाल पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल खुद एडिशनल एसपी मुकेश सिंह बैस और मैहर टीआई अनिमेष द्विवेदी के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नर कंकाल किसका है। इस बीच पूछताछ के दौरान पुलिस को यह भी पता चला है कि नरेश चौधरी (35) पिछले दो महीने से अरकंडी क्षेत्र से लापता है। वह डीजे का काम करता था। आशंका यह भी जताई जा रही है कि कंकाल उसका भी हो सकता है।